6 अक्टूबर 2025
सोमवार
केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

घोटाले में फंसे मंत्रियों को तत्काल कैबिनेट से बर्खास्त करो : आइसा
2

बारिश का कहर : उत्तर बंगाल में सड़कें-पुल ध्वस्त, अब तक 20 की मौत

एजेंसी। दार्जिलिंग

उत्तर बंगाल और सिक्किम में लगातार हो रही भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। दार्जिलिंग और कालिम्पोंग जिलों में पुल टूटने, भूस्खलन और बाढ़ से अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि कई लोग लापता हैं। प्रशासन ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। इस मूसलाधार बारिश से सबसे ज्यादा नुकसान दार्जिलिंग, कालिम्पोंग और सिक्किम में हुआ है। बारिश के चलते मिरिक और सुकिया इलाके में कई जगह भूस्खलन हुआ है। दार्जिलिंग जिले के मिरिक में लैंडस्लाइड से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। सड़कों पर कई जगह मलबा जम गया है और यातायात पूरी तरह बाधित है। सिक्किम से संपर्क टूट गया है। जिले के कस्बों और पर्यटन स्थलों मिरिक और कुसेओंग को जोड़ने वाला दुदिया आयरन ब्रिज भी भरभराकर ढह गया है। भारी बारिश की वजह से फिलहाल सिलीगुड़ी-दार्जिलिंग स्टेट हाईवे-12 पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। एनडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन दलों ने राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया है, लेकिन लगातार बारिश और फिसलन भरी सड़कों के कारण राहत कार्यों में दिक्कत आ रही है।

प्रशासन ने लोगों से पहाड़ी रास्तों और नदी किनारों से दूर रहने की अपील की है। भयावह बाढ़ को लेकर सीएम ममता बनर्जी ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित परिवारों को सरकार हर संभव मदद देगी। सीएम ने कहा कि पिछले 12 घंटों से हो रही लगातार तेज बारिश ने पूरे राज्य में तबाही मचा दी है। इस भारी बारिश की वजह से कई लोगों की मौत हो गई और कई लोग अभी भी लापता हैं। वे सोमवार को उत्तर बंगाल दौरे पर आएंगी। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ने दार्जिलिंग आपदा पर गहरा दुख जताया है।

राजनैतिक दलों ने जताया दुख

टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि मिरिक, जोरबंगलो सुखियापोखरी और फालाकाटा सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे प्रभावितों की मदद में सक्रिय हों। वहीं, विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि लगातार बारिश से पहाड़ी इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और सिलीगुड़ी, तराई और डुआर्स का संपर्क बाधित हो गया है। उन्होंने बताया कि बलासन नदी पर बना लोहे का पुल टूट गया, जिससे हजारों लोग फंसे हुए हैं। अधिकारी ने मुख्य सचिव से तत्काल राहत सामग्री पहुंचाने और संचार नेटवर्क बहाल करने की मांग की।

दूधिया में पुल ढहा, सिक्किम से संपर्क टूटा

भारी बारिश के कारण बालासन नदी पर दूधिया स्थित लोहे का पुल बह गया, जिससे सिलीगुड़ी और मिरिक का संपर्क टूट गया। पुल के ध्वस्त होने से वाहन आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय लोग दहशत में हैं। पुलिस मौके पर हालात पर नजर बनाए हुए है। नेशनल हाईवे 717ई पर पेडोंग और रिशिखोला के बीच भूस्खलन से सिलीगुड़ी और सिक्किम को जोड़ने वाला वैकल्पिक मार्ग बंद हो गया हैय इसके अलावा हुसैन खोला और एनएच-110 (कर्सियांग के पास) में भी भूस्खलन की खबर है। लगातार बारिश के कारण सड़क से मलबा हटाने का काम बेहद मुश्किल हो रहा है।

कटक में मूर्ति विसर्जन के दौरान बवाल उपद्रवियों ने पुलिस पर किया हमला

एजेंसी। कटक

ओडिशा के कटक में दुर्गा पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान दो गुटों में हिंसक झड़प हुई, जिसमें डीसीपी समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए प्रशासन ने 24 घंटे के लिए कटक के प्रमुख इलाकों में मोबाइल डाटा और ब्रॉडबैंड सेवाएं बंद कर दी हैं। सोशल मीडिया पर भी अस्थायी रोक लगाई गई है ताकि अफवाहों को रोका जा सके। कटक शहर दुर्गा पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान दो गुटों के बीच झड़प और पत्थरबाजी हो गई। देखते ही देखते मामला इतना बिगड़ गया कि उपद्रवियों ने पुलिस पर भी हमला कर दिया। इस हिंसा में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालात को काबू में करने के लिए प्रशासन ने 24 घंटे के लिए मोबाइल डेटा और ब्रॉडबैंड सेवाएं बंद कर दी हैं। बता दें कि ये पूरा मामला चार अक्तूबर की रात का है, जब एक बजे भुसानी टाइम पर दुर्गा प्रतिमा विसर्जन का जुलूस निकल रहा था। तभी दो समुदायों के बीच किसी बात को लेकर बहस शुरू हो गई। बहस ने जल्द ही हिंसा का रूप ले लिया, और देखते ही देखते पत्थर और बोतलें चलने लगीं। हंगामा बढ़ता देख पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव की कोशिश की। लेकिन उपद्रवियों ने पुलिस पर भी हमला कर दिया, जिसमें डीसीपी ऋषिकेश खिल्लारी घायल हो गए। उनके अलावा कई पुलिसकर्मियों और आम लोगों को भी चोटें आईं। वहीं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (ट्विटर) और अन्य इंटरनेट सेवाओं के इस्तेमाल पर अस्थायी रोक लगा दी है।

कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद एक्शन में सरकारें

मध्य प्रदेश, यूपी, केरल और तमिलनाडु ने लगाई कोल्ड्रिफ पर रोक

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने रविवार को कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री, वितरण और उपयोग पर तुरंत रोक लगा दी है। यह फैसला मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की दुखद मौतों की खबरों के बाद आया है। इन मौतों का संबंध इसी सिरप के इस्तेमाल से बताया जा रहा है। मध्य प्रदेश, यूपी, केरल और तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र पांचवां राज्य है जिसने यह कार्रवाई की है। तेलंगाना ने भी जनता को कफ सिरप का उपयोग बंद करने के लिए अलर्ट जारी किया है। शुरूआती जांच में इस सिरप में जहरीले औद्योगिक रसायन डायथिलीन ग्लाइकॉल की मिलावट की आशंका है। जो कि एक जहरीला औद्योगिक रसायन जो गंभीर विषाक्तता पैदा करने के लिए जाना जाता है। यह सिरप तमिलनाडु के श्रीसन फार्मा ने बनाया है। इस सिरप का उत्पादन मई 2025 में किया गया था और इसकी समाप्ति तिथि अप्रैल 2027 है।

तमिलनाडु सरकार ने लगाया प्रतिबंध : तमिलनाडु सरकार ने भी कोल्डरिफ्फ्ल कफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि एक अक्टूबर से तमिलनाडु में कफ सिरप की बिक्री पर रोक लगाने का आदेश दिया जाता है। चेन्नई की एक कंपनी यह सिरप बनाती है। अधिकारी ने बताया कि पिछले दो दिन में पड़ोसी जिले कांचीपुरम के सुंगुवरचत्रम में दवा कंपनी की निर्माण इकाई का निरीक्षण किया गया और नमूने एकत्र किए गए।

सिरप को लेकर ये अपील

एफडीए ने अपने अलर्ट में कहा है कि सभी लाइसेंसधारियों और आम जनता को कोल्ड्रिफ सिरप बैच नंबर द्दआर-13 की बिक्री, वितरण और उपयोग को तुरंत रोकने का निर्देश दिया जाता है और बिना किसी देरी के स्थानीय औषधि नियंत्रण अधिकारियों को किसी भी स्टॉक की रिपोर्ट करें। विभाग ने जनता से इस बैच के सिरप के कब्जे की जानकारी देने का आग्रह किया है सभी ड्रग्स इंस्पेक्टरों और सहायक आयुक्तों को निर्देश दिया गया है कि वे तुरंत खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं और अस्पतालों को सतर्क करें ताकि यदि बाजार में उक्त उत्पाद बैच का कोई स्टॉक उपलब्ध हो तो उसे फ्रीज कर दिया जाए। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि कोई भी दूषित सिरप बाजार में न बिके।

मध्य प्रदेश में कोलड्रिफ कफ सिरप बैन

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में कफ सिरप पीने से हुई बच्चों की मौत के मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बड़ा ऐलान किया है और इस हादसे के लिए जिम्मेदार कोल्ड्रिफ कफ सिरप को पूरे प्रदेश में प्रतिबंधित कर दिया है। दरअसल पिछले दिनों छिंदवाड़ा जिले में कई बच्चे बुखार के साथ सर्दी-खांसी से पीड़ित थे। इन बच्चों में से 9 की बाद में उपचार के दौरान मौत हो गई और यह कहा गया कि बच्चों की मौत की बड़ी वजह कफ सिरप है। इसी के आधार पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बड़ा ऐलान किया है।

गिरनार पर्वत पर गोरखनाथ मंदिर में तोड़-फोड़, मूर्ति खंडित

एजेंसी। जूनागढ़

गुजरात के जूनागढ़ में गिरनार पर्वत स्थित गोरखनाथ मंदिर में अज्ञात लोगों ने मूर्ति और मंदिर में तोड़-फोड़ की। संगमरमर की मूर्ति का सिर टूट गया और कांच का दरवाजा भी क्षतिग्रस्त हुआ। घटना से भक्तों में भारी आक्रोश है। गिरनार की पहाड़ी में शनिवार की रात हुई इस घटना का पता चलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और वे सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने रविवार को इसकी जानकारी दी। गोरखनाथ नाथ संप्रदाय के प्रतिष्ठित योगी और संस्थापक माने जाते हैं। लिस के अनुसार, उपद्रवियों ने नाथ संप्रदाय के संस्थापक की संगमरमर की मूर्ति का सिर तोड़ दिया और मंदिर के कांच के दरवाजे व अन्य वस्तुओं को नुकसान पहुंचाया है। जूनागढ़ के एसपी सुबोध ओदेदरा ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद अपराध शाखा, विशेष अभियान समूह और भवनाथ पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। ता दें कि गिरनार पर्वत जिसे रेवटक पर्वत भी कहा जाता है। इसके ऊपर जैन और हिंदू मंदिर हैं। तीर्थयात्रियों को यहां चढ़ने के लिए लगभग 10,000 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। जैन मंदिर पर्वत के करीब दो-तिहाई हिस्से पर हैं, जिनमें 12वीं सदी का नवे तिर्थंकर नेमिनाथ का मंदिर प्रमुख है। ऊपर की ओर देवी अम्बा माता सहित कई हिंदू मंदिर हैं।

एयरफोर्स के पास ट्रेनर एयरक्राफ्ट की कमी : एपी सिंह

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडियन एयरफोर्स के पास ट्रेनर एयरक्राफ्ट की कमी है। इस कमी को दूर करने के लिए एचएएन के साथ 70 एचटीटी-40 इंडिजिनियस ट्रेनर एयरक्राफ्ट की डील साइन हुई है। इनकी डिलीवरी इसी साल सितंबर से होनी थी लेकिन अब तक डिलीवरी शुरू नहीं हो पाई है। एयरफोर्स चीफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि कुछ वक्त से ट्रेनर एयरक्राफ्ट की कमी की दिक्कत चल रही है। हम उम्मीद करते हैं कि जल्दी डिलीवरी शुरू होगी क्योंकि जो अभी ट्रेनर एयरक्राफ्ट हैं, किरण उन्हें फेज आउट करना है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि ट्रेनर एयरक्राफ्ट की कमी से निपटने के लिए हमने ट्रेनिंग पैटर्न में बदलाव किए हैं। इस तरह से बदलाव किए हैं ताकि कम नंबर के प्लटेफॉर्म होने के बावजूद हम ट्रेनिंग में वह अचीव कर सकें जो करना चाहते हैं। अब हम ट्रेनिंग स्टेज मंस ही पायलटों को उस एयरक्राफ्ट में भेज रहे हैं जो उन्हें उड़ाने हैं। एयर चीफ ने कहा कि फील्ड से इसका फीडबैक अच्छा है। लेकिन हमें तब भी ट्रेनर एयरक्राफ्ट की जो कमी है उसे पूरा करना है। ताकि ट्रेनिंग कैपेसिटी बढ़ाई जा सके। इसी साल अप्रैल में संसद में पेश की गई एक रिपोर्ट में भी कहा गया था कि रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि ट्रेनर एयरक्राफ्ट की कमी है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय डिजिटल भुगतान को दे रहा है बढावा

टोल गेट पर अब कैश देकर नहीं होगी गाड़ी क्रॉस

एजेंसी। नई दिल्ली

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने टोल प्लाजा पर डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और नकद लेन-देन को कम करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। 15 नवंबर 2025 से, यदि कोई वाहन वैध और सक्रिय यूपीआई के बिना नेशनल हाईवे पर प्रवेश करता है, तो उसे यूपीआई के माध्यम से टोल भुगतान करना होगा, और यह भुगतान सामान्य टोल राशि का 1.25 गुना होगा। इस बदलाव के पहले, फास्ट टैग न होने वाले वाहनों से नकद भुगतान पर दोगुना टोल लिया जाता था। नए नियम के तहत, नकद भुगतान को धीरे-धीरे समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। उदाहरण के लिए, यदि किसी वाहन का सामान्य टोल 100 रुपए है, तो बिना फास्ट भुगतान करने पर उसे 125 रुपए देने होंगे। बिना फास्ट टैग वाहन केवल यूपीआई के माध्यम से टोल भुगतान करना होगा। यह नियम 15 नवंबर 2025 से लागू हो रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य है नकद लेन-देन को कम करना, डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह बदलाव राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों का निर्धारण और संग्रह) नियम, 2008 में संशोधन के तहत किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि नए नियम के तहत वैध और चालू फार्स्ट टैग के बिना शुल्क प्लाजा में प्रवेश करने वाले वाहनों से नकद भुगतान करने पर टोल राशि का दोगुना शुल्क लिया जाएगा। वहीं, यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने वाले वाहन चालकों से केवल 1.25 गुना शुल्क लिया जाएगा।टोल प्लाजा पर लंबी कतारों में कमी आएगी और डिजिटल भुगतान तेज और पारदर्शी होगा।

आईईएसएम की मासिक बैठक में सैनिकों ने दिखाई एकजुटता, समाज व राष्ट्रहित में कार्य का लिया संकल्प

- मुख्य अतिथि राजपुर थानाध्यक्ष ने कहा संगठन बना रहा है सेवा और सहयोग की मिसाल

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर प्रखंड के मध्य विद्यालय परिसर में रविवार को इंडियन एक्स-सर्विसमैन मूवमेंट (आईईएसएम) की मासिक बैठक उत्साहपूर्वक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता चन्द्रजीत सिंह ने की, जबकि संचालन का दायित्व जिला उपाध्यक्ष विद्यासागर चौबे ने निभाया। बैठक का उद्देश्य पूर्व सैनिकों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, समाज में उनकी भूमिका को मजबूत बनाना और सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस रणनीति तय करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजपुर थानाध्यक्ष निवास कुमार का अंगवस्त्र एवं फूलमाला से सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आईईएसएम संगठन अपने आप में एक मिशाल है, जिसने सेवा निवृत्ति के बाद भी समाज व राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका बनाए रखी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसी भी सैनिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जा रहा है, जो काफी सराहनीय कार्य है।

विशिष्ट अतिथि अपर थानाध्यक्ष शिवकुमार मंडल ने संगठन की सराहना करते हुए कहा कि समाज में शांति व्यवस्था और विकास कायम रखने के लिए पुलिस और पूर्व सैनिकों के बीच तालमेल बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, ह्लआपने देश की सीमाओं पर बाहरी दुश्मनों से लड़ाई लड़ी, अब हम सब मिलकर अपने क्षेत्र की समस्याओं से लड़ेंगे।

बैठक में एसआई मनीषा कुमारी ने कहा कि पूर्व सैनिकों का समाज के विकास में अमूल्य योगदान है। उनके अनुभव और अनुशासन से समाज में समझ और एकता का वातावरण बनता है।

आईईएसएम जिला उपाध्यक्ष विद्यासागर चौबे ने बताया कि संगठन पिछले दो वर्षों से सैनिकों की समस्याओं के समाधान में लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विगत लोकसभा चुनाव के दौरान संगठन ने जिलेभर में प्रशासन के साथ मिलकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में भी संगठन लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त करने के लिए हर संभव सहयोग करेगा।

बैठक के दौरान उन सैनिकों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने हाल के ऑपरेशन सिंदूर में सक्रिय भूमिका निभाई थी। वक्ताओं ने एक सुर में कहा कि सेना के जवान हमेशा राष्ट्र सेवा के लिए तत्पर रहते हैं और सेवानिवृत्ति के बाद भी समाजहित के हर मिशन में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

कार्यक्रम में सूबेदार मेजर आर.बी. सिंह, कैप्टन श्रीनिवास सिंह, नायब सूबेदार रामनाथ सिंह, पेटी ऑफिसर सुरेंद्र सिंह, डायरेक्टर हाकिम प्रसाद, महिला अध्यक्ष संगीता देवी, शिवमुनि राय, परमेश्वर सिंह, वशिष्ठमुनि राम, सीताराम साह, कन्हैयालाल और सोमनाथ शर्मा सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर छात्रों-युवाओं ने जताया आक्रोश

घोटाले में फंसे मंत्रियों को तत्काल कैबिनेट से बर्खास्त करो : आइसा

केटी न्यूज/डुमरांव।

राज्य और केंद्र सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर रविवार को इन्कलाबी नौजवान सभा (आरवाईए) के कार्यकताओं ने महरौरा मोड़ स्थित प्रेरणा स्थल के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन किया। पुतला दहन से पहले सभा आयोजित की गई, जिसमें वक्ताओं ने सरकार पर तीखा हमला बोला और भ्रष्टाचार में लिप्त मंत्रियों को तत्काल कैबिनेट से बर्खास्त करने की मांग की।

सभा की अध्यक्षता इंसाफ मंच और आरवाईए नेता बाबूलाल राम ने की, जबकि संचालन प्रभात कुमार राम ने किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए और भ्रष्ट नेता हटाओ-बिहार बचाओ, लूट-खसोट की सरकार नहीं चलेगी जैसे जोरदार नारे लगाते हुए पीएम तथा सीएम का पुतला दहन किया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ह्यजीरो टॉलरेंस ऑन करप्शनह्न की बात तो करते हैं, परंतु उनके ही मंत्रिमंडल के कई मंत्री भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हैं। सरकार भ्रष्टाचार पर मौन साधे बैठी है, जिससे साफ झलकता है कि ह्यसुशासनह्न का दावा अब महज दिखावा बनकर रह गया है। उन्होंने कहा कि जनता को लूटने वालों को संरक्षण देना लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ है और बिहार की जनता अब इस अन्याय को बर्दाश्त नहीं करेगी। वक्ताओं ने कहा कि मंत्रियों की तिजोरी में जनता का पैसा बंद है, जिसे अब बिहार की जनता वापस लेगी। उन्होंने मांग की कि भ्रष्ट मंत्रियों की तिजोरी का ताला तोड़ो और जनता का हक वापस लाओ।

जनता के हक के लिए संघर्ष जारी रहेगा

सभा में वक्ताओं ने कहा कि इन्कलाबी नौजवान सभा, इंसाफ मंच और तमाम प्रगतिशील संगठन भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के खिलाफ संघर्ष को तेज करेंगे। यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार से सभी भ्रष्ट मंत्री बर्खास्त नहीं किए जाते और बेरोजगार युवाओं को रोजगार नहीं मिलता। सभा में प्रभात कुमार राम, अनिल राय, प्रेमचंद राम, गणेश राम, छठू राम, भुअर राम, अमित कुमार, सुरेश यादव सहित कई अन्य युवा नेता शामिल हुए। वक्ताओं ने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ किसी पार्टी या संगठन की नहीं, बल्कि बिहार के आम लोगों की लड़ाई है। अब जनता भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ निर्णायक संघर्ष करेगी।

युवाओं के भविष्य से हो रहा खिलवाड़

आरवाईए नेताओं ने एएलपी भर्ती घोटाले का मुद्दा उठाते हुए कहा कि लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ हो रहा है। भर्ती प्रक्रिया में धांधली और घोटाले से युवा निराश हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और पलायन की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है, जबकि सरकार सिर्फ चुनावी वादों और झूठे आश्वासनों में युवाओं को उलझा रही है। नेताओं ने कहा कि बिहार के युवा पलायन को मजबूर हैं क्योंकि राज्य में रोजगार का कोई ठोस अवसर नहीं है। हर चुनाव में सरकार नौकरी और विकास का सपना दिखाती है, लेकिन सत्ता में आने के बाद वादे हवा हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब युवा अपने अधिकार की मांग करते हैं तो सरकार उन पर लाठियां बरसाती है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमराँव

12 हजार पांच सौ हेक्टेयर में बारिश से लहलहायी धान की फसल, रबी को भी मिलेगा फायदा

केटी न्यूज/डुमरांव

हथिया नक्षत्र में बारिश नहीं होने से जिले के किसानों में मायूशी छायी हुई थी। खेत सूख गए थे और उसमें दरारें पड़ने लगी थी। सुबह उठते ही किसान आसमान की तरफ देखते थे, और भगवान से बारिश होने के लिये प्रार्थना करते थे। उपर वाले ने उनकी सुन ली और पिछले मंगलवार से ही झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश होते ही किसानों के चेहरे खिल उठे और वे अपने खेत की तरफ भागे। तीन-चार दिन तक हुई बारिश से पूरा खेत भर गया, नदी, नहर और तलाब में भी पानी भरा हुआ दिखने लगा। हथिया नक्षत्र में बारिश होने से कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि फसल में लगे रोग भी दूर हो जाते हैं, ऐसे में दवा का छिड़काव नहीं होता है, क्योंकि हथिया नक्षत्र की बारिश फसल के सारे रोग-ब्याध को दूर कर देता है। कृषि वैज्ञानिकों व सलाहकारों का कहना है कि हथिया नक्षत्र की बारिश हो जाने फसल में जा आ जाती है। इस मौसम में बारिश भी तीन-चार दिन लगातार जमकर हुई है। खेत में पानी भर कर खेतों में फैल चुका है। इतना ही नहीं टोपरा भर दूसरे खेतो में बहने लगा है। ऐसे में धान फसल की कटनी तक अब पानी की जरूरत नहीं पड़ेगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि खेत में भरा पानी खरीफ फसल को फायदा तो पहुंचाएगा ही रबी फसल को भी फायदा पहुंचाएगा। खेत की नमी रहने के कारण रबी फसल की जोताई असान हो जाएगी और उसे फायदा भी पहुंचाएगा। किसान रामदयाल पाल, सुरेन्द्र पाल, मोहन मिश्रा, देवनाथ यादव, रवीन्द्र सिंह, कमल राय, बसंत राय सहित अन्य किसानों ने बताया की इस साल भगवान ने सही समय पर पानी दिये हैं।

खेलने के दौरान आहर में गिरे मासूम भाई-बहन, बहन की मौत, भाई सलामत

- मुरार थाना क्षेत्र के ओझा बरांव गांव में शनिवार की दोपहर हुई हृदय विदारक घटना
- जोरदार बारिश के बाद लबालब हो गए है आहर-पोखर, बढ़ खतरा

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के मुरार थाना क्षेत्र के ओझा बरांव गांव में आहर में डूबने से एक छह वर्षीय बच्ची की मौत हो गई है, जबकि उसके आठ वर्षीय भाई को बचा लिया गया है। घटना के बाद पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं, ग्रामीणों में भय व्याप्त है। ग्रामीण अपने बच्चों को खेलने के लिए घर से बाहर नहीं निकलने दे रहे है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की दोहपर ओझा बरांव गांव निवासी धुरान यादव की छह वर्षीय बेटी सुकान्ति कुमारी तथा आठ वर्षीय बेटा विक्की कुमार आहर के समीप ही खेल रहे थे।

इधर, पिछले दो दिन से हुई जोरदार बारिश के बाद क्षेत्र के सभी आहर व पोखर लबालब हो गए है। खेलने के दौरान ही अचानक सुकान्ति आहर में गिर गई। उसके साथ खेल रहे बड़े भाई विक्की को भी पानी के गहराई का अंदाजा नहीं था। बहन के चिखने-चिल्लाने पर वह भी उसे बचाने के लिए आहर में कूद पड़ा। इस दौरान दोनों डूबने लगे। हालांकि, आस पास में मौजूद लोगों की नजर उनपर पड़ी तथा दोनों को पानी से निकाल तत्काल चौगाईं सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने सुकान्ति को मृत घोषित कर दिया। जबकि प्राथमिक इलाज के बाद विक्की की हालत सुधर गई। समय पर प्राथमिक इलाज मिलने से उसकी जान बच गई।

घटना के बाद से मृतक के परिवार में कंदन चित्कार मच गई है। अचानक खेलते हुए मासूम की मौत से उसके माता-पिता समेत पूरा परिवार बदहवास हो गया।

इस घटना के बाद गांव में अफरा तफरी मच गई है। लोग अपने बच्चों को घर से बाहर खेलने के लिए नहीं निकलने दे रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि भारी बारिश के कारण आहर-पोखर तथा अन्य जलाशय पानी से भर गए है। जिस कारण छोटे बच्चों के लिए खतरा बढ़ गया है।

मुरार थानाध्यक्ष नेहा कुमारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

राजपुर विधायक विश्वनाथ राम ने पेश किया पांच साल का रिपोर्ट कार्ड, बोले जनसेवा ही मेरा लक्ष्य

- इटाढ़ी बाजार में समर्थकों की मौजूदगी में विधायक ने गिनाई उपलब्धियां, कहा कि धनसोई को प्रखंड बनाना अब भी प्राथमिकता

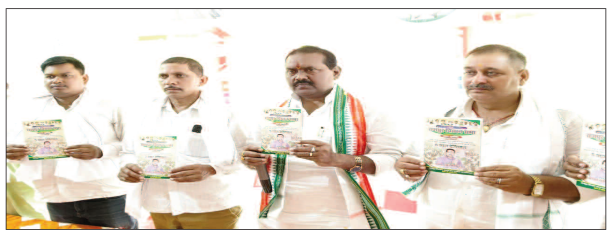

केटी न्यूज/राजपुर

इटाढ़ी बाजार स्थित एक निजी कॉम्प्लेक्स में रविवार को राजपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ राम ने अपने पांच वर्षों के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड जनता के बीच प्रस्तुत किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, समर्थक और महागठबंधन के नेता मौजूद रहे। विधायक ने कहा कि उन्होंने जनता के भरोसे पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास किया है और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य किया है। विधायक ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में किसानों को सिंचाई की कोई दिक्कत नहीं हुई। क्षेत्र के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था की गई। उन्होंने कहा कि बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 500 से अधिक ट्रांसफार्मर बदले गए और 278 सड़कों का निर्माण कराया गया। शिक्षा के क्षेत्र में योगदान गिनाते हुए विधायक ने बताया कि खीरी गांव में मदरसा स्कूल का निर्माण कार्य जारी है। सभी उच्च विद्यालयों में पुस्तकालय के लिए 350 बुकसेफ उपलब्ध कराए गए हैं, जबकि कई स्कूलों में नए बेंच-डेस्क भी लगाए गए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उन्होंने कहा कि क्षेत्र में 16 हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर खोले गए हैं। साथ ही, विधानसभा में प्रत्येक परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की मांग को उन्होंने मजबूती से रखा।

जनता की समस्याओं के समाधान में सक्रियता

विधायक ने बताया कि उनके हस्तक्षेप से अब तक 20 हजार से अधिक लोगों की व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान किया गया और करीब 200 परिवारों को दो करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। उन्होंने यह भी बताया कि विधानसभा में उनकी उपस्थिति 98 प्रतिशत रही है, जो जनता के मुद्दों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

अधूरे काम होंगे पूरे, धनसोई को प्रखंड बनाना प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि तीन वर्षों में अधिकांश गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा गया है, लेकिन धनसोई को प्रखंड बनाने का मुद्दा अब तक अधूरा है। इस विषय को उन्होंने सदन में सात बार उठाया, किंतु सफलता नहीं मिली। उन्होंने पूर्व विधायक पर तंज कसते हुए कहा कि मंत्री रहते उन्होंने क्षेत्र के विकास की उपेक्षा की। विधायक ने कहा कि राजपुर को विकास के मामले में एक अलग पहचान दिलाना उनका लक्ष्य है। राजपुर में मेडिकल कॉलेज की स्थापना और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित चिकित्सकीय व्यवस्था बहाल करने की दिशा में प्रयास जारी है। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि सुदर्शन सिंह, पैक्स अध्यक्ष संजय सिंह, संतोष सिंह, सुरेंद्र कुशवाहा, अनु राय, मुन्ना राम, अवध बिहारी यादव, मनीष कुशवाहा समेत कई स्थानीय नेता व ग्रामीण उपस्थित रहे।

लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की कलश यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, दिखा भक्ति व उल्लास का संगम

- हाथी-घोड़े, बैंड-बाजा और पारंपरिक परिधानों से सजी महिलाओं ने बढ़ाई शोभा, जयकारों से गूंजा बेलांव गांव

केटी न्यूज/नावानगर

नावानगर प्रखंड के बेलांव गांव में रविवार का दिन पूरी तरह भक्ति और आस्था के रंग में रंग गया। श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ को लेकर निकाली गई भव्य कलश यात्रा में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। हर ओर से ह्लजय श्रीरामह्व और ह्लहर हर महादेवह्व के गगनभेदी जयकारे गूंज उठे। गांव की गलियां पुष्पवर्षा से महक उठीं और वातावरण में भक्ति रस घुल गया। श्री दास बृजेशजी महाराज के सानिध्य में निकली इस कलश यात्रा की शुरूआत यज्ञ स्थल से हुई। यात्रा बेलांव से होते हुए घुनसारी पुल, सिकरौल लाख और ठोरा नदी तट तक पहुंची। नदी किनारे वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच श्रद्धालुओं ने अपने-अपने कलश में पवित्र जल भरा। महिलाएं सिर पर कलश लिए कतारबद्ध होकर चल रही थीं, तो पुरुष भक्त जयकारों के साथ आगे बढ़ते हुए वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे। कलश यात्रा में शामिल हाथी-घोड़े, बैंड-बाजा और पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाएं विशेष आकर्षण का केंद्र बनीं। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाएं जब कलश लेकर आगे बढ़ीं तो दृश्य देखते ही बनता था। पूरे मार्ग पर भक्तों ने पुष्पवर्षा की और बैंड की मधुर धुनों के साथ यात्रा में उमंग का संचार होता रहा। यज्ञ समिति के अध्यक्ष हरिहर साह ने बताया कि सोमवार से अरणी मंथन के साथ लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का शुभारंभ होगा, जो सात दिनों तक चलेगा। इस दौरान प्रतिदिन संध्या समय कथा स्थल पर श्री दास बृजेश जी महाराज के मुखारविंद से राम कथा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 11 अक्टूबर, शनिवार को पंचमी तिथि के अवसर पर पूणार्हुति और भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। भक्ति, श्रद्धा और उल्लास से ओतप्रोत इस आयोजन ने न केवल बेलांव बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों को धार्मिक उत्सव के रंग में रंग दिया है। हर कोई इस दिव्य महायज्ञ का हिस्सा बनने को आतुर दिखा। गांव की गलियां, मंदिर परिसर और यज्ञ स्थल सभी जगह भक्तिमय वातावरण ने ऐसा माहौल बना दिया मानो धरती पर स्वर्ग उतर आया हो।

मुख्य आकर्षण

कलश यात्रा का मुख्य आकर्षण सजाए गए हाथी-घोड़े और बैंड-बाजा के साथ हजारों श्रद्धालुओं की भागीदारी रही। कलशयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के से गूंजा पूरा क्षेत्र गूंजायमान हो उठा। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच ठोरा नदी तट पर भरा गया पवित्र जल। सोमवार से यह महायज्ञ विधिवत आरंभ होगा तथा 11 अक्टूबर को पूणार्हुति दी जाएगी। भक्ति, सौहार्द और समर्पण की अनूठी मिसाल पेश करती यह कलश यात्रा आने वाले सप्ताह तक पूरे इलाके को आध्यात्मिक माहौल में डुबोए रखेगी।

आरजेडी कार्यकर्ताओं ने डुमरांव सीट पर जताई दावेदारी, कहा हमारा हक हमें मिले

- महागठबंधन के प्रति वफादारी दोहराते हुए बोले कार्यकर्ता हर हाल में जीतेंगे, लेकिन सीट बक्सर जिले के कार्यकताओं को ही मिले
- डुमरांव में संपन्न हुआ राजद का कार्यकर्ता सम्मेलन, कार्यकताओं ने तेजस्वी की सरकार बनाने की भरी हुंकार

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में रविवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की विधानसभा इकाई की ओर से कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व प्रदेश महासचिव अखिलेश यादव ने जबकि संचालन का दायित्व भी उन्होंने ही निभाया। कार्यक्रम में राजद प्रदेश अध्यक्ष मांगनीलाल मंडल, बक्सर सांसद सुधाकर सिंह, एमएलसी अशोक कुमार पांडेय और ब्रह्मपुर विधायक शंभूनाथ सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सम्मेलन में डुमरांव विधानसभा क्षेत्र से जुड़े वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में अपनी सीट को लेकर आवाज बुलंद की। कार्यकताओं ने प्रदेश अध्यक्ष, सांसद, विधायक और एमएलसी के समक्ष यह मांग रखी कि डुमरांव सीट पर वर्षों से समझौता होता आ रहा है। जबकि इस क्षेत्र में राजद का मजबूत संगठन और कार्यकताओं की व्यापक मौजूदगी है। पार्टी नेतृत्व को चाहिए कि इस बार टिकट बक्सर जिले के ही किसी योग्य कार्यकर्ता को दिया जाए। हम सब एकजुट होकर भारी मतों से उसे जिताने का काम करेंगे।

बोले कार्यकर्ता बक्सर की तीन सीटें बार-बार न जाएं बाहर

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अखिलेश यादव ने कार्यकताओं की भावना का समर्थन करते हुए कहा कि राजद कार्यकर्ता गठबंधन के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन बार-बार बक्सर जिले की तीन विधानसभा सीटों को दूसरे जिलों के हिस्से में देना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि जैसे पंचायत चुनाव में सीटों का रोटेशन होता है, वैसे ही विधानसभा स्तर पर भी रोटेशन की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि हर जिले को प्रतिनिधित्व का अवसर मिले।

वहीं, उन्होंने कहा कि डुमरांव विस क्षेत्र में राजद का शुरू से ही मजबूत जनाधार रहा है। यदि पार्टी किसी स्थानीय राजद कार्यकर्ता को यहा से उम्मीदवार बनाती है तो इस बार जीत का अंतर और बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि इस सीट पर राजद के चुनाव नहीं लड़ने से कार्यकताओं कुंठित हो रहे है।

मांग शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचेगी

जिला संगठन प्रभारी एवं एमएलसी अशोक कुमार पांडेय ने भरोसा दिलाया कि कार्यकताओं की यह मांग दल के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाई जाएगी। वहीं सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि बक्सर के कार्यकताओं की बात पूरी तरह जायज है। इसे पार्टी नेतृत्व के समक्ष रखा जाएगाह्व उन्होंने साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि इंडिया गठबंधन का अंतिम निर्णय सर्वमान्य होगा, जो सीट किसी दल के खाते में आएगी, उसे भारी मतों से जीताने का संकल्प हर कार्यकर्ता को निभाना होगा।

कार्यकर्ताओं की बात जायज, प्रयास करेंगे हिस्सेदारी बढ़े- प्रदेश अध्यक्ष

राजद प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल ने भी कार्यकताओं की भावना को उचित ठहराते हुए कहा कि महागठबंधन की होने वाली बैठक में वे बक्सर जिले की हिस्सेदारी बढ़ाने का मुद्दा उठाएंगे। उन्होंने कहा कि हम तेजस्वी यादव और गठबंधन के नेताओं से इस विषय पर चर्चा करेंगे ताकि बक्सर जिले को उसका उचित प्रतिनिधित्व मिले। वहीं, अपने संबोधन में उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जल्द ही तारीखों की घोषणा करेगा, और विपक्षी दल ह्लजंगलराजह्व का प्रचार कर जनता को गुमराह करने की कोशिश करेंगे।

उन्होंने कहा कि जब सवर्णों की सरकार रहती है और उसी दौरान हत्या, अपहरण, डकैती या रेप की घटनाएं होती हैं तो उसे सुशासन कहा जाता है, लेकिन जब पिछड़ों, दलितों और अति पिछड़ों की सरकार आती है तो मीडिया उसे ह्यजंगलराजह्न बताने लगता है। इससे घबराने की जरूरत नहीं है।

नीतीश राज में घोटालों का अंबार

राजद प्रदेश अध्यक्ष ने नीतीश सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि वर्तमान शासन में 80 हजार करोड़ का घोटाला हुआ है। चार हजार करोड़ का सृजन घोटाला और पुल-पुलिया निर्माण में भी करोड़ों का भ्रष्टाचार सामने आया। कई पुल उद्घाटन से पहले ही गिर गए, कुछ उद्घाटन के बाद। उन्होंने सवाल किया कि क्या यहीं सुशासन है।

सम्मेलन में तेजस्वी की सरकार बनाने का लिया संकल्प

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और कार्यकताओं ने एकमत होकर कहा कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर काम करेंगे। जिस दल को गठबंधन के तहत टिकट मिले, उसे राजद का उम्मीदवार मानकर पूरा समर्थन दिया जाएगा। जिला मीडिया प्रभारी हरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि सम्मेलन में जिला अध्यक्ष शेषनाथ सिंह, पूर्व प्रत्याशी बद्री सिंह, पप्पू यादव, संतोष भारती, जगनारायण यादव, सत्येंद्र सिंह यादव, धनपति चौधरी, शारदा यादव, मनोज ठाकुर, रामप्रवेश सिंह, इफ्तेखार अहमद, राजेंद्र राम, इस्लाम अंसारी, कृष्णा बहादुर, रामजी यादव, श्रीरंग यादव, मुन्ना खां, बिनोद यादव, भुट्टो खां, ब्रज बिहारी सिंह, उमेश कुमार सिंह, नागेंद्र सिंह, अजय राम, अर्जुन कुशवाहा, बिरेन्द्र सिंह यादव, लालबाबू यादव, संतोष कुमार सिंह यादव, अरविंद कुमार सिंह, राजेश यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक नजर

रेलवे प्रशासन की उदासीनता से यात्रियों के साथ कभी भी हो सकती है अनहोनी

डुमरांव। डुमरांव रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म को विस्तार करने और यात्रियों की सुविधा को देखते हुए ओवरब्रिज बनाने और यात्री सेड बनाने को लेकर काम शुरू हुआ था। काम शुरू होने से नगरवासियों सहित आसपास क्षेत्र के लोगों में काफी खुशी थी। वही खुशी आज दुख में बदल गई है, जो स्टेशन से उतरने के बाद शुरू हो जाती है। बारिश ने उस तकलीफ को और बढ़ा दिया है, कीचड़ और जलजमाव से आने-जाने वाले यात्रियों को गिरते हुए वाहन पकड़ने के लिये जाना पड़ता है। बता दें कि डुमरांव रेलवे स्टेशन का चयन अमृत भारत योजना के तहत किया गया है। इसके तहत निर्माण कार्य तो पिछले साल ही शुरू कर दिया गया था, लेकिन काम अधूरा रहने तथा निर्माण की रफ्तार बहुत कम रहने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि रेलवे स्टेशन के मुख्य मार्ग में निर्माण एजेंसी द्वारा एक बड़ा गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है, जिससे हादसे की संभावना बनी रहती है। वहीं, डुमरांव से नया भोजपुर जाने वालों की परेशानी बढ़ गई है। स्टेशन से निकलते ही गड्ढें व कीचड़ से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। युवा नेता दीपक यादव ने रेल प्रशासन ने निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की है।

कर्मनाशा के रास्ते शराब तस्करी का भंडाफोड़, तस्कर फरार

चौसा। मुफस्सिल थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर कर्मनाशा नदी के रास्ते शराब तस्करी का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान पुलिस ने बनारपुर गांव के पास कर्मनाशा नदी के किनारे से तस्कर द्वारा फेके गए बोरे से करीब नौ लीटर विदेशी व देशी शराब बरामद किया है, जबकि तस्कर पुलिस को चकमा दे भागने में सफल रहा। मिली जानकारी के अनुसार मुफस्सिल पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति कर्मनाशा नदी के रास्ते यूपी से शराब की खेप लेकर आ रहा है। इस सूचना पर अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम छापेमारी करने के लिए उक्त जगह पर पहुंची, लेकिन पुलिस टीम को देखते ही तस्कर शराब से भरा बोरा फेक फरार हो गया। पुलिस शराब बरामद करने के बाद तस्कर की शिनाख्त में जुट गई है। इस मामले में अज्ञात तस्कर के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। पुलिस का दावा है कि जल्दी ही तस्कर की शिनाख्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गंगा युवा समिति ने मनाया 301वां रविवार गंगा सफाई महाअभियान

बक्सर। हर रविवार गंगा पुकार, निर्मल गंगा संकल्प हमारा के संकल्प के साथ गंगा युवा समिति, चौसा बक्सर द्वारा लगातार चलाया जा रहा गंगा सफाई महाअभियान इस रविवार अपने 301वें सप्ताह में पहुंच गया। रविवार की सुबह 7 से 8 बजे तक चौसा बाजार घाट पर समिति के सदस्यों ने मां गंगा की सफाई कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। समिति के संयोजक भरत पांडेय ने बताया कि यह अभियान वर्ष 2019 से निरंतर चल रहा है। उन्होंने कहा कि मां गंगा केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए आस्था और पवित्रता की प्रतीक हैं। इनके नाम मात्र से ही सभी पापों का नाश होता है। इसलिए गंगा की स्वच्छता हम सभी का दायित्व है। उन्होंने आगे कहा कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा ताकि आने वाली पीढ़ियां भी निर्मल और स्वच्छ गंगा का आशीर्वाद पा सकें। इस अवसर पर आकाश कुमार, नीरज चौरसिया, मंगलदेव पासवान, पप्पू चौरसिया, रविश जयसवाल, श्रीराम चौधरी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क पर जलजमाव बना परेशानी का सबब, चौसा नगर पंचायत की लापरवाही पर फूटा लोगों का गुस्सा

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा नगर पंचायत क्षेत्र के खिलाफतपुर मुहल्ले को जाने वाली मुख्य सड़क पर इन दिनों जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। लगातार गंदे पानी के जमाव से सड़क की हालत बदतर हो गई है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर बने गड्ढों में पानी भर जाने से पैदल चलना और दोपहिया वाहनों का गुजरना मुश्किल हो गया है। स्थानीय नागरिक सुरेंद्र उपाध्याय, मानेश्वर, गंगाधर सहित कई लोगों ने बताया कि पिछले कई दिनों से जलनिकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। नाले की सफाई नहीं होने के कारण गंदा पानी सड़क पर फैल रहा है, जिससे बदबू और मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। ग्रामीणों ने कहा कि नगर पंचायत प्रशासन को कई बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि चौसा नगर पंचायत का यह हाल स्वच्छता अभियान पर कलंक के समान है। यदि शीघ्र ही जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। नागरिकों ने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द नाला सफाई और जलनिकासी की ठोस व्यवस्था करने की मांग की है ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

नगर परिषद क्षेत्र में रोशनी के लिये लगा स्ट्रीट लाईट खराब, नगरवासी परेशान

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद ने नगरवासियों के सहयोग के लिये हर बिजली पोल पर स्ट्रीट लाइट लगाया है, लेकिन उसको यह पता नहीं हैं कि कितने खराब पड़े हुए हैं। इस संबंध में जब ईओ एस धर दूबे से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सभी खराब लाइट का सर्वे हो चुका है, जितने खराब हैं, सभी को बदल दिया जाएगा। इधर बरसात को लेकर शहर के रोड कई स्थानों पर गड्ढे में तब्दिल हो चुके हैं, ऐसे में कब कहां गिर जाएगा कोई नहीं जानता। वहीं लाईट सही रहने पर लो संभल जाते और बचकर आगे बढ़ते। नगरवासियों को उम्मीद लगाए बैठे हैं कि कब शहर की सूरत बदलेगी और हम नगरवासी आराम से आते-जाते। वहीं, स्ट्रीट लाइट खराब होने से एक तरफ जहां शहर के सौदर्यीकरण पर बट्टा लग रहा है तो दूसरी तरफ इसके गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो रहे है। लोगों का कहना है कि नगर परिषद द्वारा दोयम दर्जे की लाईट लगाई गई है, जिससे बहुत कम समय में ही लाईट खराब हो गए है।

भोजन बैंक बक्सर की 26वा सेवा सप्ताह, जरूरतमंदों को ग्रहण कराया गया प्रसाद रूपी भोजन

- भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान की पहल को लोगों ने सराहा, संस्थान ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा

केटी न्यूज/बक्सर

रविवार को भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान के तत्वावधान में संचालित भोजन बैंक बक्सर की ओर से लगातार 26वें सप्ताह भी जरूरतमंदों और गरीबों के बीच प्रसाद रूपी भोजन का वितरण किया गया। इस सेवा कार्यक्रम का संचालन गुप्तेश्वर पटेल एवं राहुल वर्मा ने संयुक्त रूप से किया। संस्थान की यह पहल समाज में मानवता और सहयोग की मिसाल पेश कर रही है।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ता कुमार मानवेन्द्र एवं अधिवक्ता मोहम्मद अकरम ने कहा कि भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान द्वारा किया जा रहा यह कार्य अत्यंत सराहनीय है। गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा मानी जाती है। उन्होंने कहा कि ह्लनर सेवा ही नारायण सेवाह्व की भावना को मूर्त रूप देने का कार्य भोजन बैंक के माध्यम से किया जा रहा है। ऐसे पुनीत कार्यों में समाज के सभी वर्गों को तन, मन और धन से सहयोग करना चाहिए।

इस अवसर पर संस्थान को महेंद्र कुमार वर्मा, सूरज वर्मा और रंजन कुमार सिंह द्वारा आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया, वहीं दीपक ने खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। संस्थान की पूरी टीम ने सभी सहयोगकताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में अभिभावक दंपति रंजन कुमार सिंह एवं सुनीता देवी के साथ आजाद, इमरान हाशमी, हरी ओम, बंस नारायण यादव, विनोद, बालाजी, प्रभात शर्मा, शिवम राय, सिंगर विश्वास वर्मा, मनोज गुप्ता, अजीत कुमार, रामेश्वर प्रसाद सिंह, अजीत वर्मा, संतोष राय, संजय वर्मा, चन्दन वर्मा, मनोज कुमार वर्मा, अनिल वर्मा, संजय कुमार वर्मा, अनिल कुमार, राज कुमार, प्रीतम कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में शत्रुधन सिन्हा, अधिवक्ता राजेश, भुआली वर्मा, ललन राम और राजीव कुमार ने भोजन बैंक की निरंतरता बनाए रखने में सहयोग देने वाले सभी व्यक्तियों एवं उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह सेवा कार्य समाज में मानवता और आपसी भाईचारे का संदेश देता है और हर सप्ताह इसी भावना से संस्था जरूरतमंदों की सेवा के लिए समर्पित रहती है।

एयर इंडिया फ्लाइट की आपात लैंडिंग, हवा में एक्टिव हो गई इमरजेंसी टरबाइन

एजेंसी/पटना

शनिवार को एअर इंडिया की फ्लाइट **AI1**17, जो अमृतसर से बर्मिंघम जा रही थी, तकनीकी अलर्ट के कारण यात्रियों और क्रू के लिए चौंकाने वाली घटना का केंद्र बन गई। फ्लाइट के अनुसार, लैंडिंग से ठीक पहले विमान का रैम एयर टर्बाइन (RAT) डिप्लॉय हो गया। RAT एक आपातकालीन उपकरण है, जो तब सक्रिय होता है जब विमान के मुख्य बिजली या हाइड्रॉलिक सिस्टम में कोई गंभीर समस्या आ जाए। यह छोटी, लेकिन बेहद महत्वपूर्ण टर्बाइन हवा की ताकत से उत्पन्न शक्ति का इस्तेमाल कर आपातकालीन हाइड्रॉलिक या इलेक्ट्रिक सिस्टम को चलाती है। एअर इंडिया के अनुसार, यह घटना फाइनल अप्रोच के दौरान

हुई, लेकिन इसके बावजूद सभी यात्री और क्रू सुरक्षित रहे। विमान ने बर्मिंघम एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। इस घटना के तुरंत बाद एयरलाइन ने बयान जारी कर कहा कि फ्लाइट अक्1 17 के ऑपरेटिंग क्रू ने लैंडिंग से पहले ही RAT के डिप्लॉय होने का पता लगाया। जांच में विमान के सभी इलेक्ट्रिकल और हाइड्रॉलिक पैरामीटर सामान्य पाए गए। एअर इंडिया ने स्पष्ट किया कि मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) के तहत फ्लाइट को फिलहाल ग्राउंड कर दिया गया है। इसका उद्देश्य विमान की विस्तृत जांच करना है ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी या सिस्टम से जुड़ी समस्या का पता लगाया जा सके। इस कारण, बर्मिंघम से दिल्ली लौटने वाली फ्लाइट अक्1 14 को रद्द कर दिया गया। एयरलाइन ने प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए जाने की भी जानकारी दी है। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, हमारे यात्रियों और क्रू की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी सिस्टम सामान्य पाए गए हैं, फिर भी विस्तृत निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि RAT के डिप्लॉय होने का मतलब हमेशा सिस्टम फेलियर नहीं होता। कभी-कभी यह तकनीकी अलर्ट या सेंसिंग में किसी प्रकार की असामान्यता के कारण भी सक्रिय हो सकता है। RAT तकनीकी रूप से एक छोटा, पर बेहद महत्वपूर्ण उपकरण है। इसे विमान के मुख्य हाइड्रॉलिक पंप और बिजली उत्पादन प्रणाली विफल होने पर आपातकालीन स्थिति में उतारा जाता है। यह टर्बाइन विमान के इंजन से बाहर निकलकर हवा की ताकत से आपातकालीन हाइड्रॉलिक और विद्युत शक्ति प्रदान करती है। इसका मुख्य उद्देश्य क्रू को विमान के नियंत्रण को बनाए रखने में मदद करना और सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करना है। विशेषज्ञों के अनुसार, RAT का डिप्लॉय होना किसी भी विमानन प्रणाली में गंभीर चेतावनी संकेत हो सकता है। हालांकि, एअर इंडिया की शुरूआती जांच में कोई असामान्यता नहीं पाई गई। इसका मतलब यह है कि यह घटना तकनीकी तौर पर एक सेंसिंग अलर्ट या किसी छोटे तकनीकी कारण से हुई होगी। यात्रियों के लिए यह स्थिति मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकती थी, लेकिन क्रू ने पूरी सावधानी और अनुभव के साथ विमान को सुरक्षित रूप से लैंड कराया। फ्लाइट AI117 की घटना विमानन सुरक्षा और SOP की मजबूती का उदाहरण भी मानी जा रही है। इससे यह साफ होता है कि एयरलाइनें किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहती हैं और यात्रियों की सुरक्षा प्राथमिकता में सबसे ऊपर रहती है। एअर इंडिया ने यह भी कहा कि तकनीकी जांच के पूरा होने तक फ्लाइट AI117 का संचालन निलंबित रहेगा। इसके साथ ही, यात्रियों को वैकल्पिक फ्लाइट और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

सकरा में सीएम नीतीश का संभावित दौरा, प्रशासन हाई अलर्ट पर, हेलीपैड से पंडाल तक तैयारियां पूरी

एजेंसी/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले के सकरा प्रखंड के बलिराम हाई स्कूल मैदान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सोमवार को संभावित आगमन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोर पर हैं। सीएम जिले को कई योजनाओं की सौगात देंगे और कार्यकताओं से संवाद करेंगे।मुजफ्फरपुर जिले के सकरा प्रखंड क्षेत्र के बलिराम हाई स्कूल मैदान में सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संभावित आगमन की संभावना जताई जा रही है। इसे लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सीएम नीतीश कुमार के सकरा पहुंचने की संभावना है, जहां वे जिले को कई सौगात देंगे और जनसंवाद करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए

जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। कार्यक्रम स्थल से लगभग आधा किलोमीटर दूर एक प्राथमिक विद्यालय के परिसर में हेलीपैड का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा और विधि व्यवस्था को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।डीएम सुब्रत सेन और एसएसपी सुशील कुमार लगातार तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। सकरा में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों की तैनाती की जा रही है ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की चूक न हो। जानकारी के अनुसार, सोमवार 6 अक्टूबर को सीएम नीतीश कुमार सकरा के उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यकताओं से संवाद करेंगे और जिले के लिए कई योजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल पर जीविका, उद्योग, आईसीडीएस समेत कई विभागों द्वारा लगाए जाने वाले स्टॉलों का भी निरीक्षण करेंगे। इसे लेकर जिला प्रशासन ने पुख्ता तैयारी शुरू कर दी है। जीविका, आईसीडीएस और उद्योग विभाग द्वारा लगाए जाने वाले स्टॉलों के लिए विद्यालय परिसर की रंगाई-पुताई और साफ-सफाई का कार्य पूरा कर लिया गया है। बारिश की आशंका को देखते हुए वाटरप्रूफ पंडाल का निर्माण भी कराया जा रहा है। सीएम नीतीश कुमार रिमोट के जरिए जिले में प्रस्तावित सड़क निर्माण समेत अन्य विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे। हालांकि खराब मौसम और लगातार बारिश को देखते हुए मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन जिला प्रशासन ने अपने स्तर से सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने में कोई कमी नहीं छोड़ी है।

एक नजर

मारपीट मामले में दो गिरफ्तार

दिनारा। दिनारा पुलिस ने मारपीट मामले में दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के चितांव निवासी विशाल कुमार एवं थाना करगहर के सिरिसियां गांव निवासी मंटू कुमार को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 458/25 के आलोक में मारपीट करने का मामला दर्ज था।

युवक को पेट में चाकू मार किया जख्मी आरोपी की गिरफ्तारी में जुटी पुलिस

बिक्रमगंज। सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के सूर्यपुरा गांव में चाकूबाजी की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सूर्यपुरा निवासी मंजीत कुमार ने अंधेरे का फायदा उठाकर पासवान टोला सूर्यपुरा निवासी नीतीश कुमार को पेट में चाकू मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए । घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मंजीत मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत ही घायल नीतीश के परिजनों को सूचना दी। परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर लहूलुहान अवस्था में नीतीश को अनुमंडलीय अस्पताल धनगाई लेकर गए,जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सासाराम रेफर कर दिया। फिलहाल नीतीश सासाराम से इलाज कराकर घर आ गए हैं और डॉक्टरों ने उन्हें खतरे से बाहर बताया है। घायल नीतीश के लिखित आवेदन पर स्थानीय थाना में आरोपी मंजीत कुमार के विरुद्ध चाकूबाजी करने का मामला दर्ज कर लिया गया है। थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि घायल नीतीश ने अपने बयान में कहा है कि वह मेला देख घर आ रहे थे,तभी मंजीत सामने आ गया और दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई । इसी दौरान मंजीत ने अचानक चाकू निकालकर पेट में वार कर दिया और मौके से भाग निकला । थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस ने घटना को गंभीरता से लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है । उन्होंने दावा किया कि आरोपी को बहुत जल्द ही गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।

बस पर चढ़ने क्रम में युवक गिरकर जख्मी

बिक्रमगंज। शहर के तेंदुनी चौक पर चलती बस पर चढ़ने के क्रम में एक युवक नीचे गिर गया और उसके एक पैर पर बस का चक्का चढ़ गया। इस दुर्घटना में उसके पैर का निचला हिस्सा बुरी तरह कुचल गया है। फिलहाल उसका इलाज बिक्रमगंज के करुणा अस्पताल में हो रहा है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि हसनबाजार थाना क्षेत्र के गरहथा निवासी योगेंद्र सिंह का 35 वर्षिय पुत्र मिथलेश कुमार बिक्रमगंज गैस एजेंसी से अपनी ड्यूटी करने के बाद घर जा रहा था। वह आरा रोड में तेंदुनी चौक पर बस पर चढ़ने के प्रयास में गिर गया और उसका एक पैर पर बस का पिछला चक्का चढ़ने से बुरी तरह कुचल गया।

विक्षिप्त नाबालिक से अधेड़ ने किया दुष्कर्म,आरोपी गिरफ्तार

बिक्रमगंज। थाना क्षेत्र के एक गांव में 12 वर्षिय विक्षिप्त लड़की के साथ दुष्कर्म उसी गांव के एक 55 वर्षिय व्यक्ति ने किया है। यह आरोप पीड़ित बच्ची के चाचा और मां ने लगाया। पीड़ित बच्ची के साथ उसकी मां और चाचा थाना जाकर इसकी शिकायत किया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि विक्षिप्त लड़की को अकेला देख वह अपने दालान में ले जाकर दुष्कर्म किया। इसी बीच किसी ने देख लिया। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि अभी कुछ देर पहले ऐसी शिकायत आयी है, जिसकी जांच पुलिस कर रही है।

पवन सिंह ने पत्नी ज्योति सिंह को घर में घुसने से रोका, पुलिस बुलाने तक की आ गई नौबत

पटना। भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह की निजी जिंदगी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। उनकी पत्नी ज्योति सिंह ने हाल ही में एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि पवन सिंह ने उन्हें उनके ही घर में घुसने से रोका और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। ज्योति ने वीडियो में दिखाया कि कैसे उनके घर पर पुलिस पहले से मौजूद थी। जब वो पवन सिंह के घर पर गई तब वहां मौजूद पुलिस वाले उन्हें थाने ले जाने लगे। वीडियो में ज्योति रोते-बिलखते लोगों से न्याय की गुहार लगाती नजर आईं। वीडियो में ज्योति कहती हैं कि मैं पवन जी के घर आई थी, लेकिन मेरे खिलाफ पवन सिंह ने त्र्क्षक्र करवा दी। जबकि हम यहां बस अपने घर में आए थे, लेकिन पुलिस हमें थाने ले जाने आई है। मैं हाथ जोड़कर विनती करती हूं कि हमें बार-बार बेइज्जत न किया जाए। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पवन सिंह ने चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें धोखा दिया। ज्योति ने कहा कि चुनाव था तो बुलाकर प्रचार किए, उसके बाद लड़की को बुलाकर होटल गए. चुनाव के 20 दिन बाद ये सब हुआ. कैसे बर्दाश्त करते हम. ज्योति ने वीडियो में बताया कि पुलिस ने उन्हें थाने बुलाया, लेकिन वे नहीं गईं। थाने जाने पर ज्योति को बताया गया कि उनके पति के खिलाफ मेनटेनेंस का केस है। वीडियो में ज्योति और उनके वकील की पुलिस के साथ बहस भी दिखाई गई। ज्योति ने कहा कि अगर हमें थाने नहीं ले जाया गया तो झूठा केस लगेगा। यही कारण है कि मैं जनता से मदद मांग रही हूं। अगर इंसाफ नहीं मिला तो मैं जहर खाकर आत्महत्या कर सकती हूं। बता दें कि ज्योति और पवन सिंह की शादी 5 मार्च 2018 को हुई थी। हालांकि, शादी के कुछ समय बाद दोनों के रिश्ते में दरार आ गई और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। सोशल मीडिया पर वीडियो और आरोपों के सामने आने के बाद फैंस भी इस मामले पर अलग-अलग राय दे रहे हैं। कुछ यूजर्स का कहना है कि विवाद को बढ़ाना सही नहीं है और अगर रिश्ते में सुधार नहीं हो रहा है, तो बेहतर होगा कि शादी को समाप्त किया जाए।

छह पुलिसकर्मियों पर शराब कारोबारियों ने किया जानलेवा हमला, वाहन पर भी बरसाए पत्थर, पांच गिरफ्तार

एजेंसी/गयाजी

गया जी जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र में शनिवार की देर रात उत्पाद विभाग की टीम ने चिताबकला गांव के महादलित टोले में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान शराब कारोबारियों ने उत्पाद विभाग की टीम पर हमला कर दिया, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हमले में एसआई चांदनी कुमार, अजय कुमार सहित छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। वहीं, हमलावरों ने उत्पाद विभाग के वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। हमले की सूचना मिलते ही शेरघाटी थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और पांच लोगों को गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान उत्पाद विभाग की टीम ने 200 किलोग्राम जावा महुआ और 10 लीटर देशी शराब बरामद की। छापेमारी के समय शराब कारोबारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव भी किया। अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया

वहीं, इस घटना के संबंध में उत्पाद निरीक्षक ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि यहां अवैध शराब का कारोबार हो रहा है। सत्यापन के लिए टीम गांव में पहुंची और छापेमारी की, जिसमें देशी शराब और महुआ जावा बरामद किया गया। जब टीम शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर लौट रही थी, तभी अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया, जिसमें वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया।

कार्यपालक पदाधिकारी को दी गई भावभीनी विदाई

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद नोखा सभागार में कार्यपालक पदाधिकारी अमित कुमार का स्थानांतरण होने पर रविवार को विदाई सह सम्मान समारोह पर आयोजित किया गया। जिस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। मौके पर उपस्थित जन प्रतिनिधि और कर्मियों ने ईओ को अंगवस्त्र व बुके देकर स्वागत करते हुए उनके स्वस्थ जीवन की कामना की। उक्त मौके पर अमित कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि सरकारी सेवा में स्थानांतरण एक समान प्रक्रिया है जबकि जन प्रतिनिधियों और कर्मियों के साथ काम करने के अनुभव को यादगार बताया। वहीं नए कार्यपालक पदाधिकारी सुजीत कुमार को भी लोगों ने अंगवस्त्र और उपहार देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में नए ईओ ने क्षेत्र में विकास कार्यों को आम लोगों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभापति राधेश्याम सिंह एवं संचालन ब्रांड एंबेसडर राजेन्द्र सिंह ने किया। मौके पर उपसभापति धनजी सिंह, बीडीओ शैफाली, सीओ मकसूदन चौरसिया थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालकर, वार्ड पार्षद तेज नारायण सिंह, मनोज कुमार प्रमोद कुमार, अयोध्या सिंह, वार्ड प्रतिनिधि आफताब आलम, नशीम, लखन चंद्रवंशी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आरा में अवैध संबंध का विरोध करने पर युवक की पीट-पीटकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी/आरा

भोजपुर जिले में बुधवार की रात पत्नी से अवैध संबंध का विरोध करने पर एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को फेंक दिया गया। शव गुरूवार की सुबह गजराजगंज ओपी अन्तर्गत छोटकी सासाराम गांव के मठिया स्थित बांध के किनारे से बरामद किया गया। मृतक 35 वर्षीय मनोज कुमार पासवान बिहिया थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी सूबेदार पासवान के पुत्र थे। इस दौरान एफएसएल की टीम ने घटनास्थल पर पहुंच साक्ष्य को एकत्रित किया। मृतक के दाएं सीने पर एवं दाएं ललाट पर चोट का निशान पाया गया है। मृतक के बड़े भाई ने गजराजगंज ओपी में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी

कराई है। मारपीट कर हत्या करने एवं शव को फेंके जाने का आरोप लगाया है। इधर, पुलिस ने चौबीस घंटे के अंदर तकनीकी सूत्र के जरिए कांड का राजफाश कर दिया है। पकड़ा गया अप्राथमिकी आरोपित शाहपुर थाना के सहजौली गांव का निवासी है। रिश्ते में मृतक का ममेरा भाई लगता है। ओपी प्रभारी चंचल कुमार महथा ने बताया कि पत्नी से अवैध संबंध का विरोध करने पर घटना को अंजाम दिया गया है। आरोपित ने जुर्म स्वीकार कर लिया है। अपने एक अन्य साथी का भी नाम बताया है। इधर, मृतक के बड़े भाई छोटेलाल पासवान ने बताया कि बुधवार की देर शाम मनोज अपने बच्चों को दशहरा का मेला घूमकर घर वापस लौटे थे। इसके बाद रात करीब नौ बजे उसके मोबाइल पर किसी का कॉल आया था। जिसके बाद वे घर से निकले थे। लेकिन, घंटे बीत जाने के बाद जब घर वापस नहीं लौटा तो स्वजन द्वारा काफी खोजबीन की गई। लेकिन, कुछ पता नहीं चल पाया। इसके बाद गुरुवार की सुबह छोटकी सासाराम के पास शव फेंका हुआ मिला। मृतक के बड़े भाई छोटेलाल पासवान ने अपने भाई की गला दबाकर हत्या कर उसके शव को फेंके जाने का आरोप लगाया है। वारदात से पहले मारे गए युवक की आरोपित ममेरे भाई से हुई थी बात मनोज एक वर्ष पूर्व वह पेड़ से गिर गया था और उसका पैर टूट गया था। उस समय शाहपुर थाना क्षेत्र के सहजौली गांव निवासी उसका ममेरा भाई उसके ही घर आया था और रहने लगा था। इस दौरान पत्नी से अवैध संबंध होने की बात सामने आ रही है । इधर, ओपी इंचार्ज चंचल कुमार महथा ने बताया कि सीडीआर के जरिए जांच में घटना की रात मृतक व ममेरे भाई अजय के बीच बातचीत के साक्ष्य मिले। जिसके आधार पर पुलिस ने जब संदिग्ध अजय को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो सारा राज खुल गया। पति हमेशा अवैध संबंध का विरोध करता था और पत्नी से मारपीट करता था। इसलिए रास्ते से हटाने के लिए षड्यंत्र रचा गया। उसकी शादी वर्ष 2019 में हुई थी। तीन बच्चे भी हैं।

मां के इकलौते बेटे की आकस्मिक निधन पर लोगों ने जताया शोक

केटी न्यूज/रोहतास

प्रखंड के जयश्री गांव में शुक्रवार की रात घटी एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को गहरे शोक में डूबो दिया। गरीबी और लाचारी में जिंदगी गुजार रहे स्वर्गीय दिनेश मिश्रा के 19 वर्षीय पुत्र अंशु कुमार की असामयिक मौत ने न केवल उसके परिवार,बल्कि पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। असहाय विधवा बूढ़ी मां वही बेटा एकमात्र सहारा था। रविवार को जब राष्ट्रीय मानवता सेवा संघ के सदस्य मृतक के पैतृक घर पहुंचे, जहां मिट्टी और फूस की छत के नीचे टूटी चारपाई पर बैठी बूढ़ी मां का आर्तनाद सुन हर किसी की आंखें भर आई।

संघ के सदस्यों ने मृतक के

परिवार से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली । इसके बाद सभी सदस्यों ने अंशु की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख ईश्वर से प्रार्थना की। समाज के लोगों ने इस दुख की घड़ी में विधवा बूढ़ी मां को भरोसा दिलाया कि वह इस परिवार की हरसंभव सहायता करेंगे। मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष

अरुण दुबे, गुड्डु उपाध्याय, सचिव अखिलेश तिवारी,महासचिव दशरथ मिश्रा, अरविंद पांडेय, रविकांत तिवारी, योगेंद्र तिवारी, श्रीकांत गिरी,मनोज तिवारी,कौशल किशोर पाण्डेय, जितेंद्र दुबे,संतोष उपाध्याय आशुतोष तिवारी अरविंद मिश्रा,शेषनाथ तिवारी,ददन पाण्डेय सहित ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

बिहार में चुनाव आयोग का बड़ा फैसला : एक बूथ पर मात्र 12 सौ वोटर ही दे पाएंगे वोट

एजेंसी। पटना

बिहार में अगले कुछ दिनों में विधानसभा चुनाव को लेकर तारीखों का एलान कर दिया जाएगा। ऐसे में आज इस चुनाव से जुड़ें अहम मुद्दों को लेकर चुनाव आयोग के तरफ से एक वार्ता किया गया और इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने साफ साफ शब्दों में कह दिया है कि इस बार बिहार में बूथ पर मात्र बारह सौ वोटर ही वोट दे पाएंगे और इसे लागू करने वाला बिहार देश में पहला राज्य बनेगा। चुनाव आयुक्त ने बताया कि पिछले चुनावों में देखा गया कि एक बूथ पर अधिक वोटर होने से भीड़-भाड़, लंबी कतारें और प्रशासनिक परेशानियां बढ़ जाती थीं। इसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया कि हर बूथ पर केवल 1200 मतदाता ही मतदान करेंगे। इससे मतदाता सुरक्षा, पारदर्शिता और मतदान प्रक्रिया की सहजता सुनिश्चित होगी। ज्ञानेश कुमार ने आगे कहा कि बिहार में कुल 243 विधानसभा क्षेत्र हैं और विधानसभाओं का कार्यकाल 22 नवंबर 2025 को समाप्त हो रहा है। इसके पहले चुनाव संपन्न होंगे। चुनाव आयोग की टीम दो दिनों से बिहार में है और इससे पहले वरिष्ठ अधिकारी भी पूरे राज्य का दौरा कर चुके हैं। चुनाव आयोग ने अपने दौरे के पहले दिन सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की, उनकी मांगों और सुझावों को सुना। इसके अलावा बिहार के सभी जिलाधिकारी (उ्द), आईजी, डीआईजी, ररढ, कमिश्नर और सभी प्रवर्तन एजेंसियों के साथ विस्तृत बैठकें की गईं ताकि चुनाव प्रक्रिया में कोई कमी न रहे। सीईसी ने बताया कि पहली बार बूथ लेवल एजेंट्स (इछअ) की ट्रेनिंग दिल्ली में आयोजित की गई। इसके अलावा, बूथ लेवल ऑफिसर्स के लिए फोटो आईडी कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी 90,000 पोलिंग बूथों पर मतदान प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए मोबाइल के जरिए मतदान की सुविधा भी उपलब्ध होगी। मतदाताओं को दी जाने वाली वोटर स्लिप पर बूथ संख्या बड़े अक्षरों में अंकित होगी, जिससे बूथ ढूंढना आसान हो। चुनाव आयोग इस बार बिहार चुनाव में कुल 17 नए प्रयोग करने जा रहा है। इनमें ईवीएम पर प्रत्याशियों की रंगीन फोटो, वोटर आईडी कार्ड पर बड़े वोटर आईडी नंबर, एश्ट की गिनती में किसी भी गलती होने पर सभी श्श्ढअळ की गिनती, और बैलेट वोट की अनिवार्य गिनती शामिल है। आयोग ने स्पष्ट किया कि ये सुधार पूरे देश में भविष्य में लागू किए जाएंगे। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि हाल ही में बिहार में मतदाता सूची शुद्धिकरण का काम पूरी सटीकता से किया गया। राज्य के 90,217 बूथ लेवल अधिकारियों ने अपने-अपने बूथों पर सूची शुद्धिकरण किया, जो पूरे देश के लिए एक उदाहरण है। उन्होंने वैशाली जिले के काम की तारीफ करते हुए कहा कि वहां का कार्य लोकतंत्र के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

बिहार के 2 जिलो में बाइपास निर्माण को मिली मंजूरी, खर्च होंगे 953 करोड़

एजेंसी। पटना

केंद्र सरकार ने बिहार के अरवल और औरंगाबाद जिले के दाउदनगर में बाइपास निर्माण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्ग-139 पर अरवल में 665.50 करोड़ रुपये और दाउदनगर में 288.28 करोड़ रुपये की लागत से बाइपास निर्माण को हरी झंडी दी है। इस परियोजना से पटना, अरवल, दाउदनगर और औरंगाबाद के बीच सड़क संपर्क मजबूत होगा और क्षेत्र में व्यापार और आवागमन में भी सुधार होगा। बाइपास के बनने से स्थानीय लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। राष्ट्रीय राजमार्ग-139 बिहार की राजधानी पटना को औरंगाबाद के रास्ते झारखंड से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है। अरवल और दाउदनगर में बाइपास बनने से भारी वाहनों का यातायात शहरों के बाहर की ओर डायवर्ट होगा, जिससे शहरी क्षेत्रों में भीड़भाड़ कम होगी। इसके साथ ही परियोजना में सिटी साइड सर्विस रोड का निर्माण भी शामिल है जो कि स्थानीय लोगों के लिए आवागमन को और सुगम बनाएगा।

राजगीर में खेल का नया युग, सीएम नीतीश ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का किया उद्घाटन

एजेंसी। पटना

नालंदा जिले के लिए रविवार का दिन एक ऐतिहासिक अवसर लेकर आया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिले के विभिन्न हिस्सों में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और राजगीर में निर्मित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का विधिवत उद्घाटन किया। यह स्टेडियम पर्यटन नगरी राजगीर के लिए खेल संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय खेल पर्यटन के नए युग की शुरूआत का प्रतीक माना जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दिन हिलसा से शुरू हुआ, जहां उन्होंने रामबाबू हाई स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके बाद उनका काफिला एकंगरसराय की ओर बढ़ा, जहां भव्य रोड शो आयोजित किया गया। इस्लामपुर के पशु हाट मैदान में भी मुख्यमंत्री शामिल हुए। सिलाव प्रखंड के नीरपुर गांव में उन्होंने जनसभा को संबोधित किया और स्थानीय मुद्दों पर विचार साझा किए। दिन का सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम राजगीर खेल परिसर में हुआ, जहां मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन किया। स्टेडियम के पवेलियन और क्रिकेट मैदान का लोकार्पण करते हुए मुख्यमंत्री ने इसे राज्य की जनता को समर्पित किया। इस स्टेडियम से न केवल बिहार में खेल संस्कृति को नई ऊंचाइयां मिलेंगी, बल्कि राजगीर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल पर्यटन के मानचित्र पर भी स्थापित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 87 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी के चयन पत्र सौंपे, जो युवाओं को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके साथ ही राजगीर सर्किट में आयोजित लाभुक संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुना और क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं पर चर्चा की। राजगीर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को अत्याधुनिक सुविधाओं से सजाया गया है, जिसमें आधुनिक ड्रेसिंग रूम, जिम, प्रैक्टिस नेट, मीडिया गैलरी और वीआईपी लाउंज शामिल हैं। स्टेडियम में उन्नत ड्रेनेज सिस्टम और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार पिच मौजूद है। 90 एकड़ में फैले इस स्टेडियम की क्षमता लगभग 40,000 दर्शकों की है। परियोजना की शुरूआत 12 अक्टूबर 2018 को हुई थी, जिसकी प्रारंभिक लागत 740 करोड़ रुपए निर्धारित थी, लेकिन अत्याधुनिक सुविधाओं को जोड़ने के बाद कुल लागत बढ़कर 1121.41 करोड़ रुपए हो गई। खेल विश्लेषकों के अनुसार यह स्टेडियम जल्द ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की मेजबानी करने में सक्षम होगा, जिससे राजगीर में पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियां

मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। सभी कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हों। स्थानीय लोग मुख्यमंत्री के आगमन और स्टेडियम के उद्घाटन को लेकर उत्साहित हैं। राजगीर के निवासियों और खेल प्रेमियों का मानना है कि यह स्टेडियम बिहार के खेल इतिहास में नया अध्याय लिखेगा और प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

1121 करोड़ की महत्वाकांक्षी परियोजना

राजगीर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को अत्याधुनिक सुविधाओं से सजाया गया है, जिसमें आधुनिक ड्रेसिंग रूम, जिम, प्रैक्टिस नेट, मीडिया गैलरी और वीआईपी लाउंज शामिल हैं। स्टेडियम में उन्नत ड्रेनेज सिस्टम और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार पिच मौजूद है। 90 एकड़ में फैले इस स्टेडियम की क्षमता लगभग 40,000 दर्शकों की है। परियोजना की शुरूआत 12 अक्टूबर 2018 को हुई थी, जिसकी प्रारंभिक लागत 740 करोड़ रुपए निर्धारित थी, लेकिन अत्याधुनिक सुविधाओं को जोड़ने के बाद कुल लागत बढ़कर 1121.41 करोड़ रुपए हो गई।

फेमस यूट्यूबर मणि मेराज पटना से गिरफ्तार

गर्लफ्रेंड के आरोप के बाद पुलिस ने लिया एक्शन

एजेंसी। पटना

पिछले कुछ दिनों से भोजपुरी एक्टर या कहें कि फेमस यूट्यूबर मणि मेराज सुर्खियों में बने हुए हैं। उनके विवाद की वजह कोई गाना या फिल्म नहीं है बल्कि उनके निजी रिश्ते हैं। इसी कड़ी में अब जो अपडेट सामने आया है वह है कि इन्हें अब पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है और जेल भी भेज दिया गया है। इसके बाद हडकंप का माहौल कायम हो गया है। दरअसल,बिहार के चर्चित यूट्यूबर और कॉमेडियन मणि मेराज को पुलिस ने पटना के अनीसाबाद इलाके से गिरफ्तार कर लिया है। मणि मेराज पर उनकी गर्लफ्रेंड वन्नू दी ग्रेट ने दुष्कर्म, धोखे से शादी करने और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके बाद अब उन्हें इस मामले में अरेस्ट कर लिया गया है। पीड़िता वन्नू दी ग्रेट ने आरोप लगाया है कि करीब ढाई साल पहले मणि मेराज ने अपनी शादीशुदा होने की बात छिपाकर उनसे दोस्ती की थी। एक दिन उन्होंने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उनके साथ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। जब इसका विरोध किया गया, तो मणि मेराज ने शादी का वादा किया। वंदना (वन्नू दी ग्रेट) का दावा है कि बाद में मणि मेराज ने उनसे शादी कर ली, लेकिन शादी की बात को सार्वजनिक न करने के लिए कहा। इस दौरान दोनों के बीच लगातार संबंध बने और गर्भवती होने पर वंदना से जबरन गर्भपात करवाया गया।

बेगूसराय में अवैध मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा हथियार और उपकरण के साथ 3 अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी। बेगूसराय

बेगूसराय जिले की मुफस्सिल थाना पुलिस को एक के बाद एक दो बड़ी सफलताएँ हाथ लगी हैं। एक ओर पुलिस ने अवैध मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा कर हथियार निर्माण के उपकरण बरामद किए हैं, वहीं दूसरी ओर दो अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों ने जिले में अपराध के नेटवर्क पर पुलिस की सख़्त कार्रवाई को दशार्या है। बेगूसराय जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ग्राम साँख, फुलवरिया टोला में पुलिस ने एक अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। गुप्त सूचना के आधार पर डीएसपी सदर आनंद कुमार पांडेय के नेतृत्व में मुफस्सिल थाना और सिंघौल थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से तीन देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, दो खोखा और हथियार बनाने के कई उपकरण बरामद किए। मौके से एक व्यक्ति 45 वर्षीय अरविंद शर्मा को गिरफ्तार किया गया, जो अपने ही घर में अवैध रूप से हथियार बना रहा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी के घर से लोहे की पाइप, कटिंग ब्लेड, ग्राइंडर, ड्रिल मशीन, औजार , गैस कटर, वेल्डिंग मशीन और अन्य उपकरण बरामद हुए हैं, जिनका उपयोग हथियार तैयार करने में किया जा रहा था। पुलिस ने इस संबंध में आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-इ)()/26/35 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। डीएसपी आनंद कुमार पांडेय ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि हथियार किन-किन लोगों को सप्लाई किए जा रहे थे।

नेपाल में नदी का तटबंध टूटा, सीतामढ़ी में बाढ़ जैसे हालात; कई पंचायत जलमग्न

एजेंसी। पटना

सीतामढ़ी में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। दरअसल, नेपाल के मालीवाड़ा गांव के पास नदी पर बना तटबंध रविवार की देर रात पानी के तेज दबाव में टूट गया। तटबंध टूटने का सीधा असर भारतीय सीमा क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। बताया जा रहा है कि यह तटबंध भारतीय सीमा से महज 100 मीटर अंदर टूटा है, जिसके बाद सुरसंड प्रखंड के कई पंचायतों में बाढ़ का पानी तेजी से फैल गया है। नदी का रौद्र रूप देखकर लोग दहशत में हैं और ऊंचे स्थानों की ओर पलायन करने लगे हैं। नेपाल के मालीवाड़ा में हुए तटबंध टूटने से सुरसंड प्रखंड के भिट्ठा, बसबिट्टा, लटवा, मुसहरनिया, बेलाही, परसा और सिमरिया पंचायत सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। दर्जनों घरों में पानी घुस गया है, खेत जलमग्न हो गए हैं और सड़कें बहाव में कट चुकी हैं। कई जगह ग्रामीण नाव या अस्थायी बेड़ों की मदद से सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि देर रात तटबंध टूटने की तेज आवाज आई और कुछ ही घंटों में पूरा इलाका जलमग्न हो गया। सीतामढ़ी जिला प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। अनुमंडल पदाधिकारी, अंचलाधिकारी और आपदा प्रबंधन दल लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए नावों की व्यवस्था की जा रही है। प्रशासन ने स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों को प्रभावित परिवारों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया है, ताकि राहत सामग्री वितरण शीघ्र शुरू हो सके।

राजधानी पटना में युवक की गोली मारकर हत्या

पटना। पटना के एक गांव में एक बदमाश ने गांव के ही एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना नौबतपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव की है। मृतक की पहचान श्रीकांत सिंह के पुत्र भरत कुमार के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आगे की कार्रवाई में जुट गई। फिलहाल गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उसके ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि जगदीशपुर गांव के रहने वाले अनिल सिंह के पुत्र शिवम उर्फ लवली ने किसी बात को लेकर गांव के ही भरत कुमार को गोली मार दी। गोली सीधे सीने में लगी, जिससे भरत गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली की आवाज सुनते ही आसपास के लोग उधर दौड़ पड़े। जमीन पर खून से लथपथ भरत को देखकर ग्रामीण आननफानन में पटना एम्स ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सुबह 11 बजे उद्घाटन

आज से पटना मेट्रो दौड़ेगी, फिलहाल तीन स्टेशनों का सफर

एजेंसी। पटना

पटना मेट्रो रेल परियोजना के तहत प्रायरिटी कॉरिडोर के तीन स्टेशनों- पाटलिपुत्र बस टर्मिनल, जीरोमाइल और भूतनाथ का उद्घाटन सोमवार 6 अक्टूबर को हो रहा है। सुबह 11 बजे उद्घाटन के साथ पटना मेट्रो इन तीन स्टेशनों के बीच दौड़ने लगेगी। भूतनाथ मेट्रो स्टेशन पर उद्घाटन कार्यक्रम में पहला सफर चुनिंदा लोगों और मीडियाकर्मियों के साथ होगा। इसके बाद आम लोगों के लिए सेवा शुरू करने का एलान किया जाएगा। 29 सितंबर को सीएमआरएस ने डिपो और तीन मेट्रो स्टेशनों का निरीक्षण किया और मेट्रो का ट्रायल रन भी किया। इसके बाद ही परिचालन की अनुमति दी गई। एपटना मेट्रो की शुरूआती रफ्तार 40 किलोमीटर प्रति घंटे होगी। मेट्रो की बोगियों पर बिहार की कला, ज्ञान और संस्कृति की झलक दिखाई देगी। कोच पर ह्लपटना मेट्रोह्व लिखा होगा। इसमें पटना गोलघर, महावीर मंदिर, भगवान महावीर और मधुबनी पेंटिंग जैसी कला का चित्रण किया गया है। तीन कोच वाली मेट्रो में हर कोच में लगभग 300 यात्री यात्रा कर सकेंगे, यानी तीन कोच में प्रति ट्रिप करीब 900 लोग सफर कर सकेंगे।

कला, ज्ञान और संस्कृति की झलक

पटना मेट्रो की शुरूआती रफ्तार 40 किलोमीटर प्रति घंटे होगी। मेट्रो की बोगियों पर बिहार की कला, ज्ञान और संस्कृति की झलक दिखाई देगी। कोच पर ह्लपटना मेट्रोह्व लिखा होगा। इसमें पटना गोलघर, महावीर मंदिर, भगवान महावीर और मधुबनी पेंटिंग जैसी कला का चित्रण किया गया है। तीन कोच वाली मेट्रो में हर कोच में लगभग 300 यात्री यात्रा कर सकेंगे, यानी तीन कोच में प्रति ट्रिप करीब 900 लोग सफर कर सकेंगे।

सुभाषितम्

कला का सत्य जीवन की परिधि में सौंदर्य के माध्यम द्वारा व्यक्त अखंड सत्य है। - महादेवी वर्मा

दवाओं की निगरानी के नाम पर अरबों की लूट

हाल ही में मध्य प्रदेश में करीब एक दर्जन बच्चों की मौत कफ सिरप के कारण हुई है। ये मौतें एक दिन में हुई हों, ऐसा नहीं है। कई दिनों से बच्चों की मौतें हो रहीं थीं। सरकार और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी चुप्पी साधकर बैठे रहे, जिसके कारण अकेले मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 12 बच्चों की मौत हो गई। इनमें से 11 बच्चे तो एक ही तहसील के थे। कलेक्टर, एसडीएम सरकार का स्वास्थ्य विभाग चुपचाप बैठा रहा। जब मीडिया में यह मामला उभरकर सामने आया। उसके बाद भी सरकार और उसके अधिकारी कछुए की चाल से चलते हुए सफाई देने का काम कर रहे थे। मध्य प्रदेश सरकार को कफ सिरप को प्रतिबंधित करने में एक हफ्ते से ज्यादा का समय लग गया। यदि इतना बवाल मीडिया मे नहीं हुआ होता, विपक्ष सक्रिय नहीं हुआ होता, तो सरकार भी सक्रिय नहीं होती। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें दवा के निर्माण, मूल्य नियंत्रण, गुणवत्ता के साथ ही दवा कारोबार पर नियंत्रण रखने को लेकर जिम्मेदार हैं। पिछले कुछ वर्षों से यह विभाग पूरी तरह से कोमा मे चला गया है। बात केंद्र सरकार से शुरू करते हैं। दवा कंपनियों द्वारा मूल्य नियंत्रण और दवा उत्पादन को लेकर सरकार के मंत्रियों और सत्तारुढ़ राजनीतिक दल को करोड़ों रुपए का चंदा देकर दवा के मूल्य निर्धारित कराती हैं। चुनावी चंदे के रूप में इलेक्टोरल बांड के माध्यम से दवा कंपनियों द्वारा करोड़ों रुपए का चंदा दिए जाने की बात पहले ही उजागर हो चुकी है। इसके अलावा राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग मे कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी अपने-अपने राज्यों में दवाओं के कारोबार को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार हैं। पिछले एक दशक से केंद्र एवं राज्य सरकारों के स्वास्थ्य विभागों की हालत बेहद खस्ता है। जनसंख्या बढ़ने, अस्पताल बढ़ने, केमिस्टों की संख्या बढ़ने के साथ ही दवा निमार्ताओं की संख्या कई गुना बढ़ गई है। केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा इस कारोबार को नियंत्रित करने के लिए तथा गुणवत्ता बनाए रखने, लोगों, के जीवन को सुरक्षित करने के लिए जो कार्य करना चाहिए था, वह नहीं किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग में नई नियुक्तियां नहीं हो रही हैं। जो अधिकारी और कर्मचारी सेवानिवृत हो गए हैं, उनके पद रिक्त पड़े हुए हैं। दवाइयों की जांच का जिम्मा इंस्पेक्टर और ड्रग कंट्रोलर का है। जो काम स्वास्थ्य विभाग को करना चाहिए, वह नहीं हो रहा है। ड्रग इंस्पेक्टर्स की संख्या लगातार घटती चली जा रही है। जब भी कोई घटना होती है उसके बाद केंद्र सरकार और राज्य सरकारें बड़े-बड़े दावे जरूर करती हैं, लेकिन दावों का हकीकत से कोई लेना-देना नहीं होता है। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रेस रिलीज कर-के अपना पल्ला, यह कहते हुए झाड़ लिया, मध्य प्रदेश सरकार ने समय पर जांच के लिए लैबोरेट्री सिरप नहीं भेजा। मध्य प्रदेश सरकार को 10 से 15 दिन का समय केवल सैंपल भेजने मे लग गया। तमिलनाडु में भी इसी तरह बच्चों के मौत की घटना हुई थी। 3 दिन के अंदर रिपोर्ट आ जाने के बाद भी तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार द्वारा अन्य राज्यों को सजग नहीं किया गया। 1 महीने से सिरप के कारण बच्चों की मौतें हो रही थीं। यदि समय रहते यह सूचना सभी राज्यों को दे, दी जाती तो सभी राज्यों में कफ सिरप को प्रतिबंधित कर दिया जाता। कई बच्चों की जान बच जाती। प्रशासनिक लापरवाही से बच्चों की मौतें होती रहीं। 2017 में केंद्र सरकार ने नीति बनाई थी। लेबोरेटरी से कोई दवा मानक पर खरा नहीं उतरती है, तो उसे 72 घंटे के अंदर वापस लेने का प्रावधान किया गया था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। 2023 में डब्लूटीओ ने भी चेतावनी जारी की थी। भारत का सिरप साउथ अफ्रीका भेजा गया था, वहां पर बड़ी संख्या में मौतें हुई थीं। भारत में निर्मित दवाएं विदेश में निर्यात की जा रही हैं, ऐसी स्थिति में इनकी गुणवत्ता की तरफ विशेष ध्यान होना चाहिए।

चिंतन-मनन

क्या है शुद्ध अहिंसा !

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। मेरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं? मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा वही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेंगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते। बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कसाई को अहिंसक नहीं बना सकते। मैं किसी को बचाने में अवरोधक नहीं बनता। किंतु मेरा वास यह है कि अहिंसा और धर्म को पैसों से खरीदा नहीं जा सकता। डंडे के बल से भी अहिंसा नहीं हो सकती। वह तो किसी के दिल को बदलने से ही हो सकती है। आज धार्मिकों की स्थिति बड़ी दयनीय है। उन्हें देखकर दिल में दर्द होता है। जैसे-तैसे शोषण से पैसे का अर्जन करते हैं, फिर उससे किसी मंदिर का फर्श और धर्मशाला बनाकर या सदाव्रत खोलकर मन से सोचते हैं कि हमने धर्म किया है। यह कैसी विडंबना है? धर्म नहीं कहता कि आप पाप से पैसा कमाएं। ऐसे धार्मिक लोग हथियार नहीं रखते, किंतु कलम से न जाने कितनों के गले काट लेते हैं। कोई किसान सेठ के पास बैठा था। सेठ के कान से कलम गिर पड़ी। किसान बोला- आपकी छुरी गिर गई है। सेठ झुंझलाकर बोला- कैसी बात कर रहे हो, हम तो धार्मिक आदमी हैं, फिर छुरी कैसे रख सकते हैं? किसान ने कलम हाथ में लेकर पूछा- यह क्या है?

वाल्मीकि ने देश को एकता के सूत्र में पिरोया

- कांतिलाल मांडोत

पौराणिक भारतीय महसकाव्य रामायण के रचियता ऋषि वाल्मीकि की जन्म जयंती मनाई जा रही है। वाल्मीकि जयंती को प्रकट दिवस के रूप में मनाते है। वाल्मीकि रामायण संस्कृत में रचित एक महाकाव्य है, जिसमे भगवान के जीवन की कथा है।वाल्मीकि समाज के लोग वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाते है।वाल्मीकि ने नारद के कहने पर अधर्म का मार्ग छोड़ धर्म के मार्ग चुना और रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना की गई।आदिकाल के महर्षियों में से एक वाल्मीकि जिन्होंने प्रभु राम की महिमा का विस्तार और वर्णन किया।महर्षि वाल्मीकि विश्व की जगमगाती एक महान विभूति थे।मनीषी और मनस्वी थे।पहले उनका जीवन नीरस था। वाल्मीकि बचपन मे राह चलते राहगीरों को लूटते थे।एक दिन नारदजी ने उनको दर्शन देकर उनका मार्गदर्शन किया। वाल्मीकि जी ने कई वर्षों तक घोर तपस्या की और प्रसन्न होकर ब्रह्मदेव ने उन्हें महर्षि होने का वरदान दिया। और प्रभु श्रीराम के बारे में लिखने को कहा गया। कहते है कि माँ के पेट से कोई सीखकर नही आता है।जन्म के बाद ही अपने कर्मो के अनुसार भाग्य बनता है और बिगड़ता है।भारतीय संस्कृति में ऐसे कई सिद्ध पुरुष हुए है,जिनका जीवन साधारण और निकृष्ट था। लेकिन विद्वानों के सम्पर्क -संसर्ग में आने के बाद उनका जीवन कमलफूल जैसा बन गया।डाकू से महर्षि बनने पर उन पर प्रभाव पड़ा था,वह ब्रह्मदेव साधारण मानव नही थे। एक बार वन में भ्रमण करते वाल्मीकि ने एक क्रोंच पक्षी के जोड़े को प्रेम में लीन देखा परन्तु वहीं एक शिकारी ने तीर चलाकर नर पक्षी को मार दिया और तब वाल्मीकि के मुख से संस्कृत में पहला श्लोक निकला जिसने रामायण की नींव रखी। इतिहासकारों के अनुसार वाल्मीकि उसी सदी में रामायण की रचना कर रहें थे जिस सदी में भगवान राम मौजूद थे। जब श्रीराम ने गर्भवती माता सीता का लोकापवाद के कराण परित्याग कर दिया तब माता सीता ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में आश्रय लिया और वहां लव- कुश को जन्म दिया। श्रीराम और माता सीता के पुत्र लव और कुश की प्राथमिक शिक्षा-दीक्षा वाल्मीकि के द्वारा ही हुई।वाल्मीकि का जीवन सहस्त्र कमल के समान सुवासित व रमणीय बन चुका था।जो प्रतिपल अपने मधुर सौरभ कोष लुटाता रहता था ।लोगो को तेजस्वी सूर्य के समान दिव्य आलोक प्रदान करता रहता था।और गंगा के निर्मल प्रवाह की तरह सरसता का प्रचार करता रहता था।वह भारतीय जनजीवन के लिए उपकारक एवं हितकारक था।प्रभु राम की जीवन कहानी लिखने वाले विश्व के झार्जरमान नक्षत्र प्रभु राम का नाम जब जब जिव्हा पर आएगा, तब-तब वाल्मिकी को भी याद किया जाएगा।वाल्मीकि का विराट जीवन परम पावन निपट गाथा जो भी उनके संसर्ग में आया था वह अनिर्वचनीय आनन्द,तृप्ति और मानसिक विश्रांति का अनुभव किये बिना रह नही सकता था।वस्तुतः वाल्मीकि का जीवन रमणीयता का अक्षय कोष था।उत्तरकांड में एक सुंदर बात लिखी है जो संसार रूपी सागर का पार पाना चाहता है,उसके लिए तो श्रीराम कथा दृढ़ नौका के समान है।हरि के गुण समूह विषयी लोगो के लिए भी कानो को सुख देनेवाले और मन को आनन्द देने वाले है। वाल्मीकि रामायण के इस पवित्र ग्रन्थ से जन जन के जीवनोत्कृष्ट की मंगलमय भावना हेतु विश्व को समर्पित किया।वाल्मीकि को मानने वाले दुनिया मे लोग कम नही है।क्योंकि उनके द्वारा लिखी रामायण से अनन्त सौरभ,अनन्त आनंद और अनन्त प्रकाश को कुबेर की तरह दुनिया मे बांट रहे है।उस विराट व्यक्तित्व को जड़ लेखनी कैसे अभिव्यक्त कर सकती है।उन्होंने इस बात को प्रमाण दिया कि एक साधारण और आचरण से विमुख व्यक्तित्व कैसे सिद्ध पुरुष बन सकते है।संसर्ग से एक तस्करी महर्षि बन जाता है।यह भारतीय संस्कृति की महानता है कि पत्थर को पारस बनाने की कला और सामर्थ्य इसी धरा में है। वाल्मीकि रामायण भावुकता के प्रवाह में बहकर नही लिखी। भावुकता और दया वाल्मीकि में नही थी।लेकिन ऋषियों का संसर्ग उनको तारने और विश्व प्रसिद्ध बनाने का निमित बना। श्रद्धा का रस रामायण में विधमान है।लेकिन रामायण की रचना और वाल्मीकि की लेखनी विचार रस में डूबकर दुनिया को श्रद्धाभिमुख किया है उसका ऋण चुकाया नही जा सकता है।अगणित सूर्य अपनी हजारो किरणों की चमक रहे है।विश्व मैत्री के अगणित कलश एक साथ छलक रहे है।और उनके अन्तरहदय से स्नेह सद्भावना व करुणा की न जाने कितनी गंगा, यमुना और सरस्वतियाँ बह रही है।वाल्मीकि का भारत की दार्शनिक परम्परा में महत्वपूर्ण स्थान है।किसी एक भाषा केकवि नही थे,सम्पूर्णकाव्य भाषा के नायक थे।उनके द्वारा रचित रामायण भारत की काव्य परम्परा का आधार है।वाल्मीकि में सत्य,शिवम और सुंदरम की अपूर्व समन्विती रही है।उनके प्रत्येक चिंतन में दिव्य आलोक था और प्रत्येक स्वांस ने अनन्त विश्वास था।आज भी करोड़ो लोग रामायण की चौपाइयों को गुनगुनाते हुए आनन्द अनुभव तो करते है,लेकिन महर्षि वाल्मीकि को याद करना नही भूलते है।उनके जीवन मे संतो महंतों के संसर्ग के बाद बदलाव हुआ।स्नेह सद्भाव से जन जन के अंतर मानस को जीत लिया।वाल्मीकि की ही परम्परा में महाभारत और रघुवंशम जैसे महाकाव्यों की रचना हुई ।भारत मे वाल्मीकि ने नैतिकता का मापदंड स्थापित कर हम को धार्मिक प्रवृत्ति की राह पर चलने का मार्ग प्रशस्त किया।रत्नाकर औ? बाला शाह भी वाल्मीकि का ही उपनाम है।उनकी शिक्षाओं पर जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठिया और सेमिनार का आयोजन होगा। उनका जीवन हमेशा प्रेरित करता है। अपनी निष्ठा और संकल्प से कैसे वह महर्षि बन गये, यह बात हर जानने वाले को चुंबकीय ढंग से आकर्षित करती हैं। उनके अंदर कितनी संवेदना रही होगी कि वह कालांतर में एक सरस कवि और महर्षि बन जाते हैं। उनके इस कायांतरण ने भारत में लाखों लोगों को कविताएं लिखने के लिए प्रेरित किया है। हालांकि, उनके बारे में कई किंवदंतियां प्रचलित हैं। कुछ लोगों के मुताबिक वह एक साधारण व्यक्ति थे, जबकि कुछ संदर्भ उन्हें जन्मजात ऋषि भी मानते हैं। वाल्मीकि का जीवन सरोवर नही, किन्तु भागीरथी की बहती धारा थी।उनके प्रत्येक श्वास में प्रगति का स्वर प्रस्फुटित होता था।सुनदरता और सरसता थी।नये उत्साह के सरस सुमन खिलते थे।वाल्मीकि मानवता के मसीहा थे।उनका बचपन नीरस था।उनके कार्य मानवता विरोधी थे,लेकिन उन्होंने विश्व ग्रंथ रामायण की रचना कर पूर्व के सभी आरोपो और भूलो को रामायण की उन चौपाइयों को जीवंत कर धूल दिए। वे स्वयं निखरित थे। वाल्मीकि की सर्जनात्मक कृतित्व की जन जन के हृदय पर अमिट छाप छोड़ी है।

चंद्र विज्ञान और आस्था का अद्भूत संगम

- योगेश कुमार गोयल

हर साल आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा पर्व मनाया जाता है और इस दिन चंद्रमा अपने पूर्ण स्वरूप में आसमान में चमकता है। इस वर्ष यह पावन तिथि 6 अक्तूबर को दोपहर 12 बजकर 23 मिनट से आरंभ होकर 7 अक्तूबर की सुबह 9 बजकर 16 मिनट तक रहेगी, इसलिए शरद पूर्णिमा 6 अक्तूबर की रात को मनाया जाएगा। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा के पूर्ण स्वरूप का उत्सव भी कहा जाता है। इस रात चंद्रमा की रोशनी इतनी तेज होती है कि धरती दूधिया उजास में नहा उठती है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार इस दिन चंद्रमा की किरणें विशेष रूप से औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं। यह माना जाता है कि इन किरणों में स्वास्थ्य, सौंदर्य और शक्ति बढ़ाने वाले तत्व होते हैं। वेदों और पुराणों में चंद्रमा को औषधियों का स्वामी माना गया है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि ह्यमैं ही सोम रूप चंद्रमा बनकर समस्त औषधियों को पुष्ट करता हूं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वर्षभर में केवल शरद पूर्णिमा के दिन ही चंद्रमा अपनी सभी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है। माना जाता है कि प्रत्येक कला मनुष्य के जीवन की किसी न किसी विशेषता का प्रतीक होती है। भगवान श्रीकृष्ण को इन सोलह कलाओं का पूर्ण रूप कहा गया है, इसलिए शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी रात श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली की मधुर धुन पर ब्रज की गोपियों के साथ यमुना तट पर दिव्य महारास किया था। इसीलिए यह रात प्रेम, आनंद और भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। वृंदावन और बृज क्षेत्र में आज भी शरद पूर्णिमा को बहुत उत्साह से मनाया जाता है। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या कौमुदी उत्सव के नाम से भी जाना जाता है। कोजागर का अर्थ है कौन जाग रहा है? मान्यता है कि इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और जो व्यक्ति जागकर सच्चे मन से उनकी पूजा करता है, उस पर लक्ष्मी की कृपा बरसती है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय धन की देवी लक्ष्मी का प्रकट होना भी इसी पूर्णिमा की रात हुआ था। इसलिए यह पर्व धन, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, साथ ही शिव-पार्वती और कार्तिकेय की आराधना का भी विधान है। इस दिन व्रत रखकर रातभर जागरण और भक्ति करने से व्यक्ति को आर्थिक समृद्धि, मानसिक शांति और शुभ फल प्राप्त होते हैं। शरद पूर्णिमा की रात का सबसे प्रसिद्ध और सुंदर प्रतीक है खीर की परंपरा। इस रात घरों में खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे रखी जाती है ताकि चंद्रमा की चांदनी उसमें पड़े। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा की किरणों में अमृत बरसता है और वह अमृत खीर में समा जाता है। सुबह उस खीर को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है, जो अमृत समान मानी जाती है। ज्योतिषीय दृष्टि से दूध, चावल और चीनी चंद्र ग्रह से जुड़े तत्व हैं। इसीलिए चंद्रमा की रोशनी में रखी गई खीर में उसकी शुभ ऊर्जा और औषधीय गुण समा जाते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस परंपरा का गहरा अर्थ है। दूध में लैक्टिक एसिड और खीर में मौजूद चावल के स्टार्च के कारण जब इसे खुली चांदनी में रखा जाता है तो उसमें ऐसे परिवर्तन होते हैं, जो इसे अधिक पौष्टिक बना देते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा की किरणों में मौजूद अल्ट्रा-वॉयलेट और इंफ्रारेड ऊर्जा दूध में मौजूद सूक्ष्म जीवों की क्रिया को सक्रिय करती है, जिससे वह पाचन में सहायक और स्वास्थ्यवर्धक बन जाता है। इसीलिए शरद पूर्णिमा की रात रखी खीर को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना गया है। पौराणिक कथाओं में यह भी उल्लेख मिलता है कि रावण इस रात दर्पण के माध्यम से चंद्रमा की किरणों को अपनी नाभि पर ग्रहण कर युवा शक्ति प्राप्त करता था। यह कथा प्रतीक है कि चंद्रमा की किरणें शरीर में ऊर्जा, शांति और जीवन शक्ति भरने का सामर्थ्य रखती हैं। शरद पूर्णिमा ऋतु परिवर्तन की भी प्रतीक है। यह दिन वर्षा ऋतु की समाप्ति और शीत ऋतु के आगमन की घोषणा करता है। मौसम बदलने के इस समय शरीर को नई जलवायु के अनुकूल बनाना आवश्यक होता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस समय वात, पित्त और कफ दोषों में असंतुलन की संभावना बढ़ती है। खीर का मधुर स्वाद और उसका शीतल प्रभाव इन दोषों को संतुलित करने में सहायक होता है। इसलिए यह पर्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शरद पूर्णिमा की रात का सौंदर्य अद्भुत होता है। जब पूर्ण चंद्रमा आकाश में अपनी सोलह कलाओं के साथ दमकता है तो उसकी दूधिया रोशनी में पूरी धरती जैसे अमृत में डूब जाती है। इस दृश्य को देखकर मन में स्वतः शांति और प्रसन्नता का संचार होता है। यह रात केवल पूजा या जागरण की नहीं बल्कि आत्म-शुद्धि और ध्यान की भी होती है। यह दिव्य पर्व हमें संदेश देता है कि जैसे चंद्रमा अंधकार को मिटाकर जग को उजाला देता है, वैसे ही हमें अपने भीतर की अज्ञानता को मिटाकर ज्ञान और करुणा का प्रकाश फैलाना चाहिए। यह पर्व केवल बाहरी चंद्रमा का नहीं बल्कि हमारे भीतर के चंद्र स्वरूप (शीतलता, शांति और प्रेम) का भी उत्सव है।

कुछ स्थानों पर शरद पूर्णमा को फसल कटाई के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। किसान इस दिन प्रकृति को धन्यवाद देते हैं क्योंकि शरद ऋतु के आगमन के साथ खेतों में नई ऊर्जा और फसल की खुशबू भर जाती है। इस प्रकार शरद पूर्णिमा धर्म, विज्ञान, आस्था और प्रकृति, चारों का संगम है। यह रात हमें सिखाती है कि जीवन का सच्चा आनंद केवल भौतिक संपत्ति में नहीं बल्कि मन की शांति और संतुलन में है। चंद्रमा की अमृतमयी रोशनी की तरह यदि हमारे विचार और कर्म भी निर्मल हों तो जीवन भी पूर्णिमा की तरह उज्ज्वल बन सकता है।

जाति-धर्म से ऊपर उठकर बिहार के भविष्य की बात

- दिलीप कुमार पाठक

पिछले एक दशक से देश की राजनीति में प्रधानमंत्री मोदी के बाद जिनका सबसे ज़्यादा ज़िक्र हुआ है, वो हैं जन सुराज पार्टी के संस्थापक एवं चुनावी राजनीति के प्रसिद्ध रणनीतिकार नाम है प्रशांत किशोर.... प्रशांत किशोर पांडे। पीएम मोदी को गुजरात के पटल से भारत के पटल पर स्थापित करने में प्रशांत किशोर की भूमिका अग्रणी रही है। प्रशांत किशोर एक समय तो नरेंद्र मोदी के घर में ही रहते थे, 2014 चुनाव में प्रशांत किशोर ने पीएम मोदी की चुनावी राजनीति एवं कैंपेन की ज़िम्मेदारी संभाली थी, हालांकि प्रमुख पहिचान उनकी नरेंद्र मोदी से अलग होने के बाद ही बनी। बहरहाल प्रशांत किशोर का राजनीतिक अतीत क्या था महत्वपूर्ण यह नहीं है। परंतु महत्वपूर्ण वर्तमान है। पिछले तीन साल से प्रशांत पूरे बिहार में पैदल लोगों से मिलते जुलते रहे, निरन्तर जमीन पर घूमते हुए लोगों के साथ जुड़ रहे हैं। जन सुराज पार्टी ने पिछले कुछ वक़्त में ही बिहार में डेढ़ करोड़ से अधिक सदस्यों को पार्टी से जोड़ा है, अतः अब जन सुराज पार्टी करोड़ों कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों वाली पार्टी है' पिछले कुछ महीनों से प्रशांत ने चुनावी कैंपेन की शुरूआत की है, तब से आरजेडी, जदयू, भाजपा सभी प्रशांत से असहज महसूस कर रहे हैं, प्रशांत किशोर सारी पार्टियों के लिए काम कर चुके हैं नेताओ को गाइड कर चुके हैं तो किसी भी पार्टी के छोटे - छोटे नेता सीधे प्रशांत किशोर पर टार्गेट नहीं कर पा रहे, वहीँ प्रशांत सम्राट चौधरी, तेजस्वी यादव की नाक में दम कर रहे हैं, नीतीश कुमार की आलोचना तो करते हैं परंतु उनके लिए एक सम्मान भी प्रदर्शित करते हैं, यही बात प्रशांत की लोगों के बीच खास बनाती है। तेजस्वी यादव की बॉडी लेंग्वेज ही बहुत कुछ कहती है, विदेश में पढ़े लिखे, विदेश में नौकरी करने वाले प्रशांत जब से बिहार में हैं तब से बिल्कुल बिहारी भाषा में बात करके लोगों के साथ जुड़ रहे हैं, वहीँ जब से प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव को नौवीं फेल कहा है, तब से तेजस्वी यादव खुद को पढ़ा लिखा साबित करने के लिए मंचों पर इंग्लिश बोलने लगते हैं जबकि ये बिल्कुल हास्यापद है, बिहार के मंचों पर आप अंग्रेजी बोलने की कोशिश कर रहे हैं, तेजस्वी यादव की ये हरकत उन्हें बेहद अपरिपक्व नेता साबित करती है। वहीँ सम्राट चौधरी की उम्र एवं उनके कई नामों वाले एफिडेविट का दावा प्रशांत ने किया है तब से प्रशांत चौधरी बिल्कुल भी सहज नहीं दिख रहे, पगड़ी बांधने खोलने के समय भी सम्राट चौधरी इतने हताश नहीं दिखे जितना अब दिख रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर विमर्श कर रहे हैं कि प्रशांत किशोर को सीबीआई, ईडी का डर नहीं है क्या! इसका सीधा सा जवाब है कि नरेंद्र मोदी की छवि आज भी राजनीतिक लोगों के बीच रहस्यमयी है, वहीँ प्रशांत किशोर कहते हैं कि मैंने उनके साथ काम किया है उनकी नस - नस से वाकिफ हूं मुझे पीएम मोदी से कोई डर नहीं है, ये बात सच है कि प्रशांत किशोर देश के बड़े से बड़े नेताओ की ताकत एवं कमजोरी की जानकारी रखते हैं, एक समय तो अमित शाह भी प्रशांत किशोर से असुरक्षित महसूस कर रहे थे, वहीँ नीतीश कुमार ने तो पार्टी का उपाध्यक्ष बना दिया था, जदयू की पूरी कमान छोड़कर एकदम से नई पार्टी बनाकर मैदान में कूद गए, जबकि नीतीश कुमार ने कहा था कि प्रशांत को मैं अपनी राजनीतिक विरासत सौंप दूँगा।

आज का राशिफल

मेष संबंधों को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। इससे जुड़ी कोई बात छिपाने की स्थिति बन सकती है।	**तुला** आज तीर्थ यात्रा पर जाने का योग बनता दिख रहा है। धन खर्च की आज संभावना भी दिख रही है।
वृषभ साथी और सहयोगियों की मदद मिलेगी। हालांकि, उन पर पूरी तरह से निर्भर होना जोखिम भरा हो सकता है।	**वृश्चिक** फिलहाल ज्यादा दबाव नहीं दिख रहा है छोटी-मोटी देनदारियां चुकाने का आज मौका मिलेगा।
मिथुन आपके पक्ष में नहीं दिख रही हैं। करियर में बदलाव की आपकी कोशिश सफल नहीं होंगी।	**धनु** आज परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता सता सकती है।
कर्क आज नए अवसर लेकर आ रहा है। किसी नए प्रोजेक्ट में आपकी रुचि बढ़ सकती है।	**मकर** आज जातकों दिन अच्छा रहने वाला है। शारीरिक थकान और अस्वस्थता में कमी आएगी।
सिंह आज दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आज सैर-सपाटे की योजना बना सकते हैं।	**कुंभ** आज जातकों के लिए दिन शुभ रहने वाला है। आपके कार्यस्थल का वातावरण बेहतर रहेगा।
कन्या व्यवस्था करनी हो या जरूरी वस्तु की खरीदारी, सभी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।	**मीन** आज आज का दिन थोड़ा सुस्त रहने वाला है। इस दौरान आपका मूड कुछ उदास रह सकता है।

विशेष

बीएमसी के चुनाव को लेकर दोनों गठबंधन एकजुट ?

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब मुंबई महानगरपालिका का चुनाव होना तय है। सुप्रीम कोर्ट ने इसकी समय सीमा तय कर दी है।सत्ता रुड पार्टी के गठबंधन महायुती में खीचतान चल रही थी। लेकिन अब सहमति बन गई है। बीएमसी चुनाव तक गठबंधन बना रहेगा। दूसरी ओर इंडिया गठबंधन में शामिल शरद पवार की एनसीपी ,ठाकरे की शिवसेना और कांग्रेस पार्टी का गठबंधन मिलकर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। जो स्थितियां अभी बनी हुई है।उसमें दोनों गठबंधन को लग रहा है। यदि मुकाबला करना है, तो एक जुटता रखनी पड़ेगी। अन्यथा सूपड़ा साफ हो सकता है।

बिहार में अलग-थलग पडते जा रहे हैं नीतीश बाबू

चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया है। बिहार में भाजपा नेताओं की दौड़ धूप बढ़ गई है। इस समय नितीश बाबू कहां है, उनकी क्या भूमिका है। उसको लेकर बिहार में तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी है। नितीश बाबू की पार्टी के मंत्री,सांसद और विधायक नितीश बाबू से ज्यादा भाजपा नेताओं के संपर्क में है। कहा जा रहा था, नीतीश बाबू के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा। अगले मुख्यमंत्री नितीश बाबू होंगे। जिस तरह से प्रशांत किशोर नितीश बाबू के चेहरे पर दाग लगाने का काम कर रहे हैं। महिलाओं को 10000 रुपए ट्रांसफर करने की बिहार सरकार की योजना की राशि ट्रांसफर करने के लिए मोदी सामने आ गए।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1471ः इंग्लैंड नरेश हेनरी लंदन टॉवर से रिहा किए गए। 1567ः पारमा के ड्यूक ने नीदरलैंड्स की कमान पूरी तरह संभाल ली। 1848ः आस्ट्रिया ने हंगरी के खिलाफ जंग का ऐलान किया। 1860ः भारतीय दंड संहिता को कानून का रूप दिया गया। 1918ः प्रथम विश्व युद्ध में फ्रांस ने बेरूत पर कब्जा किया। 1949ः राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खंडकवासला की आधारशिला रखी गयी। 1951ः मलेशिया में ब्रिटिश उज्वायुक्त हेनरी गर्नी की हत्या हुई। 1953ः ब्रिटेन ने ब्रिटिश गुयाना को कम्युनिस्ट क्रांति से बचाने के लिए अपने सैनिक भेजे । 1976ः थाईलैंड में सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया। 1981ः मिस्त्र के राष्ट्रपति अनवर सादात की हत्या सैनिक परेड की सलामी लेते समय हुई। 1986ः परमाणु चलित सोवियत जहाज बारमूडा में डूब गया। 1988ः अल्जीरिया में आपातस्थिति लागू की गई।

दैनिक पंचांग

6 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

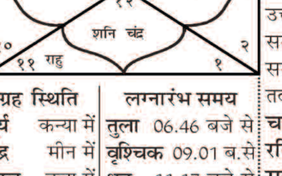

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.46 बजे से
चंद्र	मीन में	वृश्चिक	09.01 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.17 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.22 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.08 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	16.41 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.12 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.52 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.50 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.03 बजे से
7.30 से 9.00		सिंह	02.20 बजे से
बजे तक		कन्या	04.31 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 279 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 12.24 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 06.16 बजे तदनन्तर उत्तराभाद्रपदा 04.02 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वृद्धि 13.14 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 12.24 बजे तदनन्तर विष्टि 22.54 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 05° 08' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872489 **जूलियन दिन** 2460954.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 13 **विशेष** कोजागरा पूजा, शरद पूर्णिमा, पूर्णिमा उपवास।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

करवा चौथ 10 को, पति की लंबी आयु के लिए सुहागिनें रखेंगी व्रत

धनबाद, एजेंसी। सुहागिनों के लिए महत्वपूर्ण व पावन व्रत करवा चौथ 10 अक्तूबर को मनाया जायेगा। कार्तिक मास कृष्णपक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का व्रत रखा जाता है। सनातन धर्म के शास्त्रों में इसे करक चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। पंडाबी व मारवाड़ी समाज में विशेष रूप से करवा चौथ का व्रत किया जाता है। करवा चौथ को लेकर नवव्याहता से लेकर बुजुर्ग महिलाओं तक में उत्साह का माहौल है। नवव्याहताएं अपने पहले चौथ को लेकर तैयारी कर रही हैं। नौ अक्तूबर की रात्रि में सरगी करेंगी। व्रत के दिन निर्जला उपवास रहकर संध्या में 16 श्रृंगार कर चौथ महारानी की पूजा कर करवा फेरेंगी। चौथ महारानी की कथा सुनेंगी। चंद्रोदय पर दंद्रदेव को अर्घ्य अर्पित कर पति के हाथों जलपान कर उपवास खोलेंगी। शक्ति मंदिर में नौ अक्तूबर को सरगी सामग्री कूपन के आधार पर दी जायेगी। सुबह 11।30 बजे से सरगी का वितरण किया जायेगा। 10 अक्तूबर को संध्या पांच बजे से करवा चौथ की पूजा मंदिर के हॉल में कमेटी द्वारा आयोजित की जा रही है। सुहागिनों की संख्या को देखते हुए समूह बनाये जायेंगे।

धनबाद स्टेशन से सवा दो लाख रुपये की शराब पकड़ायी, एक गिरफ्तार

धनबाद, एजेंसी। धनबाद आरपीएफ ने बुधवार को डाउन नयी दिल्ली हावड़ा एक्सप्रेस में छापामारी कर एक व्यक्ति को महंगी शराब की बोतलों के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी दिल्ली के उत्तर पश्चिम जिला के आजादपुर हाउस नंबर 9899 निवासी सतपाल है। जब्त शराब को उत्पाद विभाग को सौंप दी गयी है। इसकी कीमत लगभग सवा दो लाख रुपये है। आरपीएफ ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि ट्रेन संख्या 12302 नई दिल्ली – हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस में शराब ले जायी जा रही है। बुधवार की सुबह 06-35 बजे धनबाद स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर गेट नंबर दो के पास एक व्यक्ति को पकड़ा गया। उसके पास से एक आसमानी रंग के लगेज बैग में कुल 14 बोतल महंगी शराब बरामद की गयी। पूछताछ में उसने बताया कि शराब को दिल्ली से धनबाद तक राजधानी एक्सप्रेस से लेकर आया है। वह रॉक एंड स्ट्रोम कंपनी में काम करता है। बोकारो के बादल चौहान ने उसे दिल्ली से अंग्रेजी शराब लाने को कहा था। टिकट भी व्हाट्सएप पर भेजा था। सतपाल ने बताया कि दिल्ली में ट्रेन पकड़ने के लिए अजमेरी गेट साइड आठ नंबर स्कैनर के पास पहुंचा। वहीं एक कुली ने उनसे एक हजार रुपये लेकर शराब की बोतलें अंदर पहुंचा दी। इसके बाद वह राजधानी एक्सप्रेस के ए फोर में अपने कोच में सवार हुआ। धनबाद से सड़क मार्ग से शराब को बोकारो ले जाना था।

रांची में प्राइवेट यूनिवर्सिटी की छात्रा ने किया सुसाइड, दो दिन पहले ही किराए पर लिया था कमरा

रांची, एजेंसी। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हटिया इलाके में एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। जानकारी मिलने के बाद जगन्नाथपुर पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। रांची में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली 21 वर्षीय छात्रा स्वाति कुमारी ने सुसाइड कर लिया है। मकान मालिक ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए जगन्नाथपुर थाना प्रभारी दिग्विजय सिंह ने एफएसएल की टीम को बुलाकर भी जांच करवाई। हालांकि कमरे से कोई भी सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। वहीं मकान मालिक ने बताया कि स्वाति ने दो दिन पूर्व ही किराए पर उनका एक कमरा लिया था। स्वाति बिहार के सासाराम की रहने वाली थी। क्योंकि यहां से यूनिवर्सिटी नजदीक है इसलिए बहुत सारे यूनिवर्सिटी के बच्चे इस इलाके में रहते हैं। कमरा लेते समय स्वाति किसी भी तरह से दबाव में नहीं दिखी थी। जगन्नाथपुर थाना प्रभारी ने बताया कि सासाराम में भी सूचना दे दी गई है। मृतक के मोबाइल को भी साक्ष्य के लिए जब्त किया गया है। अंतिम बातचीत के आधार पर आगे की जांच की प्रक्रिया चलेगी।

डीआरएम ने धनबाद-सिंदरी रेलखंड का किया निरीक्षण

धनबाद, एजेंसी। धनबाद डीआरएम अखिलेश मिश्र ने शनिवार को धनबाद-रखितपुर-पाथरडीह- सिंदरी टाउन-धनबाद रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रखितपुर रेलवे स्टेशन पर क्रॉसिंग, एसइजे, समपार एवं एलएचएस, पाथरडीह स्टेशन के एफओबी एवं पैनल रूम, पाथरडीह कोल वाशरी साइडिंग तथा सिंदरी मार्शलिंग यार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने परिचालन सुविधा, सुरक्षा एवं संरक्षा से संबंधित सभी पहलुओं की गहन समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सुधारात्मक कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीआरएम ने हर्ल सिंदरी एवं एसएनएफसी (एसीसी) सिंदरी साइडिंग के अधिकारियों के साथ माल लदान से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की। माल ढुलाई और बेहतर कैसे हो सकता है इस पर विचार-विमर्श किया।

एंबुलेंस नहीं मिली, तो बीमार पत्नी को कंधे पर उठाकर पैदल निकल गया सबर

पूर्वी सिंहभूम, एजेंसी। जिले के घाटशिला अनुमंडल स्थित धालभूमगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में लापरवाही के कारण एक सबर दंपती को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। अस्पताल में मरीज को जगह नहीं मिली, ना ही एंबुलेंस मुहैया कराई गई। जिसके बाद मरीज बिन बताए सीएचसी से चले गए। अब चिकित्सा पदाधिकारी ने इस मामले में कार्रवाई की बात कही है।

दरअसल, शुक्रवार से इलाज करा रहे शुकुलमणि सबर को डॉक्टरों ने शनिवार को बेहतर इलाज के लिए एमजीएम रेफर किया था। लेकिन न तो समय पर 108 एम्बुलेंस उपलब्ध हुई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। जिसके बाद महिला अपने पति गुरा सबर और तीन साल की नतिनी के साथ घर (मुड़ाठाकुरा, गुड़ाबांधा) किसी को बिना बताए पैदल ही निकली पड़ी। स्थानीय लोगों ने जैसे ही उन्हें देखा, उन्होंने सिविल सर्जन को फोन करके एम्बुलेंस मंगवाई।

सीएचसी से बाद में भेजी एम्बुलेंस

सूचना मिलने पर, सीएचसी धालभूमगढ़ से एक एम्बुलेंस भेजी गई और दंपती को धालभूमगढ़ चौक से वापस अस्पताल लाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही मुखिया बिलासी सिंह, पूर्व मुखिया मनसा राम मुंडा, भाजपा नेता विमल सिंह, विमल मुंडा, नौशाद अहमद और कई अन्य लोग अस्पताल पहुंचे, उन्होंने झारखंड सरकार की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जब शुकुलमणि अस्पताल से कुछ दूर चलने में असमर्थ हो गईं, तो उनके पति गुरा सबर ने उन्हें कंधे पर उठा लिया। एक हाथ में उन्हें थामे और दूसरे हाथ में उनका बैग लिए, वह चलते रहे। यह देखकर नरसिंहगढ़ निवासी मोबाइल की दुकान चलाने वाले पवित्र मन्ना ने एक संवेदनशील पहल की और अपने दोस्त गुलशन के जरिए दंपती को धालभूमगढ़ चौक तक ले जाने के लिए एक ऑटो का इंतजाम किया।

घटना की सूचना मिलने पर जिला परिषद सदस्य हेमंत मुंडा घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने दंपती से बात की और मरीज के गंभीर हालत में अस्पताल से चले जाने पर अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने तुरंत प्रखंड विकास अधिकारी और सिविल सर्जन को फोन करके इसकी सूचना दी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

दोषियों पर कार्रवाई की मांग

महिला की हालत गंभीर

रिपोर्ट के अनुसार, शुकुलमणि सबर को शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। उनका हीमोग्लोबिन 7।5 ग्राम/डीएल था और उन्हें बलगम में खून आने की शिकायत थी। उनके पति गुरा सबर ने बताया कि उनकी पत्नी दो-तीन हफ्तों से बुखार और दस्त से पीड़ित थीं। वाहन न मिलने और अस्पताल में जगह न मिलने के कारण, वे बिना किसी को बताए पैदल ही चले गए।

दोषियों से मांगा जाएगा स्पष्टीकरण

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ। गोपीनाथ महाली से फोन पर बात की गई। उन्हें बताया गया कि सबर महिला का शुक्रवार से इलाज चल रहा था और उसे एमजीएम रेफर कर दिया गया था। इस बात की जांच की जाएगी कि वह बिना किसी को बताए अस्पताल से कैसे चली गईं। दोषियों से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा और कार्रवाई की जाएगी।

स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा - सीएमडी

धनबाद, एजेंसी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर बीसीसीएल में विशेष अभियान 5।0 के क्रियान्वयन चरण की भव्य शुरुआत की गयी। इस अवसर पर कंपनी मुख्यालय कोयला भवन में आयोजित समारोह की अध्यक्षता सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने की। कार्यक्रम की शुरुआत के बाद सीएमडी श्री अग्रवाल ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि हम स्वच्छता को केवल एक सरकारी अभियान या कार्यक्रम न मानकर इसे अपने आचरण, जीवनशैली और आदत का हिस्सा बनाएं। यदि हमें एक विकसित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ना है, तो स्वच्छता को अपनी प्राथमिकता बनानी होगी। कार्यक्रम में निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, मुख्य सतर्कता पदाधिकारी अमन राज, महाप्रबंधक (विद्युत एवं यांत्रिकी) आरआर कर्ण, महाप्रबंधक (उत्खनन) एके दुबे, महाप्रबंधक (सिविल) अशोक कुमार, महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) आनंद कुमार समेत बड़ी संख्या में मुख्यालय के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी आदि थे। कार्यक्रम के साथ ही बीसीसीएल के सभी क्षेत्रों में इस अभियान की औपचारिक शुरुआत की गई। सभी स्थानों पर अधिकारियों एवं कर्मियों ने स्वच्छता शपथ ली और इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। गौरतलब है कि विशेष अभियान 5.0 का क्रियान्वयन चरण 2 से 31 अक्टूबर 2025 तक संचालित होगा।

नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष का हुआ स्वागत

रांची, एजेंसी। प्रदेश भाजपा के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू का प्रदेश भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को जोरदार स्वागत किया गया। शनिवार को नए कार्यकारी अध्यक्ष का अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया है। नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आदित्य साहू एक अनुभवी नेता हैं।

बाबूलाल मरांडी ने केंद्रीय नेतृत्व के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि साहू बूथ स्तर से इस मुकाम तक पहुंचे हैं। इनका लंबा राजनीतिक अनुभव है, संसदीय कार्यों का भी अनुभव भी एक सांसद के रूप में है। कहा कि इनके अनुभव और कार्यक्षमता का लाभ पार्टी को मिलेगा। राज्य में पार्टी और मजबूत होगी। आदित्य साहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित सभी का आभार जताया। आदित्य साहू को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर पूर्व मुख्यमंत्रियों समेत कई नेताओं ने बधाई दी है। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, अर्जुन मुंडा, चंपई सोरेन, मधु कोड़ा, डॉ रविंद्र कुमार राय, सहित हजारों लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। झारखंड प्रदेश भाजपा के महामंत्री और राज्यसभा सांसद आदित्य साहू को झारखंड भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने हार्दिक बधाई दी है।

चौकीदारों की नियुक्ति बीट के आधार पर नहीं, जिला स्तर पर ही होगी : हाईकोर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने चौकीदारों की नियुक्ति से संबंधित एक मामले में महत्वपूर्ण निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने चौकीदारों की नियुक्ति से संबंधित मामले की सुनवाई के बाद अपने आदेश में कहा है कि चौकीदारों की नियुक्ति बीट स्तर पर नहीं जिला स्तर पर होगी।

अदालत ने कहा कि चौकीदारों को सामान्यतः उनके निवास वाले बीट क्षेत्र में पदस्थापित किया जाना चाहिए, लेकिन यदि उचित कारण हो तो उन्हें किसी अन्य बीट क्षेत्र में भी पोस्टिंग या स्थानांतरित किया जा सकता है। अदालत ने यह फैसला कोडरमा उपायुक्त की ओर से शुरू की गई भर्ती प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद सुनाया। अदालत ने सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि झारखंड चौकीदार कैडर नियमावली 2015 के अनुसार सभी नियुक्तियां जिला स्तर पर ही होंगी और आरक्षण रोस्टर भी जिला स्तर पर लागू होगा। इसमें स्पष्ट किया कि नियमों में अंकित यथासंभव और सामान्यतः जैसे शब्द इस बात का संकेत हैं कि बीट स्तर पर पोस्टिंग करना कोई बाध्यता नहीं है, बल्कि यह केवल निर्देशात्मक प्रावधान है।

नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर दर्जनों याचिकाएं दाखिल हुई

नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती देते हुए एक दर्जन से अधिक याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इसमें प्रार्थियों का कहना था कि विज्ञापन के अनुसार भर्ती बीटवार होनी चाहिए और केवल संबंधित बीट का निवासी ही वहां नियुक्त हो सकता है। अदालत ने इसको खारिज करते हुए कहा कि यदि भर्ती बीटवार की जाए तो आरक्षण नीति लागू करना संभव नहीं रह जाएगा। भर्ती प्रक्रिया को लेकर एक और आपत्ति लिखित परीक्षा में न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक को लेकर थी।

झारखंड कांग्रेस : नए चेहरों में पुरानी पैरवी, बाहरी नेताओं को भी जिलाध्यक्ष का ताज

रांची, एजेंसी। कांग्रेस की नई टीम में संगठन सृजन के संकल्प का बंटाधार होता दिख रहा है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के.राजू ने बड़ी-बड़ी बातें जरूर की थी और कुछ जिलों में ऐसा लग भी रहा है कि नए लोगों को मौका मिला है, लेकिन कई जिलों में पुराने और जाने-पहचाने लोगों को ही जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

पहले पार्टी की ओर से दावा किया गया था कि समर्पित और कट्टर कांग्रेसी नेताओं को जिलाध्यक्ष बनने का मौका मिलेगा। हालांकि, नई सूची कई मामलों में ऐसे दावों का खंडन करती है। सूची में स्पष्ट तौर पर बड़े नेताओं, मंत्रियों की पसंद का ख्याल रखा गया है।

पूर्व प्रदेश अध्यक्षों राजेश ठाकुर, सुखदेव भगत और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू के साथ-साथ विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप तक की पसंद का ख्याल रखा गया है।

चतरा और लातेहार के जिलाध्यक्ष के कांग्रेस की सदस्यता को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार में मंत्रियों डॉ. इरफान अंसारी और राधाकृष्ण किशोर का भी प्रभाव दिख रहा है। हालांकि राधाकृष्ण किशोर अपने पुत्र को जिलाध्यक्ष नहीं बनवा सके।

यही हाल केएन त्रिपाठी का रहा जो अपने भाई को जिलाध्यक्ष बनाने के लिए प्रयासरत थे। जामताड़ा में दीपिका बेसरा को मंत्री इरफान अंसारी की पसंद पर दोबारा जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

धनबाद के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के लिए अनूप सिंह पैरवी कर रहे थे तो देवघर में मुकुंद दास को प्रदीप यादव की पसंद पर जिलाध्यक्ष का ताज मिला है। अभी कुछ महीने पूर्व ही उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा था।

कांग्रेस सूत्रों की मानें तो कोडरमा में भी हाल में ही माले से नाता तोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए प्रकाश रजक को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। रांची ग्रामीण के जिलाध्यक्ष सोमनाथ मुंडा विधायक सुरेश बैठा और राजेश कच्छप के करीबी बताए जाते हैं।

गुमला के जिलाध्यक्ष सुखदेव भगत के सांसद प्रतिनिधि रह चुके हैं। साहेबगंज में पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की पसंद का ख्याल रखा गया है।

सरायकेला खरसावां में राज बागची को जिलाध्यक्ष बनाया गया है उन्हें कांग्रेस में शामिल हुए एक साल भी नहीं हुआ है। इनकी पैरवी सुबोधकांत सहाय कर रहे थे।

द्वारिका मेमोरियल फाउंडेशन में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

धनबाद, एजेंसी। द्वारिका मेमोरियल फाउंडेशन एकेडमी, बिशुनपुर में शनिवार को 'एक्सपीरियंशियल लर्निंग' विषय पर एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला हुई। यह कार्यक्रम सीबीएसइ के 25 घंटे के अनिवार्य इन-हाउस ट्रेनिंग के तहत हुआ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार प्रत्येक वर्ष शिक्षकों का प्रशिक्षण आवश्यक है। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य सह रिसोर्स पर्सन मदन कुमार सिंह, उप प्राचार्या पुष्पा सिंह, सुबीमन दास और कैलाश रवानी ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन ने वीडियो और गतिविधियों के माध्यम से एक्सपीरियंशियल लर्निंग की महत्ता समझायी।

उन्होंने बताया कि वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में प्रयोग और अनुभव से विद्यार्थी विषय के गहन समझ और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं। उप प्राचार्या पुष्पा सिंह ने प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए 'आर्ट इंटीग्रेशन' विषय पर अगली कार्यशाला की घोषणा की। वहीं, निदेशक डॉ उमेश प्रसाद सिंह ने ऐसे प्रशिक्षण शिक्षक और विद्यार्थियों दोनों के लिए लाभकारी बताया।

आंखों से दिव्यांग दिनेश ने तैयार किया है म्यूजिकल बैंड! युवाओं की भी बदल रहा किस्मत

पलामू, एजेंसी। यह कहानी है पलामू के नौडीहा प्रखंड के चोरडंडा के रहने वाले दिनेश कुमार की। वो आंखों से दिव्यांग है लेकिन खुद का बैंड तैयार किया है। दिनेश के बैंड के साथ इलाके के आधा दर्जन से अधिक युवा जुड़े हैं। उनका बैंड इलाके में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक एवं विभिन्न समारोह में भाग लेता है एवं अपनी कला को दिखाता है। एक कार्यक्रम के 12 से 15 हजार रुपये मिलते हैं।

दरअसल दिनेश कुमार साक्षर है, आंखों से दिव्यांग होने के कारण उनकी पढ़ाई पूरी नहीं हुई है। खुद के अनुभव और मेहनत की बदौलत उन्होंने म्यूजिक के सिस्टम को समझा है, कैसियो समेत अन्य वाद्य यंत्रों को बजा लेते हैं।

दिव्यांग दिनेश कुमार के परिवार की आर्थिक हालत ठीक नहीं थी। पिता मानकी राम मजदूरी करते थे जबकि मां गृहणी हैं। अप्रैल 2023 में दिनेश की मां मालती देवी झारखंड लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी की उपज योजना से जुड़ीं। उपज योजना से जुड़ने के बाद मालती देवी ने बकरी का पालन शुरू किया।

बकरी पालन से होने वाली आमदनी के बाद उन्होंने 10 हजार रुपए में म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट खरीद कर दिनेश कुमार को दिया था। यहीं से दिनेश के जीवन में बदलाव आया और उसने म्यूजिक बजाना सीखा और बैंड बना लिया।

%जीवन को चलाने के लिए कुछ न कुछ तो करना होगा, यही बात दिमाग में चल रही थी। मां ने कैसियो खरीद कर उन्हें दिया था। धीरे-धीरे कैसियो बजाना सीखा एवं अन्य दोस्तों को भी साथ में जोड़ा और एक बैंड तैयार किया। शादी एवं अन्य तरह के समारोह में वह जाते हैं, बैंड की बुकिंग होती है और इससे उन्हें आमदनी हो रही है। आंखें बेहद ही कमजोर हैं और दिखाई नहीं देता है%।- दिनेश कुमार, दिव्यांग

%दिनेश के बारे में चिंता सताती रहती थी कि कुछ इसके लिए करना होगा। बकरी पालन की योजना से जुड़ी और उससे होने वाली आमदनी से दिनेश के लिए कैसियो खरीदा। नया-नया बैंड बना है। परिवार की कहानी काफी संघर्ष भरी रही है।दिनेश का गांव चोरडंडा पलामू प्रमंडल मुख्यालय मेदिनीनगर से करीब 70 किलोमीटर दूर है। यह इलाका कभी नक्सल प्रभावित रहा है और पिछड़ेपन के लिए भी जाना जाता रहा है। इस इलाके से निकल कर दिनेश कई लोगों के लिए मिसाल बना है।अपने साथ कई दोस्तों को भी जोड़ा है और बैंड में शामिल किया है। दोस्त और इलाके के लोग बैंड से जुड़े हैं और कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। झारखंड लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के नीतीश कुमार ने बताया कि दिनेश कुमार आंखों से दिव्यांग हैं और वह दुनिया को बता रहे हैं कि म्यूजिक क्या है।दिनेश कुमार की मदद के लिए पहल की जा रही है और बैंड को बड़ा करने में भी मदद की जाएगी। जेएसएलपीएस की रिसोर्स पर्सन सीमा देवी बताती हैं कि दिनेश की मां को गांव में उपज योजना से जोड़ा गया था। दिनेश कुमार झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर भी अपने कार्यक्रम को प्रस्तुत करेंगे।

सिमडेगा के बाघचंडी मंदिर में तोड़फोड़, साजिश का पता करने में जुटी पुलिस

कोलेबिरा (सिमडेगा), एजेंसी। प्रखंड क्षेत्र के काल्हाटोली स्थित बाघचंडी मंदिर में शनिवार की रात अज्ञात असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की है। घटना की जानकारी रविवार सुबह मिली, जब मंदिर के पुजारी पंचम सिंह पूजा करने पहुंचे।

उन्होंने देखा कि मंदिर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ है और कई सामान क्षतिग्रस्त हैं। पुजारी ने बताया कि असामाजिक तत्वों ने मंदिर से दूर त्रिशूल फेंक दिया, म्यूजिक सिस्टम और चोंगा तोड़ दिया।

मंदिर के ऊपर और अंदर लगे लाइट्स को भी नुकसान पहुंचाया गया। अगरबत्ती स्टैंड पलट दिया गया और मुख्य पूजा स्थल के साथ छेड़छाड़ करने का प्रयास किया गया।

मौके पर पहुंची पुलिस : इधर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। थाना प्रभारी हर्ष कुमार शाह ने कहा कि मंदिर के दरवाजे की कुंडी एवं साउंड सिस्टम को क्षतिग्रस्त किया गया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।अपराधी जल्द गिरफ्त में होंगे।

भाजपा ने की कड़ी निंदा : घटना को भारतीय जनता पार्टी ने सनातन संस्कृति पर हमला बताया है। जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक ने कहा कि यह घटना धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने वाली है। मंदिर का मुख्य दरवाजा टूटा है और पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाया गया है, यह श्रद्धा के केंद्र को अपवित्र करने की कोशिश है। प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने कहा कि यह केवल एक मंदिर पर हमला नहीं है बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में न तो मंदिर सुरक्षित हैं और न ही चर्च।

शाकीय फसलों में प्रमुख प्राकृतिक शत्रुओं को पहचानें

शाकीय फ़सल के खेतों में सोनपंखी भृंग प्रचलित रूप से पाये जाते हैं। सोनपंखी भृंग चेपों, सफेद मक्खी, स्केल कीटों, बॉल वर्म, अन्य कीटों और कुटकियों के परभक्षी होते हैं। वे अण्डों, निम्फों और वयस्कों से अपना भोजन प्राप्त करते हैं विशेष रूप से ये बड़ी मात्रा में चेंपा से भोजन प्राप्त करते हैं।

कोक्सीनैलीडस

लार्वा, वयस्कों की अपेक्षा अधिक दक्ष परभक्षी होते हैं विशेष रूप से चौथा इनस्टार लार्वा अन्य इनस्टारों की अपेक्षा अधिक खाऊ भक्षक होते हैं। वे दिखने में बहुत उग्र होते हैं जिससे अक्सर लोगों को यह भ्रम होता है कि वे बहुत नुकसान पहुँचा सकते हैं जो कि सत्य नहीं है। सोनपंखी भृंग में नर भक्षण भी पाया जाता है। सी. सैप्टमपंकटाटा: वयस्क आधे मटर के आकार का होता है। पीले से लाल भूरा होता है और इसके इलाइट्रा पर सात काले धब्बे होते हैं। सिर और अधर सिरा दोनों काले रंग के होते हैं। प्यूपा हल्के भूरे रंग का होता है जिस पर काले बिन्दु लगे होते हैं। और ये पिछले सिरे की पत्तियों पर लगे हुए होते हैं। अण्डा 1-2 मि.मी. लम्बा और पीले रंग का होता है। मीनोकाईलिस सेक्समाकुलेट्स: काले धब्बों वाला सोनमुखी भृंग है। अवतानित आधार पर लम्बा और संकरा काला बैण्ड छोटे और संकरे अनुदैर्ध्य संकीर्णन या लाइन द्वारा अनुप्रस्थ अण्डाकार काले विम्बीय स्थल से जुड़ा होता है।

ग्रीन लेस विंग्स

क्राइसोपा चेंपा, कुटकी, फुदका, सफेद मक्खी, थ्रिप्स, बॉलवर्म और अन्य अनेक छोटे कीटों से अपना भोजन प्राप्त करते हैं। वयस्क मध्यम आकार के, 1-2 से.मी. लंबे, हरे, पीले हरे या कभी-कभी भूरे होते हैं। इनकी सुनहरी आंखें होती हैं और नाजुक नेटदार पंख होते हैं। लार्वा, जो कि बहुत अधिक सक्रिय होते हैं, धूसर या भूरे रंग के होते हैं तथा ऐलीगेटर प्रकार के होते हैं। इनकी पूरी तरह विकसित टांगें होती हैं और लंबी चिमटियां होती हैं और वे 1 मि.मी. से 6-8 मि.मी. तक बढ़ते हैं। जो कि कुछ ही दिनों में धूसर रंग के हो जाते हैं। युवा लार्वे निर्जलीकरण के संवेदनशील होते हैं। उन्हें नमी के स्रोत की आवश्यकता होती है।

मकड़ी

मकड़ियां व्यापक रूप से होती हैं और वे अनेक कीटों से अपना भोजन प्राप्त करते हुए उत्कृष्ट परभक्षी होती हैं। मकड़ी की कुछ प्रजातियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए जालों का प्रयोग करती हैं जबकि अन्य प्रजातियां अपना शिकार लुक-छिपकर करती हैं। कुछ मकड़ियां चींटियों को भी खाती हैं। वृत्ताकार जालों को बुनने वाली ये मकड़ियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए अपने जालों का जल्दी-जल्दी फिर से निर्माण करती हैं, उनका पुन: चक्रण करते हुए अर्थात् इस प्रक्रिया में पुराने जाल को खाते हुए।

सिर्फिड मक्खी

सिर्फिड मक्खी की अनेक प्रजातियां चेपा और साथ ही मिली बग, सफेद मक्खियों, लैपिडॉप्टेरीन लार्वा और लाभप्रद कीटों के परभक्षी होती हैं। वयस्क सामान्यतया चमकदार रंग के, मधुमक्खियों और बर्रों से मिलते-जुलते होते हैं। सिर्फिड लार्वा दिखने में और आदतों में भिन्न-भिन्न होते हैं। वे या तो अविकल्पी या विकल्पी परभक्षी होते हैं। लार्वे कुछ-कुछ लोष्ट प्रकार के होते हैं और सिर की तरफसे शुंडाकार होते हैं। प्यूपों की आकृति विशेष प्रकार से रेजिन बिन्दु प्रकार की होती हैं।

प्रेइंग मेंटिस

प्रेइंग मेंटिस परभक्षी होते हैं और वे जीवित कीटों का शिकार करते हैं। वे अपने शिकार का पास आने के लिए इंतजार करते हैं और फिर तेजी से उनको पकड़ लेते हैं। मेंटिस अपने शिकार पर आक्रमण करने के लिए आगे की दो टांगों का इस्तेमाल करते हैं। वे रात के समय सक्रिय होते हैं। वयस्क प्रेइंग मेंटिस लंबाई में 1 से.मी. से लेकर अनेक इंचों तक अलग-अलग आकार के होते हैं। वे अपने आस-पास के वातावरण में घुल जाते हैं और उनकी नजर बहुत तेज होती है। इनमें प्राय: लैंगिक नर भक्षण भी देखा गया है।

ड्रेगन फ्लाई

वे परभक्षी के रूप में काम करते हैं क्योंकि वे मच्छरों और अन्य नुकसानदायक छोटे कीटों जैसे मधुमक्खियों, तितलियों और मक्खियों को खाते हैं। उनके लार्वा जलचर होते हैं। वे अपने शिकार को स्पाइकों से भरी हुई टांगों से कसकर पकड़े रखती हैं। वे अपने शिकार को अपने फैलाये जा सकने वाले जबड़ों का प्रयोग करते हुए पकड़ती हैं। वयस्क ड्रेगन फ्लाई की जीवन अवधि केवल कुछ ही महीने है। इसका अधिकांश जीवन जल सतह के नीचे लार्वा की स्थिति में ही बीत जाता है। मादा ड्रेगन फ्लाई प्राय: पानी में तैरने वाले या जलमग्न पौधों पर या उसके आस-पास अंडे देती हैं। बड़ी ड्रेगन फ्लाई की लार्वा स्थिति पांच वर्षों तक चल सकती है।

डैमसल फ्लाई

वे जलीय वनस्पति और नहरों और तालाबों के नीचे पैदा होती हैं। वे जलीय कीटों और अन्य संधिपादों को खाती हैं। डैमसल फ्लाई वयस्क अपना शिकार पकड़ने के लिए अपनी टांगों को इस्तेमाल करती हैं जो कि बालों से ढकी होती हैं। वे अपने शिकार को अपनी टांगों में पकड़ लेता है और उसे चबाते हुए खा जाता है। वयस्क सामान्यतया पानी के नजदीक पाए जाते हैं। डैमसल फ्लाई के लंबे पतले शरीर होते हैं और वे प्राय: हरे, नीले, लाल, पीले, काले या भूरे चमकदार रंगों के होते हैं।

न्यूक्लियर पॉलीहिड्रोसिस वायरस

एनपीवी एक विशिष्ट प्रकार का रोग है। पौधों पर शाम के समय किसी भी स्प्रडेर/स्टिकर या डिटर्जेंट पाउडर के 0.5 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत जैगरी घोल जैसे सहौशधों संयोजकों के साथ 250 एल ई/हेक्टर की दर से विषाणु घोल का छिड़काव किया जाता है। यह तम्बाकू की इल्ली अैर सभी शाकीय फसलों पर फल बेधकों के विरूद्ध बहुत अधिक प्रभावकारी है। लार्वा जब एक बार विषाणु संदूषित पत्तियों को खा लेते हैं तो वे एनपीवी से संक्रमित हो जाते हैं। संक्रमित लार्वा आलसी हो जाता है और भोजन करना बंद कर देता है। बाद में संक्रमित लार्वा काला हो जाता है। यह पर्ण समूह पर टंगा हुआ देखा जाता है। न्यूक्लियर पॉलीहाइड्रोसिस वायरस में अनेक पॉलीहेड्रिल समावेशी कायाएं होती हैं जिनमें कि छड़ की प्रकार के विषाणु कण होते हैं। यह शहद की मक्खियों, मछली, स्तनधारियों और कीटों के प्राकृतिक शत्रुओं के लिए सुरक्षित हैं और इन्हें ठण्डे स्थान पर संग्रहित किया जा सकता है।

परभक्षी बर्र

पीले बर्र अनेक कीटों को अपना शिकार बनाते हैं जिन्हें कि नाशीजीव माना जाता है। वे मधुमक्खियों का भी शिकार करते हैं लेकिन मधुमक्खियों से अलग इन बर्रों की कॉलोनियां प्रत्येक सर्दी के मौसम के प्रारम्भ होने पर ही मर जाती हैं। प्रत्येक सामाजिक बर्र कॉलोनी में एक रानी और अनेक मादा कमेरी शामिल होती हैं और अनेक प्रकार की बांझ रानियां भी होती हैं। कॉलोनी का आकार और संरचना भिन्न-भिन्न होती है और यह कुछ दर्जन से लेकर हजारों तक हो सकती है। मनुष्य को इनके द्वारा काटे जाने का पता उसको होने वाली एलर्जी से चलता है।

कोटेशिया

कोटेशिया इल्लियों जैसे तम्बाकू की इल्ली और चने की इल्ली का परजीवी है। कोटेशिया प्रजाति के वयस्क छोटे, गहरे रंग के बर्र होते हैं और छोटी मक्खियों से मिलते-जुलते होते हैं। उनके दो जोड़ी पंख होते हैं, पिछे के पंख आगे के पंखों से छोटे होते हैं।

एन्टीना 1.5 मि.मी. लंबे और ऊपर की तरफ गोलाई लिए हुए होते हैं (मुड़े हुए नहीं होते)। मादा का पेट संकरा होता हुआ बाहर की ओर मुड़ा होता है जिसे कि ऑविपॉजीटर कहते हैं जिसे वह अंडे देती है। प्यूपा परपोषी लार्वा या पौधे की पत्तियों से जुड़े पीले, रेशमी कोकून के अनियमित द्रव्य के रूप में होते हैं।

ट्राइकोग्रामा प्रजाति

ट्राइकोग्रामा बहुत ही छोटे बर्र होते हैं। वे बेधकों के परजीवी होते हैं। परजीवी अण्ड कार्डों को पौधे की पत्तियों के निचले किनारे की तरफस्टैपल किया जा सकता है जिससे कि परजीवी उभर सकें और परपोशी अण्डों पर आक्रमण कर सकें। प्रत्येक मादा लगभग 100 अण्डों का परजीवन करती है। छोटा जीवन चक्र होने के कारण बर्रों की जनसंख्या तेजी से बढ़ती है ट्राइकोग्रामा 75 प्रतिशत आर्द्रता के साथ 23-25 डिग्री सेंटीग्रेड के तापमान पर सक्रिय होता है। प्राकृतिक शत्रुओं की रक्षा करने वाली और उन्हें प्रोत्साहित करने वाली तथा नाशीजीवों पर उनके प्रभाव को बढ़ाने वाली फसल पद्धतियों का प्रयोग करते हुए परजीवियों का संरक्षण महत्वपूर्ण है। ट्राइकोग्रामा वाणिज्यिक सप्लायरों के पास आसानी से उपलब्ध है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय, बेरोजगार युवकों के लिए आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तालाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन में संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है। तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यत: मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, म्रिगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है।

वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अत: स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/ हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, शुकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मूल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न ईकाईयों जैसे-मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थों का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रुप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थों का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है। मत्स्य कृषकों के रुझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन में सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हे. 1 वर्ष में 4000 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र में कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है। पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक-दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पतियां इत्यादि खाती हैं। मछलियां बतखों द्वारा गिराई गई खुराक को भोजन के रुप में ग्रहण करती है। जिसके कारण अतिरिक्त कृत्रिम आहार मछलियों को नहीं देना पड़ता। बतखें जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हे. 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है। मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रुप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति है। वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टर के लिये 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अंडे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थों में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थों से इसकी पूर्ति हो जाती है।

फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ़ पर अरहर, टमाटर, कुंदरु, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते है जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते है। छत्तीसगढ़ में स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कर मिश्रित मछली पालन एवं एकीकृत मछली पालन की अपार संभावनाएं उपलब्ध है।

बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी की कीमत 11100000 पार... बनाया नया रिकॉर्ड

● पोकेमोन कार्ड की भी कीमत बढ़ी ● कई सार्वजनिक कंपनियां बिटकॉइन जमा कर रही हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी ने एक नया रेकॉर्ड बनाया। इसकी कीमत 1,25,000 डॉलर (करीब 1.11 करोड़ रुपये) के पार चली गई। लोग इसे सुरक्षित निवेश मान रहे हैं, इसलिए इसकी मांग बहुत बढ़ गई है। पिछले 7 दिनों में बिटकॉइन ने जबरदस्त रिटर्न दिया है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन रविवार को 1,25,689 डॉलर तक पहुंच गई। निवेशकों को अमेरिका में सरकारी कामकाज का बंद होने की चिंता थी। इसी वजह से बिटकॉइन की कीमत बढ़ी। इसने 14 अगस्त को बने अपने पिछले रेकॉर्ड 1,24,514 डॉलर को तोड़ दिया। अमेरिकी शेयर बाजारों में तेजी और बिटकॉइन से जुड़े ईटीएफ में नए निवेश आने से भी इसे मदद मिली। निवेशकों का मानना है कि बुधवार से शुरू हुआ सरकारी कामकाज का बंद होना, पैसे को सुरक्षित संपत्तियों की ओर धकेल सकता है। बाजार के लोग इस चलन को डीबेसमेंट ट्रेड कह रहे हैं। फाल्कनएक्स नाम की क्रिप्टो ब्रोकरेज फर्म के बाजार सह-प्रमुख जोशुआ लिम ने ब्लूमबर्ग को बताया कि कई संपत्तियां, जिनमें शेयर, सोना और यहां तक कि पोकेमोन कार्ड जैसे संग्रहणीय सामान भी शामिल हैं, रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच रहे हैं। ऐसे में यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि बिटकॉइन डॉलर के अवमूल्यन की कहानी से लाभ उठा रहा है। अक्टूबर का महीना बिटकॉइन के लिए आमतौर पर अच्छा रहता है। इसे अक्सर अपटूबर कहा जाता है। पिछले दस सालों में से नौ बार इस महीने में बिटकॉइन की कीमत बढ़ी है। इस साल की तेजी ने बिटकॉइन के मूल्य को 30 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ा दिया है। बिटकॉइन की इस बढ़ोतरी में कंपनियों का इसे अपनाना भी एक बड़ा कारण है। माइकल सायलर की कंपनी स्ट्रेटजी जैसी कई सार्वजनिक कंपनियां बिटकॉइन जमा कर रही हैं।

7 दिन में कितनी रिटर्न?

बिटकॉइन ने पिछले 24 घंटे और 7 दिनों में निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। यह रिटर्न ऐसे समय आया है जब एक बिटकॉइन की कीमत हाल ही में 1.11 लाख डॉलर के करीब आ गई थी। करीब 15 फीसदी रिटर्न दिया है। ब्लूमबर्ग के हवाले से स्टैंडर्ड चार्टर्ड पीएलसी में डिजिटल एसेट्स रिसर्च के वैश्विक प्रमुख ज्योफ केंड्रिक ने कहा कि अमेरिका में इस बार सरकारी कामकाज का बंद होना मायने रखता है।

अमेजन से आगे निकला बिटकॉइन

बिटकॉइन में मार्केट वैल्यू के हिसाब से ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन को भी पीछे छोड़ दिया है। बिटकॉइन का मार्केट कैप 2.4 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया। इसने अमेजन के मार्केट कैप (2.37 ट्रिलियन डॉलर) को पीछे छोड़ दिया। इस तरह यह दुनिया की सातवीं सबसे मूल्यवान संपत्ति बन गई। वहीं इसकी मार्केट वैल्यू ऐप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, सऊदी अरामको और सोने जैसी बड़ी संपत्तियों के करीब आ गई है। उन्होंने यह भी बताया कि 2018-2019 में जब पिछली बार सरकारी कामकाज बंद हुआ था, तब यह क्रिप्टोकरेंसी एक अलग जगह पर थी। उस समय यह पारंपरिक जोखिम वाली संपत्तियों के साथ नहीं चल रही थी। उन्होंने आगे कहा कि इस दौरान बिटकॉइन के बढ़ने की संभावना है।

फास्टैग लगवाओ या 1.25 गुना चुकाओ... टोल का गणित बदला

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों के टोल प्लाजा पर कैश लेनदेन कम करने के नए नियम बनाए हैं। इससे डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा मिलेगा। नए नियम 15 नवंबर, 2025 से लागू होंगे। इन बदलावों के तहत, जिन वाहनों में वैलिड फास्टैग नहीं होगा, उन्हें टोल चार्ज अलग तरीके से देना होगा। अगर कोई यूजर कैश पेमेंट करता है तो उसे सामान्य टोल शुल्क का दोगुना देना होगा। लेकिन, वही यूजर अगर यूपीआई या किसी अन्य स्वीकृत डिजिटल माध्यम से पेमेंट करता है तो उसे सामान्य शुल्क का केवल 1.25 गुना देना होगा। इसका मुख्य मकसद डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देना, पारदर्शिता बढ़ाना और टोल प्लाजा पर दक्षता में सुधार करना है। सरकार को उम्मीद है कि इससे भीड़ कम होगी और यात्रियों का समय बचेगा।

देश में अमीरी और गरीबी की खाई को बढ़ा रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्र अमीरी और गरीबी की खाई को बढ़ा रहा है। पार्टी ने कहा कि यह सिर्फ अर्थव्यवस्था के लिए समस्या नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला है। कांग्रेस महासचिव व संचार प्रभारी जयराम रमेश ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत अब अरबपतियों का नया केंद्र बनता जा रहा है और देश में अमीर लोगों की संख्या साल दर साल तेजी से बढ़ रही है। रमेश ने एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में कहा, एक के बाद एक रिपोर्ट भारत में धन के एक खास वर्ग के बारे में सीमित होने की चेतावनी दी जा रही है। जहां लाखों भारतीय अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं सिर्फ 1,687 लोगों के पास देश की आधी संपत्ति है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश का पैसा कुछ खास लोगों के बीच केंद्रित हो गया है। इसके कारण हमारे देश में भारी आर्थिक असमानता पैदा हुई है। यह असमानता व्यापक सामाजिक असुरक्षा और असंतोष को जन्म दे रही है।

अगले हफ्ते ये 5 आईपीओ करा सकते हैं 32 प्रतिशत तक मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले हफ्ते कई नए आईपीओ शेयर मार्केट में एंट्री कर रहे हैं। इनमें टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का आईपीओ भी शामिल है। टाटा कैपिटल आईपीओ इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। अगले हफ्ते आ रहे आईपीओ निवेशकों की जबरदस्त कमाई करा सकते हैं। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक इनमें 5 आईपीओ ऐसे हैं जो निवेशकों को 32 फीसदी तक मुनाफा दे सकते हैं। दरअसल, अगले हफ्ते आ रहे आईपीओ में से कई को ग्रे मार्केट में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि इनकी लिस्टिंग भी जबरदस्त हो सकती है। इनमें मेन बोर्ड आईपीओ के शामिल हैं। इनमें से ये 5 आईपीओ जीएमपी (ग्रे मार्केट प्रीमियम) में तेजी के कारण निवेशकों का ध्यान खींच रहे हैं। मेन बोर्ड का यह आईपीओ इस साल का टाटा कैपिटल के बाद दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। यह 7 अक्टूबर को खुलेगा और 9 को बंद हो जाएगा। इसका जीएमपी 20 प्रतिशत है। निवेशकों की इसमें ठीक-ठाक दिलचस्पी दिख रही है। इसकी लिस्टिंग 24 अक्टूबर को हो सकती है। यह आईपीओ भी मेन बोर्ड से है। यह 9 अक्टूबर को खुलेगा और 13 अक्टूबर को बंद हो जाएगा। इसका इश्यू साइज 1,377.50 करोड़ रुपये है। ग्रे मार्केट में इस आईपीओ को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। अभी इसका जीएमपी 12.37 प्रतिशत है। इस आईपीओ की लिस्टिंग 16 अक्टूबर को हो सकती है। अगले हफ्ते मेन बोर्ड से यह सबसे बड़ा और खास आईपीओ होगा। यह 15,512 करोड़ रुपये का है। यह आईपीओ 6 अक्टूबर को खुलेगा और 8 अक्टूबर को बंद हो जाएगा। हालांकि ग्रे मार्केट में इसे बहुत खास रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। इसके जीएमपी में पिछले कई दिनों से गिरावट आ रही है। इसका जीएमपी 2.76 प्रतिशत है। हालांकि इस आईपीओ को लेकर निवेशकों में क्रेज दिखाई दे रहा है। यह भी मेन बोर्ड का आईपीओ है। यह निवेशक के लिए खुल गया है। इसमें 7 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। इसकी लिस्टिंग 10 अक्टूबर को हो सकती है। इसके जीएमपी में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। निवेशकों की इसमें ठीक-ठाक दिलचस्पी दिख रही है। अभी इसका 0.77 प्रतिशत है।

दिवाली से पहले चीन का निकला दिवाला, बाजार से चीनी सामान गायब

स्वदेशी चीजों ने मचाई धूम, क्यों बढ़ी देसी सामान की मांग?

दिवाली की बिक्री 4.75 लाख करोड़ तक पहुंचेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरात्रि के बाद देश में दिवाली की तैयारी शुरू हो गई है। व्यापारी मान रहे हैं कि इस बार का त्योहारी सीजन भारत के व्यापार इतिहास में नया अध्याय लिखेगा। व्यापारी संगठन कैट का अनुमान है कि इस दिवाली की बिक्री 4.75 लाख करोड़ तक पहुंचेगी, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा। वहीं, दिल्ली के बाजारों की ही बात करें तो कारोबारियों का अनुमान है कि राजधानी में त्योहारी बिक्री 75,000 करोड़ तक पहुंच सकती है। दावा है कि इस दिवाली पर चीनी सामान के बजाए स्वदेशी आइटम की धूम मची हुई है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि नवरात्रि के दौरान कैट ने विभिन्न राज्यों के 35 शहरों में व्यापारिक संगठनों से सर्वे कराया। इस सर्वे में दो प्रमुख कारण सामने आए जो इस बार के त्योहारी कारोबार को नई ऊंचाई दे रहे हैं। पहला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वदेशी का आह्वान और उनका वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल का दृष्टिकोण, जिसमें ग्राहकों का जबरदस्त समर्थन मिला है। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में दिवाली पर बंपर बिक्री हो रही है। कैट के अनुसार साल 2021 में 1.25 लाख करोड़, साल 2022 में 2.50 लाख करोड़, साल 2023 में 3.75 लाख करोड़ और इस साल का अनुमानित आंकड़ा 4.75 लाख करोड़ है। जानकारों के मुताबिक इस बार दिवाली पर जबरदस्त कमाई हो सकती है।

हर सेक्टर में बंपर बिक्री की संभावना

कैट का दावा है कि इस बार दिवाली के मौके पर बाजारों में चीनी सामान बिल्कुल गायब हो चुके हैं। इसकी जगह स्वदेशी आइटम का दबदबा है। इस बार ग्राहक विभिन्न भारतीय उत्पादों को लेकर विशेष उत्साह दिखा रहे हैं। इनमें मिट्टी के दीये, मूर्तियां, वॉल हैंगिंग्स, हैंडीक्राफ्ट, पूजन सामग्री, गृह सजावट से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल सामान, बिल्डर्स हार्डवेयर, ऑटोमोबाइल, कपड़ा और टेपेस्ट्री, रेडीमेड वस्त्र, फर्नीचर, खिलौने, मिठाई, पर्सनल केयर प्रोडक्ट, किचनवेयर और बर्तन तक शामिल हैं। लगभग हर सेक्टर में बंपर बिक्री की संभावना है, जिसमें भारतीय कारीगर, निर्माता और व्यापारी प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

व्यापार के लिए गेम चेंजर होगा भारत-यूरोपीय संघ के बीच एफटीए

ई दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता एफटीए) और निवेश संरक्षण समझौता गेम जर साबित हो सकता है, खासकर तब जब कई श अपने बाजार बंद कर रहे हैं या टैरिफ बढ़ा रहे । यह बात भारत में यूरोपीय संघ के राजदूत हेर्वे लिफन ने कही है। बता दें कि ये बात उन्होंने तब ही जब भारत और 27 देशों के इस आर्थिक मूह के बीच 14वीं बातचीत जल्द ही ब्रसेल्स में ने वाली है। पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी र यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर येन ने इस समझौते को दिसंबर तक पूरा करने ा संकल्प दोहराया था। मामले में डेल्फिन ने ताया कि यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा यापारिक भागीदार है और वित्तीय वर्ष 2023-4 में दोनों के बीच व्यापार का कुल आंकड़ा 135 रब डॉलर रहा। उन्होंने कहा कि यह समझौता रोपीय और भारतीय व्यापारियों के लिए नए अवसर खोल सकता है और द्विपक्षीय व्यापार व निवेश को बढ़ा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कई देशों के बाजार बंद करने या टैरिफ बढ़ाने के बीच यह समझौता व्यापार को विविधता देने, अनिश्चितताओं से बचाव करने और सप्लाई चेन को मजबूत बनाने का अवसर है। हालांकि, दूसरी ओर डेल्फिन ने स्वीकार किया कि समझौते की बातचीत चुनौतीपूर्ण है और कई महत्वपूर्ण मुद्दे अभी भी हल होने बाकी हैं। सितंबर में दिल्ली में हुई 13वीं बातचीत में यूरोपीय आयोग के कमिश्नर शामिल थे, लेकिन अपेक्षित बड़ी प्रगति नहीं हुई। उन्होंने बताया कि अब तक 11 चैप्टर पर सहमति हो चुकी है, जिनमें कस्टम्स, विवाद समाधान, डिजिटल ट्रेड, सतत खाद्य प्रणाली, एमएसएमई, प्रतिस्पर्धा, सब्सिडी और पूंजी आंदोलन शामिल हैं। केमिकल्स रूल्स ऑफ ओरिजिन और मार्केट एक्सेस जैसे अहम मुद्दे अभी भी बातचीत के अधीन हैं।

रिटर्न देखकर ज्यादा खरीदने के लालच में न आएं

● एक झटके में बर्बाद कर देगी चांदी!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में दिवाली 2025 की तैयारी चल रही है। इस बीच, सोने और चांदी ने बाजार में अपनी चमक बिखेर दी है। इस साल अब तक सोने के दाम 47 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गए हैं। वहीं, चांदी के दाम 55 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं। एमसीएक्स पर चांदी का भाव 1.45 लाख रुपये प्रति किलो के ऊपर चला गया है। चांदी में ज्यादा तेजी को देखते हुए निवेशक अब इसमें ज्यादा निवेश कर रहे हैं। लेकिन जानकारों ने चेतावनी दी है कि चांदी में ज्यादा निवेश नुकसान का भी कारण बन सकता है।

चांदी की कीमत कई कारणों से बढ़ रही है। मुख्य वजह है औद्योगिक और सजावटी कामों में चांदी की मांग बढ़ना। साथ ही, दुनिया भर में चांदी की सप्लाई भी कम हो गई है। जानकारों के मुताबिक चांदी में तेजी को कई चीजों का सपोर्ट मिला है। जैसे कि करेंसी में बदलाव, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी के बेंचमार्क में मजबूती और घरेलू खरीदारी में उछाल। लोगों को लग रहा है कि कीमतें और बढ़ सकती हैं, इसलिए वे ज्यादा खरीद रहे हैं। वेल्थ में रिसर्च हेड रेनीशा चैनानी का कहना है कि दिवाली तक बाजार में तेजी से स्थिरता का दौर आ सकता है। उनका मानना है कि बाजार में कोई बड़ी गिरावट नहीं आएगी। वह बताती हैं कि पिछले नौ महीनों में कीमतों में बहुत तेजी आई है। इससे कुछ निवेशक अपना छोटा

मुनाफा बुक कर सकते हैं। अगर दुनिया में भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ते हैं, तो सोना-चांदी में तेजी और बढ़ सकती है।

एक्सपर्ट के अनुसार न केवल सोना, बल्कि चांदी में भी तेजी के मुख्य कारण अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेड रिजर्व की नरम नीति, कमजोर अमेरिकी डॉलर, गोल्ड ईटीएफ में लगातार निवेश और भारत में त्योहारी मांग का मजबूत होना हैं। लेकिन सवाल है कि क्या आगे चलकर इसकी कीमत थम सकती है और गिरावट भी आ सकती है?

देसी फॉर्मूला कर गया काम...

रास्ता बदलते ही छप्परफाड़ कमाई

ई दिल्ली, एजेंसी। हाराष्ट्र के सांगली में रहने वाले विनोद तोडकर के लिए देसी र्मूला वरदान साबित हुआ है। पिछले दो दशकों में हल्दी की ती में आई गिरावट को उन्होंने इसके जरिये एक अवसर में दल दिया है। रासायनिक खेती में घटते उत्पादन और बढ़ते र्च से तंग आकर विनोद ने जैविक खेती यानी ऑर्गेनिक र्मिंग को अपनाया। उनके इस साहसिक बदलाव का जोरदार तीजा सामने आया। जहां केमिकल वाली फार्मिंग से उन्हें प्रति कड़ 20-25 क्विंटल हल्दी मिलती थी। वहीं, अब वह 40 52 क्विंटल तक की रिकॉर्ड पैदावार ले रहे हैं। कभी घाटे में हुंच चुके विनोद का सालाना टर्नओवर 21 लाख रुपये पहुंच या है। आइए, यहां विनोद तोडकर की सफलता के सफर के रे में जानते हैं।

विनोद तोडकर महाराष्ट्र के सांगली के रहने वाले हैं। बीस ाल तक हल्दी की पारंपरिक खेती करने के बाद विनोद का ई बातों पर ध्यान गया। उन्होंने पाया कि जलवायु परिवर्तन ा फसलों पर असर पड़ा है। जड़ों में फंगस जैसी समस्याएं ढ़ गई हैं। साथ ही, हल्दी जैसी रासायनिक खादों के दाम ासमान छूने लगे हैं। इससे उनके लिए हल्दी की खेती घाटे ा सौदा बनती जा रही थी। इस संकट को देखते हुए विनोद खेती का वैकल्पिक रास्ता खोजने का फैसला किया। उनकी लाश जैविक खेती पर समाप्त हुई। इसमें पशु खाद, कम्पोस्ट ौर प्राकृतिक कीट नियंत्रण पर जोर दिया जाता है ताकि मिट्टी

की उर्वरता को प्राकृतिक रूप से सुधारा जा सके। जैविक खेती को अपनाने के बाद विनोद की पैदावार में चमत्कारिक बढ़ोतरी हुई। रासायनिक खेती में जहां प्रति एकड़ 20-25 क्विंटल हल्दी होती थी, वहीं जैविक खेती में यह बढ़कर 40 से 45 क्विंटल हो गई। एक बार तो यह 52 क्विंटल तक पहुंच गई। विनोद ने 1.5 एकड़ जमीन से पिछले सीजन में 3 टन (3000 किग्रा) ऑर्गेनिक हल्दी पाउडर 750 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बेचा और 21 लाख रुपये का कारोबार किया। सभी खर्चों को काटने के बाद उनका शुद्ध मुनाफा 10 लाख रुपये रहा जो प्रति एकड़ 6.5 लाख रुपये बना। विनोद की सफलता के पीछे उनका खुद का इनोवेशन है। इसमें वह किसानों को हल्दी एजोटोबैक्टर नाम के जैविक बायोफर्टिलाइजर को सिर्फ एक बार खरीदने की सलाह देते हैं।

इस कपल ने कर दिया कमाल, आप भी जान लें इनके निवेश के टिप्स

चार साल में 20 लाख से बनाए 1 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। लोग अपने पैसे को इस वजह से निवेश करते हैं कि उन्हें अच्छा रिटर्न मिले। लेकिन कई बार गलती या नासमझी से ऐसे फैसले हो जाते हैं जिनके चलते निवेश की गई रकम पर या तो अच्छा रिटर्न नहीं मिलता या वह रकम डूब जाती है। लेकिन एक यंग कपल ने निवेश के मामले में कमाल कर दिया। उन्होंने मात्र 4 साल में ही 20 लाख रुपये के निवेश को 1 करोड़ रुपये से ज्यादा में बदल दिया है।

इस यंग कपल में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक पोस्ट में अपनी पर्सनल फाइनेंस से जुड़ी जानकारी शेयर की है। इस पोस्ट में एक युवा जोड़े ने बताया कि उन्होंने 30 साल की उम्र से पहले ही 1 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति का आंकड़ा कैसे पार कर लिया। उनकी यह पोस्ट अब काफी वायरल हो गई है और यूजर्स उनके इन्वेस्टमेंट के तरीके की तारीफ कर रहे हैं।

लक्ष्य से पहले ही बना लिया बड़ा फंड, न कोई ईएमआई, न कोई मकान

इस कपल में 29 साल का पति और 31 साल की पत्नी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सितंबर 2025 तक उनकी कुल संपत्ति 1.1 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई थी। उन्होंने अपना लक्ष्य जनवरी 2026 का रखा था, लेकिन वे उससे काफी पहले ही इसे हासिल करने में कामयाब रहे। उनकी कहानी इसलिए खास है क्योंकि उन्होंने कोई बहुत बड़ी कमाई नहीं की, न ही कोई जोखिम भरे दांव लगाए और न ही अपनी सुख-सुविधाओं को पूरी तरह से छोड़ा। इसके बजाय, उन्होंने लगातार मेहनत की, खर्चों पर काबू रखा और धीरे-धीरे आगे बढ़ने के तरीके से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना और जल्दी रिटायर होना) के लक्ष्य को पाया। उन्होंने साल 2021 में निवेश करना शुरू किया था। कपल ने गंभीरता से बचत करना शुरू किया था। उस समय उनकी कुल संपत्ति सिर्फ 20 लाख रुपये थी। उस वक्त उनके दिमाग में एफायर का कोई विचार

भी नहीं था। उनकी रणनीति बहुत सीधी थी। उन्होंने अपने घर के सालाना खर्चों को एक जैसा रखा। शुरुआती सालों में यह खर्च 6 लाख रुपये था। अपनी बढ़ती हुई कमाई का ज्यादातर हिस्सा उन्होंने बचत में लगाना शुरू कर दिया। इन चार सालों में भी उन्होंने हर साल 2-3 घरेलू यात्राएं और एक अंतरराष्ट्रीय यात्रा की। वे घूमने-फिरने को प्राथमिकता देते थे, लेकिन अपने बजट में ही रहते थे। साल 2024 में उनके बच्चे हुए। इसके बावजूद, आज भी उनका सालाना खर्च 14 लाख रुपये से कम है। यह दिखाता है कि वे अपने खर्चों पर कितना नियंत्रण रखते हैं। अभी यह कपल हर महीने लगभग 2.6 से 2.8 लाख रुपये कमाता है। उनके ऊपर कोई ईएमआई नहीं है। उनके पास एक सामान्य कार है और उनके किराए के घर का खर्च सिर्फ 3 लाख रुपये सालाना है। यह सब उनके कम खर्च वाली जीवनशैली का हिस्सा है। इस जोड़े के पास सरकार द्वारा दी गई मेडिकल इंश्योरेंस और 1.5 करोड़ रुपये का लाइफ इंश्योरेंस कवर भी है। उनके पास अपनी कोई संपत्ति नहीं है और उन्होंने अपनी पुश्तैनी संपत्ति को इस हिसाब में शामिल नहीं किया है। कपल ने बताया कि उनकी असली यात्रा साल 2025 में शुरू हुई थी। उनका लक्ष्य साल 2026 की शुरुआत तक 1 करोड़ रुपये जमा करना था। लेकिन सोने और चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण, उन्होंने यह लक्ष्य महीनों पहले ही हासिल कर लिया। अब उन्होंने अपने निवेश पोर्टफोलियो को फिर से व्यवस्थित करना शुरू कर दिया है।

जीतने के जुनून ने किसान के बेटे निशाद कुमार को बनाया वर्ल्ड चैंपियन

अंब (ऊना), एजेंसी। हिमाचल के ऊना में रहने वाले निशाद के लिए यह दोहरी खुशी थी क्योंकि उन्होंने अपने 26वें जन्मदिन पर पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 स्पर्धा जीती। पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिका का राड्रिक टांसेंट, जो कि टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रहा, वह निशाद से पराजित हुआ। जीतने के जुनून ने किसान के बेटे को वर्ल्ड चैंपियन बना दिया। वह भी उस दिन, जब उसका जन्मदिन था। अपने जन्मदिन का इससे बेहतर तोहफा कोई इससे बेहतर क्या दे सकता है। यह तोहफा पैरा एथलीट निशाद कुमार ने देश और खुद को दिया है। 3 अक्तूबर 1999 को जन्मे निशाद ने अपनी जिंदगी के सिल्वर जुबली वर्ष में देश के नाम सोने का तमगा जीत कर अपने जन्मदिन की खुशियों को वर्ल्ड चैंपियन के खिताब के साथ मनाया। इसमें सोने पर सुहागा यह रहा कि पहली बार किसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनके पिता रछपाल सिंह, माता पुष्पा देवी और बहन रमा स्टेडियम में मौजूद रहे। पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिका का राड्रिक टांसेंट, जो कि टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रहा, वह निशाद से पराजित हुआ। टांसेंट ने तीसरा स्थान हासिल किया।

जब भी किसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का जिक्र होता था, तो निशाद की यह जिद नजर आती थी। नई दिल्ली में पहली बार आयोजित की जा रही प्रतियोगिता में हिमाचल के लाल ने 2.14 मीटर की ऊंची कूद लगाकर वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में देश के नाम गोल्ड मेडल हासिल किया। शुक्रवार शाम को टी-47 श्रेणी के मुकाबले में निशाद ने यह उपलब्धि हासिल कर देश और प्रदेश का पूरी दुनिया में नाम रोशन कर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब हासिल कर लिया। वैसे तो निशाद खेलों की दुनिया में पहले ही पहचान बन चुके हैं। उन्होंने टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में लगातार रजत पदक जीतकर देश का परचम दुनिया भर में लहरा दिया। जिला ऊना के छोटे से गांव बदाऊं का लाल आज पैरालंपिक खेलों में देश के लिए मेडल की गारंटी बन चुका है। महज छह साल की उम्र में चारा काटने की मशीन में हाथ गंवाने से लेकर वर्ल्ड चैंपियन बनने तक के सफर में निशाद और परिवार ने बहुत संघर्ष किया।

निरंतर अभ्यास के बाद वह पहली बार फाजा वर्ल्ड ग्रैंड प्रिंक्स में खेलने गए, जहां स्वर्ण पदक जीता। उसी मैदान में नवंबर 2019 को अपनी पहली वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। इसके बाद भारत को टोक्यो पैरालंपिक का कोटा मिला, जहां रजत पदक हासिल किया। सितंबर 2024 में पेरिस पैरालंपिक में भी वही कारनामा दोहरा कर खेलों के क्षेत्र में हिमाचल और देश की शान बढ़ाई। उनके पिता एक राज मिस्त्री का काम करते थे और माता गृहिणी हैं।

2027 वर्ल्ड कप जीतना है लक्ष्य

भारतीय वनडे टीम का कप्तान बनने के बाद शुभमन गिल ने भरी हुंकार

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल के कप्तान बनने के साथ ही भारत ने वनडे क्रिकेट के एक नए युग में कदम रखा है और इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाला वनडे विश्व कप ही उनका अगला टारगेट है। भारतीय टीम वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में पहुंच गई थी जहां उसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट मुकाबले में पारी और 140 रन से हरा दिया और इसके ठीक बाद उन्हें भारतीय वनडे टीम का कप्तान बनाया गया। वनडे टीम का कप्तान बनने के बाद गिल ने बताया कि ये उनके लिए गर्व की बात है और उन्होंने अपने प्लान का भी खुलासा कर दिया। शुभमन गिल ने बीसीसीआई मीडिया से कहा कि अपने देश की वनडे में कप्तानी करना, उस टीम की कप्तानी करना जिसने इतना कुछ हासिल किया है सबसे बड़ा सम्मान है। इससे मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है और मुझे उम्मीद है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा। भारतीय सेलेक्टर्स ने वनडे वर्ल्ड कप 2027 को देखते हुए ये बड़ा कदम उठाया। गिल अब भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान हैं और टी20 टीम के वो उप-कप्तान हैं। गिल ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि विश्व कप से पहले हमारे पास लगभग 20 वनडे मैच हैं और जाहिर है सबसे बड़ा लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका में होने वाला विश्व कप है। हम जो भी खेलेंगे और टीम का हर खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। हम विश्व कप से पहले एक शानदार सीजन बिताने की पूरी कोशिश करेंगे और उम्मीद है कि हम इसे जीतेंगे।

राहुल तेवतिया का खुलासा, इन दो भारतीय खिलाड़ियों से सीखा बल्लेबाजी का हुनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर राहुल तेवतिया ने बताया कि उनकी बल्लेबाजी पर युवराज सिंह और एमएस धोनी का गहरा प्रभाव रहा है। एक बाएं हाथ के बल्लेबाज के रूप में तेवतिया युवराज की स्टाइल और शॉट सिलेक्शन के प्रशंसक हैं, जबकि धोनी से उन्होंने डेथ ओवरों में शांत रहकर मैच खत्म करने की कला सीखी। तेवतिया ने कहा, मैं युवराज सिंह की बल्लेबाजी देखते हुए बड़ा हुआ हूं। जब मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाना शुरू किया, तब माही भाई की बल्लेबाजी को ध्यान से देखने लगा। उन्होंने डेथ ओवरों में गेंदबाजों को कैसे निशाना बनाया, यह सीखकर मुझे काफी फायदा हुआ।तेवतिया ने 2020 में राजस्थान रॉयल्स के लिए पंजाब के खिलाफ मैच में एक ओवर में पांच छक्के जड़कर सनसनी मचा दी थी। इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए 2022 में उन्होंने आखिरी दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई। उस सीजन में टाइटन्स ने आईपीएल ट्रॉफी भी जीती, जिसमें तेवतिया की भूमिका अहम रही।तेवतिया ने कहा कि क्रिकेट में स्थिर मानसिकता रखना जरूरी है, सफलता या असफलता दोनों में समान रहना चाहिए। अगर आप जल्दी आउट हो जाते हैं, तो बुरा लगता है, लेकिन असली फोकस प्रक्रिया और तैयारी पर होना चाहिए, न कि नतीजे पर। तेवतिया ने अब तक 14 प्रथम श्रेणी मैचों में 535 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 144 है। गेंदबाजी में उन्होंने 32 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/98 रहा है। टी20 में उनके नाम 2107 रन और 69 विकेट हैं, जो उनके ऑलराउंड प्रदर्शन को दर्शाते हैं।

वर्ल्ड कप से पहले ही कोहली-रोहित का करियर होगा खत्म!

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है. रोहित-कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है. ऐसे में उनकी मैदान पर वापसी का फैन्स को बेसब्री से इंतजार है. ये इंतजार 19 अक्टूबर को खत्म होगा, जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगी.

बड़ी बात ये है कि रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे क्योंकि अब उन्हें वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है. रोहित की जगह शुभमन गिल टेस्ट के बाद वनडे टीम के भी नए कप्तान बने हैं. अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के इस फैसले ने फैन्स को हैरान कर दिया है. फैन्स सवाल पूछ रहे हैं कि शानदार प्रदर्शन के बावजूद रोहित शर्मा से कप्तानी क्यों छीनी गई.

रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड और टीम प्रबंधन ने 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के लिए एक दीर्घकालिक ब्लूप्रिंट तैयार किया है. इस दौरान ये राय भी बनी कि शुभमन गिल को वनडे टीम का कप्तान बनाया जाए. इस ट्रांजिशन के लिए सबसे बड़ी चुनौती रोहित शर्मा को मैनेज करना था, जिन्होंने इसी साल अपनी कप्तानी में भारत को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जिताया था.

मैच नहीं खेलना रोहित के खिलाफ गया

बीसीसीआई के अधिकारियों का मानना था कि अगला वनडे वर्ल्ड कप अभी दो साल दूर है और रोहित शर्मा केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, जिसके चलते उन्हें पर्याप्त मैच प्रैक्टिस नहीं मिल पाती. रोहित ने सभी फिटनेस मानकों को पूरा किया है, लेकिन हालिया समय में वो क्रिकेटिंग एक्शन से दूर रहे हैं जो उनके खिलाफ गया. चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इशारों-इशारों में इसके संकेत भी दिए. रोहित शर्मा ने आखिरी बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था, जबकि उनका पिछला इंटरनेशनल मैच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में था. शुरुआत में बीसीसीआई के भीतर मतभेद थे क्योंकि रोहित का कप्तानी रिकॉर्ड शानदार रहा है. लेकिन जैसे-जैसे ऑस्ट्रेलिया दौरा नजदीक आया, बदलाव के पक्ष में सहमति बन गई. रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि विराट कोहली की स्थिति भी रोहित शर्मा जैसी ही है क्योंकि दोनों इस वक्त केवल वनडे क्रिकेट ही खेल रहे हैं. जहां रोहित 38 वर्ष के हैं, वहीं विराट 36 साल के हैं. ऐसे में बोर्ड ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अगर हम चीजों को और टालते रहेंगे तो यह और जटिल हो जाएगी. दो खिलाड़ियों में से एक 38 के हैं और दूसरे 36 के. ऐसे में शुरुआती दांव लगाना मुश्किल है. युवा खिलाड़ी भी फॉर्म या फिटनेस खो सकते हैं, लेकिन यह अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प है.

रोहित-कोहली को लेकर अगरकर ने क्या कहा?

अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली 2027 के वर्ल्ड कप में खेलने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं. अगरकर बताना चाहते थे कि उस टूर्नामेंट के लिए रोहित और विराट की टीम में जगह की गारंटी नहीं दी जा सकती है. अगरकर ने कहा कि बीसीसीआई की पॉलिसी है कि टीम में सेलेक्शन के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना होगा. ये देखना होगा कि आने वाले समय में विराट कोहली और रोहित शर्मा घरेलू वनडे टूर्नामेंट (विजय हजारे ट्रॉफी) में खेलते हैं या नहीं.

दोनों खिलाड़ियों पर यदि बीसीसीआई की ओर से घरेलू मैच खेलने का ज्यादा प्रेशर बनाया जाता है तो वे निकट भविष्य में बड़ा फैसला ले सकते हैं. पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिए था क्योंकि इससे उन्हें काफी गेम टाइम मिलाता. आकाश कहते हैं कि कोहली और रोहित शर्मा को अब लगातार रन बनाने होंगे, नहीं तो कोई और उनकी जगह टीम में आ सकता है. बीसीसीआई अब टीम को ऐसे खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द तैयार करना चाहती है जो 2027 वर्ल्ड कप में कमाल कर सके. शुभमन गिल को कप्तान बनाना इसी रणनीति का हिस्सा है. रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के दो बड़े सितारे हैं, लेकिन अब चयन समिति ने संकेत दे दिया है कि भारतीय टीम की नजरें युवा खिलाड़ियों पर हैं. यह बदलाव भावनात्मक रूप से कठिन जरूर है, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट में नई शुरुआत भी हो सकती है.

बीएफआई कप

मंजू, अंकुशिता, अरुंधति, प्रिया और परवीन का जलवा

नई दिल्ली, एजेंसी। मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने शनिवार को बीएफआई कप के शुरुआती सत्र में 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना), अंडर-22 रजत पदक विजेता प्रिया (हरियाणा) और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साइ) भी अंतिम चार में पहुंच गए। विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने शनिवार को बीएफआई कप के शुरुआती सत्र में 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना), अंडर-22 रजत पदक विजेता प्रिया (हरियाणा) और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साइ) भी अंतिम चार में पहुंच गए। पुरुष वर्ग में विश्व कप कांस्य पदक विजेता मनीष राठौर (एआईपी), अंडर-22 एशियाई कांस्य पदक विजेता रॉकी (एआईपी) और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल (सेना) ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखा।

वनडे में ट्रिपल सेंचुरी, 35 छक्कों के साथ बनाए 314 रन...

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रोहित शर्मा का है, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए थे. ऑस्ट्रेलिया के हरजस सिंह ने 50 ओवरों के मुकाबले में ट्रिपल सेंचुरी लगाकर सनसनी मचा दी. उन्होंने न्यू साउथ वेल्स प्रीमियर क्रिकेट टूर्नामेंट में 314 रनों की धुआंधार पारी खेली. 141 गेंदों में खेली इस पारी में उन्होंने 35 छक्के भी लगाए, यानी 210 रन तो उन्होंने सिर्फ छक्कों से ही बना डाले. 20 वर्षीय हरजस सिंह ने शनिवार को दूसरे दौर के मैच में वेस्टर्न सबर्ब्स की ओर से खेलते हुए सिडनी के खिलाफ ये ट्रिपल सेंचुरी जड़ी. वह मुकाबले में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे, इससे पहले निकोलस कटलर और जोशुआ क्लार्क के बीच 70 रनों की साझेदारी हुई थी. हरजस सिंह ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की, और जब एक बार उनकी आंख जम गई तो छक्के-चौकों की बरसात शुरू कर दी. हरजस सिंह ने 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था.

प्रवीण ने कूल्हे की चोट के बावजूद ऊंची कूद में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार शाम जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में सबकी नजरें प्रवीण कुमार पर टिकी थीं। प्रवीण, जिन्होंने पहले भी कई बार देश को गौरवान्वित किया है, ने शनिवार को यहां अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। पुरुषों की ऊंची कूद टी64 में उनका रन-अप सबसे छोटा था। दौड़ने से पहले, उन्होंने उत्साही दर्शकों को शांत होने का इशारा किया ताकि वे बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकें। वे हर तरह से एक मिशन पर थे। उन्होंने पूरे आयोजन में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन उज्बेकिस्तान के तेमुरबेक गियाजोव ने 2.03 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। ग्रेट ब्रिटेन के जोनाथन ब्रूम-एडवर्ड्स ने 2.00 सेकंड के साथ रजत पदक जीता। काउंटबैक में कांस्य पदक जीतने के बाद प्रवीण निराश दिखे और उन्होंने अपनी निराशा व्यक्त की, और उम्मीदों पर खरा न उतर पाने का कारण भी बताया। उन्होंने कहा, मुझे कांस्य पदक तो मिल गया, लेकिन मैं अगली बार स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करूंगा। मेरे कूल्हे में चोट थी। मेरे कूल्हे के बीच में दर्द था। और इसी वजह से मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था। महिला क्लब थ्रो एफ51 में एकता भयान के रजत पदक ने स्थानीय समर्थकों का उत्साह बढ़ा दिया। उन्होंने 19.80 सेकंड के साथ सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

एकता अपने परिणाम से संतुष्ट दिखीं। उन्होंने कहा, हां, एशियाई खेलों में मेरा प्रदर्शन 21 मीटर से ज्यादा था। मैंने विश्व चैंपियनशिप [कोबे 2024] में स्वर्ण पदक जीता, लेकिन हां, मेरा प्रदर्शन ठीक-ठाक है और मैं इससे खुश हूं। अब सबका ध्यान रविवार को होने वाली 200 मीटर टी12 स्पर्धा के लिए सिमरन और पेरिस पैरालंपिक एफ41 भाला फेंक स्वर्ण विजेता नवदीप सिंह पर है। शनिवार को 100 मीटर में स्वर्ण पदक जीतने वाली सिमरन ने अपनी हीट में सभी प्रतियोगियों को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में पहुंच गईं।

क्रिकेट में पहली बार चोट के कारण बीच मैच में बदली प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में सब्सटीट्यूट के नए ट्रायल के तहत वेस्टर्न प्रोविंस के ओपनर बल्लेबाज जोशुआ वैन हीर्डन का नाम इतिहास में दर्ज हो गया। वह शनिवार (4 अक्टूबर) को पहले लाइक टू लाइड इंजरी रिप्लेसमेंट सब्सटीट्यूट बन गए। साउथ अफ्रीका की प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के दूसरे दौर में लायंस के खिलाफ प्रोविंशियल चार दिवसीय मैच में चोट होने के कारण बीच मैच में वेस्टर्न प्रोविंस के प्लेइंग 11 में बदलाव हुआ। न्यूलैंड्स में खेले जा रहे इस मैच में वैन हीर्डन ने एडवर्ड मूर की जगह ली। मूर को दूसरे दिन फील्डिंग करते समय बाईं जांघ की अंदरूनी मांसपेशी (एडक्टर) में चोट लग गई थी।

सब्सटीट्यूट का यह ट्रॉयल ऑस्ट्रेलिया के शेफील्ड शील्ड और भारत के दलीप ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी में भी होगा। यह ट्रायल आईसीसी की एक पहल का हिस्सा है, जो मैच के दौरान गंभीर रूप से चोटिल खिलाड़ी की अन्य खिलाड़ी को मौका देने के लिए समाधान की तलाश में है। ऑस्ट्रेलिया की तरह साउथ अफ्रीका भी अंदरूनी और बाहरी दोनों चोट के लिए रिप्लेसमेंट दे रही है। भारत में अभी केवल बाहरी चोट के लिए रिप्लेसमेंट देने की योजना है।

जोशुआ वैन हीर्डन का नाम इतिहास में दर्ज

साउथ अफ्रीका में ये है प्रोटोकॉल

साउथ अफ्रीका की घरेलू क्रिकेट में कोई चोटिल खिलाड़ी कब रिप्लेस होगा यह निर्धारित करने के लिए सख्त प्रोटोकॉल है। अंदरूनी चोट जैसे कि मांसपेशी में खिंचाव होने पर खिलाड़ी को अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन करानी पड़ती है। इसके बाद रिपोर्ट सीएसए के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ हर्शेंद्र रामजी और सीएसए के क्रिकेट संचालन प्रबंधक ओबाकेंग सेपेंग को भेजी जाती है। यह रिपोर्ट के मद्देनजर निर्धारित करते हैं कि क्या चोट इतनी गंभीर है कि रिप्लेसमेंट की अनुमति मिल सके।

चोटिल खिलाड़ी 7 दिन मैदान से रहेगा दूर

इसके बाद वे मैच रेफरी से संपर्क करके अपने फैसले की पुष्टि करते हैं। बाहरी चोट जैसे कि हड्डी टूटने या खिसने पर मैच रेफरी डॉ. रामजी और सेपेंग से सलाह लेकर किसी अन्य खिलाड़ी के बारे में फैसला ले सकते हैं। घायल खिलाड़ी की जगह तभी किसी और को लाया जा सकता है जब वह मैच से पूरी तरह बाहर हो गया हो। सीएसए की प्लेइंग कंडिशन के अनुसार उसे मैदान पर वापसी करने के लिए कम से कम 7 दिन इंतजार करना होगा।

क्या इंटरनेशनल क्रिकेट में आएगा लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट

ऑस्ट्रेलिया में रिप्लेसमेंट केवल दूसरे दिन स्टंप्स तक ही मिल सकता है। चोटिल खिलाड़ी के कम से कम 12 दिनों तक मैदान से दूर रहना अनिवार्य है। ऑस्ट्रेलिया और भारत की तरह साउथ अफ्रीका भी फिलहाल बहु-दिवसीय क्रिकेट में इस प्रणाली का केवल ट्रायल कर रहा है। प्रोटोकॉल में अंतर इस बात पर निर्भर करता है कि विभिन्न देश इस प्रणाली का परीक्षण कैसे करना चाहते हैं। वे सभी आईसीसी को रिपोर्ट करेंगे, जो फिर अंतरराष्ट्रीय खेल में लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट के लिए नियम बना सकता है। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिप्लेसमेंट केवल कन्कशन (सिर पर लगी चोट) के लिए ही मान्य है।

मैं चिंकी और मिंकी के साथ कोई संपर्क नहीं रखना चाहती: कृष्णा श्रॉफ

रियलिटी शो छोरिया चली गांव को उसका विनर मिल चुका है। अभिनेत्री अनीता हसनंदानी ने इसकी पहली टॉफी अपने नाम की, जबकि शो की पहली रनर-अप कृष्णा श्रॉफ रहीं। उनका यह पहला रियलिटी शो था, जिसमें उनकी भागीदारी दर्शकों को काफी पसंद आई। उन्होंने आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में रियलिटी शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की। साथ ही बताया कि छोरिया चली गांव में उनका

फेवरेट कंटेस्टेंट कौन था और किसके साथ वह रिश्ता नहीं रखना चाहतीं। जब उनसे पूछा कि क्या वह शो में किसी खास प्रतियोगी के संपर्क में नहीं रहना चाहेंगी, तो इसका जवाब देते हुए कृष्णा ने कहा, सच कहूं तो ज्यादातर लोग मेरे लिए मायने नहीं रखते, लेकिन अगर किसी का नाम लेना हो, तो मैं चिंकी और मिंकी का जिक्र करूंगी। यह उनकी पर्सनैलिटी का सवाल नहीं, बल्कि परिपक्वता की बात है। समझना जरूरी है कि कब और कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। शो की विनर अनीता हसनंदानी के बारे में बात करते हुए कृष्णा श्रॉफ ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, शो में अनीता से हारना मेरे लिए स्वीकार्य था। मुझे खुशी है कि उन्होंने मुझे हराया, क्योंकि वह मेरी सबसे मजबूत प्रतियोगी और शो की सबसे अनुभवी महिला थीं। उन्होंने कभी भी व्यक्तिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया और सिर्फ प्रतियोगिता पर फोकस रखा। मैं उनकी इस खासियत का पूरा सम्मान करती हूं। शो का फिनाले कृष्णा श्रॉफ और उनके परिवार के लिए बहुत ही खास रहा। इस दौरान कृष्णा की मां आयशा भी यहां मौजूद रहीं। रियलिटी शो का परिणाम सामने आने से पहले ही उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी ही उनके लिए विनर हैं। वहीं शो में भाग लेने से पहले अभिनेता और उनके पिता जैकी श्रॉफ ने कहा था कि इस शो में हिस्सा लेने के बाद उनकी जिंदगी बदल जाएगी और यहां से वह अनमोल अनुभव लेकर वापस लौटेंगी।

ईशा गुप्ता ने बयां की

बॉलीवुड में अपने 13 सालों के सफर और मानसिक स्वास्थ्य पर अपने दिल की बात

फिल्म जन्नत 2 से धमाकेदार डेब्यू करने के बाद अब ईशा गुप्ता को बॉलीवुड में 13 साल पूरे हो चुके हैं। इन सालों में ईशा ने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है। हाल ही में बातचीत में ईशा ने अपने इस सफर को एक ऐसे रोलरकोस्टर की तरह बताया, जिसमें बहुत सारा सीखना, बढ़ना और नए अनुभव शामिल रहे। अपने काम के प्रति बदले नज़रिए पर ईशा कहती हैं, वक़्त के साथ चीज़ें बदल गई हैं और मेरा नज़रिया भी। पहले मैं स्क्रिप्ट के बारे में सोचती थी, लेकिन अब मेरा ध्यान सिर्फ़ किरदार और डायरेक्टर की सोच पर होता है। एक साधारण कहानी भी सही फ़िल्ममेकर के हाथों में मास्टरपीस बन सकती है। अगर मेरा रोल सिर्फ दो मिनट का हो, तब भी मैं उसे पूरी मेहनत से करती हूं, क्योंकि राइटर ने वो किरदार मेरे लिए लिखा है। गौरतलब है कि फिल्मों में अपने किरदारों के अलावा ईशा मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे को लेकर भी काफी जागरूक हैं। बिना किसी लाग-लपेट के वह कहती हैं, इसमें कोई शक नहीं है कि आज भी हमारे देश में मेंटल थेरेपी को गलत नज़र से देखा जाता है, जबकि हकीकत यह है कि एक स्वस्थ दिमाग ही थेरेपी का चुनाव करता है। हममें से ज़्यादातर लोग थेरेपी के लिए इसलिए जाते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि ये हमारी बेहतरी के लिए है, जबकि जिन्हें इसकी ज़रूरत है, वे कभी जाते ही नहीं। सच खून, तो मुझे आगे बढ़ने में मेरी थेरेपी ने बहुत मदद की है। मैं हमेशा कहती हूं कि अगर आपके पास पैसा है, तो उसे अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर खर्च करो और उसे स्वस्थ रखो, क्योंकि इनके बिना बाकी सब बेकार है। जहां तक ईशा के अगले प्रोजेक्ट की बात है, ईशा जल्द ही धमाल 4 में अजय देवगन के साथ नज़र आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जो ईद 2026 पर बड़े स्तर पर रिलीज़ होगी। इसमें दो राय नहीं है कि जन्नत 2 से लेकर अब तक ईशा ने बतौर अभिनेत्री खुद को बार-बार तराशते हुए एक कलाकार बनने का सफर तय किया है और उनका यह सफर सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि पर्दे के बाहर भी जुनून, लगन और आत्मविकास की प्रेरणादायक कहानी है।

शरवरी ने शुरू की वेदांग रैना के साथ नई फिल्म की शूटिंग

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्म निर्माता इम्तियाज अली कर रहे हैं। उनके साथ शरवरी वाघ की अगली फिल्म ने पहले ही फैंस के बीच धूम मचा दी है। वेदांग रैना अभिनीत इस फिल्म की शूटिंग दशहरे के शुभ अवसर पर शुरू हुई है। इस मौके पर अभिनेत्री ने एक भावुक नोट लिखा है। शरवरी वाघ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक भावुक नोट लिखा है। उन्होंने लिखा सरस्वती पूजा के वक्त घर पर नहीं रह सकी। इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। एक बहुत ही खास निर्देशक और टीम के साथ एक बहुत ही खास फिल्म की शूटिंग शुरू।

फरहान अख्तर का कार्ड स्वाइप कर ड्राइवर ने की

बॉलीवुड एक्टर फरहान अख्तर और उनकी मां हनी ईरानी के साथ धोखाधड़ी हुई है। उन्हीं के घर में काम कर रहे ड्राइवर ने बिना जानकारी के एक्टर के कार्ड का इस्तेमाल किया है और पैसों की घपलेबाजी की। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी ड्राइवर से पूछताछ कर रही है। बांद्रा पुलिस ने बताया कि एक्टर की मां की मैनेजर दीया भाटिया ने शिकायत दर्ज कराई। मैनेजर ने आरोप लगाया कि ड्राइवर और पंप कर्मचारी ने मिलकर पैसों की घपलेबाजी की है और अब तक 12 लाख की धोखाधड़ी कर चुके हैं। बांद्रा पुलिस ने बताया कि एक्टर की मां का ड्राइवर बिना जानकारी के एक्टर के नाम से जारी कार्ड का इस्तेमाल कर रहा है। ड्राइवर एक्टर की मां हनी ईरानी की गाड़ियों में पेट्रोल के बहाने पेट्रोल पंप जाता और कार्ड स्वाइप करता, लेकिन गाड़ी में पेट्रोल भरवाता ही नहीं था। पेट्रोल पंप पर मौजूद शख्स को भी वो उसका हिस्सा देता था। पुलिस ने बताया कि गाड़ी में 35 लीटर ही पेट्रोल की क्षमता थी, लेकिन खाते में 62 लीटर पेट्रोल-डीजल का बिल दिखाया जाता। मामले में पुलिस ने ड्राइवर और बांद्रा झील के पास स्थित पेट्रोल पंप के एक कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। पूछताछ में ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि फरहान के नाम से जारी कार्ड उसे 2022 में एक्टर के पूर्व ड्राइवर के जरिए मिले थे। वह पेट्रोल पंप पर बिना पेट्रोल भराए ही पेट्रोल पंप कर्मचारी से कैश ले लेता था और कमीशन के तौर पर कुछ हिस्सा कर्मचारी को भी देता था। रोजाना लगभग यह अमाउंट 1000 से 1500 के बीच होता था। बता दें कि हनी ईरानी फरहान अख्तर की मां और जावेद अख्तर की पहली पत्नी हैं। जावेद अख्तर और हनी ईरानी का तलाक 1985 में हो गया था और तलाक के तुरंत बाद लेखक ने शबाना आजमी से शादी कर ली थी। उसके बाद भी फरहान अख्तर और शबाना आजमी बहुत अच्छा बॉन्ड

रानी को इस फिल्म के लिए मिलना चाहिए था राष्ट्रीय पुरस्कार

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी को लंबे सिनेमाई करियर के बाद साल 2025 में उन्हें पहली बार मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय

एक्ट्रेस की मां ने किया ये खुलासा

पुरस्कार मिला। अब इस जीत पर एक्ट्रेस की मां ने प्रतिक्रिया दी है। जानिए उन्होंने क्या कहा। रानी मुखर्जी को बीते दिनों फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। इस अवॉर्ड को प्राप्त करने के लिए उन्हें खूब सराहना मिली। अब इस पर एक्ट्रेस की मां ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा उन्हें अवॉर्ड मिलने में देरी हुई। साथ ही बताया कि रानी को किस फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना चाहिए था।

रानी की मां ने कहा- ब्लैक फिल्म के मिलना चाहिए था

हाल ही में, रानी मुखर्जी की मां मुंबई में एक दुर्गा पूजा पंडाल में शामिल हुई थीं। यहां उन्होंने अपनी बेटी को पहला राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। लेकिन उन्हें यह बहुत देर से मिला। मुझे लगता है कि उन्हें यह पुरस्कार फिल्म 'ब्लैक' के लिए मिलना चाहिए था। लेकिन आज मुझे उन पर बहुत गर्व है।

● 30 साल बाद उसे पुरस्कार मिला

आगे बात करते हुए एक्ट्रेस की मां ने कहा, रानी मेरी बेटी जैसी है। हमें यह जानकर बहुत खुशी हुई कि उसे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। उसने ब्लैक में कमाल का काम किया है। मुझे समझ नहीं आता कि उस समय लोग उसे क्यों नहीं समझ पाए। उन्हें बहुत पहले ही यह पुरस्कार दे देना चाहिए था। 30 साल बाद उसे यह पुरस्कार मिल रहा है।

● मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे फिल्म के बारे में

फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे नॉर्वे में रहने वाली एक भारतीय मां देबिका चटर्जी (मुखर्जी) की कहानी है। इसमें दिखाया गया है कि वह अपने बच्चों से जबरन अलग कर दिए जाने के बाद उनकी कस्टडी वापस पाने के लिए अधिकारियों से लड़ती हैं। इसके अलावा रानी मुखर्जी को अगली बार क्राइम ड्रामा फिल्म मर्दानी 3 में देखा जाएगा।

अक्षय कुमार की बेटी को मिली साइबर धमकी पर रोहित रॉय का रिएक्शन, बोले- यह सबके लिए चिंता की बात है

अभिनेता अक्षय कुमार ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया कि उनकी बेटी साइबर क्राइम का शिकार होते-होते बची। इस पर रोहित रॉय ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे सभी के लिए एक चिंताजनक बात बताया। अभिनेता रोनित रॉय इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कंट्रोल को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म साइबर अपराध विषय पर बनी है। रोहित रॉय ने बढ़ते साइबर क्राइम पर चिंता जाहिर की। उन्होंने अक्षय कुमार की बेटी से जुड़ी उस घटना का भी जिक्र किया, जिसमें वह साइबर क्राइम का शिकार होते-होते बची। अभिनेता अक्षय कुमार ने साइबर क्राइम से जुड़ा एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि उनकी बेटी नितारा वीडियो गेम खेलते वक्त साइबर क्राइम का शिकार होते-होते बच गई।

अक्षय कुमार की घटना पर रोहित ने दिया रिएक्शन

अक्षय ने इस घटना का जिक्र करते हुए महाराष्ट्र सरकार से साइबर क्राइम से जुड़ा एक चैप्टर कोर्स में भी शामिल करने की मांग की है। बता दें कि अक्षय की बेटी नितारा सिर्फ 13 साल की हैं। मुंबई स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय में साइबर जागरूकता माह 2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह अक्षय ने बताया कि मेरी बेटी वीडियो गेम खेल रही थी। कुछ वीडियो गेम ऐसे होते हैं, जिन्हें आप किसी के साथ खेल सकते हैं। इस दौरान एक शख्स ने मेरी बेटी से अश्लील तस्वीरें भेजने को कहा। अक्षय कुमार के इस खुलासे के बाद ऑनलाइन सेफ्टी और डिजिटल युग में हाई-प्रोफाइल परिवारों की भी सुरक्षा को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अक्षय के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रोहित रॉय ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे डिजिटल खतरे हर उम्र और हैसियत के लोगों पर हावी हो गए हैं।

रुक्मिणी वसंत ने कांतारा - चैप्टर 1 को बताया ज़िंदगी बदल देने वाला अनुभव

आज जब कांतारा - चैप्टर 1 दुनियाभर में रिलीज़ हुई है, तब एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत ने अपने दिल की बात शेयर की। एक इमोशनल नोट में उन्होंने बताया कि कैसे ये सफर उन्हें एक कलाकार और इंसान दोनों रूपों में नया बना गया। उन्होंने लिखा ङ्कएक साल पहले मुझे 'कांतारा - चैप्टर 1' का हिस्सा बनने का मौका मिला। इस फिल्म ने मुझे चुनौती दी, मुझे सिखाया, मेरे हुनर को निखारा और ज़िंदगी को एक नया नज़रिया दिया। ये फिल्म सच में प्यार और जुनून से बनी है - सैकड़ों लोगों की मेहनत से, जिन्होंने दिन-रात एक कर दिया। इस जादुई फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बेहद आभारी हूं। रुक्मिणी ने फिल्म के कप्तान ऋषभ शेट्टी को दिल से शुक्रिया कहा- ऋषभ सर इस प्रोजेक्ट की रीढ़ हैं।

सामने आई रश्मिका मंदाना की 'द गर्लफ्रेंड' की रिलीज डेट

अभिनेता विजय देवरकोंडा से सगाई और शादी की तारीखें तय होने की चर्चाओं के बीच, रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है। रश्मिका मंदाना और दीक्षित शेट्टी स्टारर फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' को लेकर दर्शकों के बीच काफी वक्त से उत्साह बना हुआ था। अब मेकर्स ने आज फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है। जानिए कब सिनेमाघरों में आ रही है यह फिल्म?

रश्मिका ने शेयर किया टीजर

रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा के साथ ही एक टीजर भी शेयर किया है। इसके साथ ही रश्मिका ने ये भी बता दिया है कि 'द गर्लफ्रेंड' 7 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी।

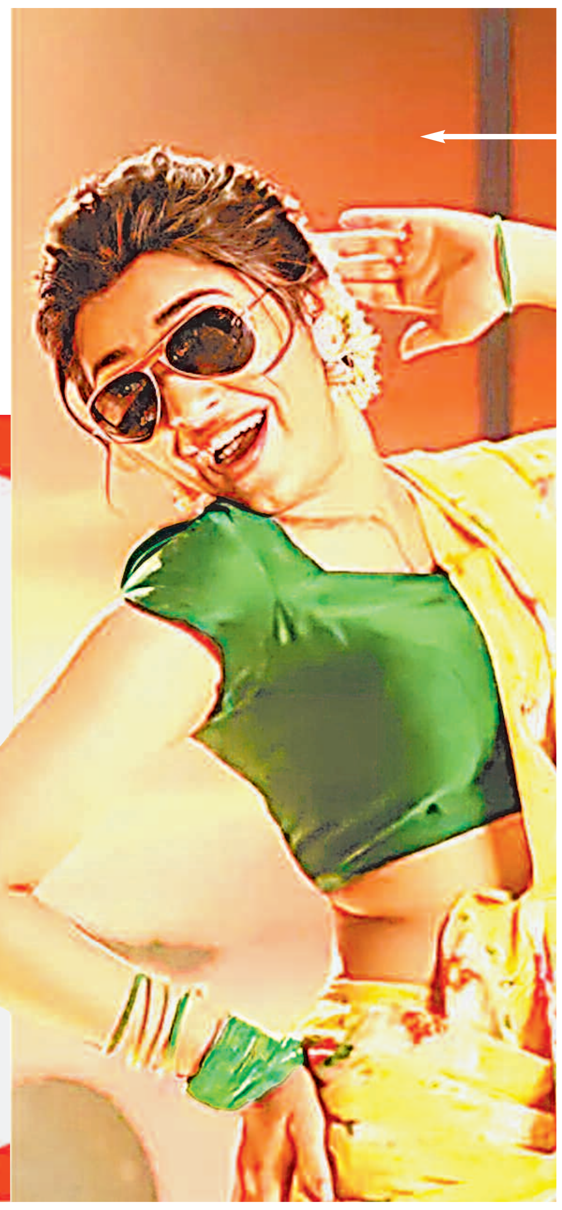

रश्मिका मंदाना की राह पर कृति शेट्टी

कृति शेट्टी साउथ इंडिया सिनेमा में बहुत कम समय में तेज़ी से एक नया नाम बनकर उभर रही हैं, जिस पर ध्यान देना ज़रूरी है। अपनी बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस, स्वाभाविक आकर्षण और उप्पेना, श्याम सिंघा रॉय, बंगाराजु और द वॉरियर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने बहुमुखी अभिनय के साथ, उन्होंने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं, दोनों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। जिस तरह एक समय में रश्मिका मंदाना ने पूरे देश में लोकप्रियता हासिल की थी, उसी तरह कृति भी अपनी शानदार अभिनय क्षमता और सादगी भरी मौजूदगी से उसी दिशा में आगे बढ़ती दिख रही हैं। जो उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे होनहार चेहरों में से एक बनाता है। काफी कम समय में, कृति ने प्रभावशाली भूमिकाओं का एक ऐसा संग्रह तैयार किया है। जिन किरदारों को कृति ने निभाया है, वे दिखाते हैं कि वह अलग-अलग जॉनर में – चाहे रोमांस हो या गंभीर ड्रामा – उनमें खुद को ढालने में पूरी तरह सक्षम हैं। उनके अभिनय में भावनात्मक जुड़ाव और कैमरे के सामने सहजता, उन्हें अपने समकालीन कलाकारों की तुलना में अलग पहचान दिलाती हैं। अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा आत्मविश्वास और परिपक्वता दिखाने वाली कृति की यही खूबियाँ उन्हें उस इंडस्ट्री में अलग बनाती हैं जो हमेशा नई टैलेंट की तलाश में रहती है। कृति शेट्टी की पहचान सिर्फ एक मौजूदा लोकप्रिय कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद और टिकाऊ स्टार के रूप में बन रही है। वे अपने करियर में ऐसे किरदार और कहानियाँ चुन रही हैं जो न केवल उन्हें अभिनय का पूरा अवसर देते हैं, बल्कि व्यापक दर्शकों से जुड़ने का मौका भी।

साभार एजेंसी